THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 239 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.5, 2079 रविवार, 13 नवंबर 2022

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16+32 मूल्य : 8 रुपये

तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले के 11 गांवों में रेड अलर्ट

चेन्नई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। रेड हिल्स झील से पानी छोड़े जाने के बाद तिरुवल्लूर जिला प्रशासन ने 11 गांवों में रेड अलर्ट जारी किया है। जलग्रहण क्षेत्र में भारी बारिश के चलते 500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। जिला कलेक्टर एल्बी जॉर्ज ने एक बयान में कहा कि मौसम विभाग द्वारा आने वाले दिनों में और बारिश की भविष्यवाणी के बाद रेड हिल झील से 500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। कलेक्टर ने कहा कि थांडल, नरवरिकुप्पम, कजानी, ग्रैंडलाइन, वडकराई, पुझल, वडपेरुम्बक्कम, माथुर, वासापुर, मनाली और सदायनकुप्पम समेत निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को पहले ही अलर्ट दे दिया गया। उल्लेखनीय है कि चेम्बरमबकम झील से 569 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ा गया था।

तेलंगाना में केसीआर की पार्टी पर बरसे पीएम मोदी

'मुझे हर दिन 2 से 3 किलो गालियां मिलती हैं'

हैदराबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए राज्य के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर निशाना साधा। पीएम ने उन पर भ्रष्टाचार और वंशवाद की राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य को ऐसी सरकार चाहिए जो लोगों को पहले रखे नाकि परिवार को। पीएम ने कहा कि कई लोग उनसे पूछते हैं कि वह इतनी मेहनत करने के बावजूद थकते क्यों नहीं। उन्होंने कहा, मैं नहीं थकता क्योंकि मैं हर दिन 2-3 किलो गालियां खाता हूं... भगवान ने मुझे ऐसा आशीर्वाद दिया है कि यह (गालियां) मेरे अंदर पोषण में बदल जाती हैं।

उन्होंने कहा, मोदी को गाली दीजिए, भाजपा को गाली दीजिए... लेकिन अगर आप तेलंगाना के लोगों को गाली देंगे तो आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। पीएम मोदी ने राज्य सरकार पर जानबूझकर राज्य में केंद्र की विकास योजनाओं को रोकने के लिए अड़ंगा डालने का आरोप लगाया। पीएम ने केसीआर के "अंधविश्वासों" पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि सभी महत्वपूर्ण निर्णय जैसे (कहां रहना है, दफ्तर कहां होगा, मंत्री के रूप में किसे चुनना है आदि) अंधविश्वास के आधार पर लिए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सामाजिक न्याय में सबसे बड़ी बाधा है।

बेगमपेट में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, यह दुख की बात है कि जो लोग तेलंगाना के नाम पर फले-फूले, आगे बढ़े, सत्ता में आए, उन्होंने ही राज्य को पीछे धकेल दिया। तेलंगाना की सरकार और नेता हमेशा राज्य की क्षमता और उसके लोगों की प्रतिभा के साथ अन्याय करते हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना के लोगों ने जिस राजनीतिक पार्टी पर सबसे ज्यादा भरोसा किया, उसी पार्टी ने तेलंगाना के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात किया। जब अंधेरा बढ़ता है, उस स्थिति में कमल खिलना शुरू हो जाता है। भोर से ठीक पहले, तेलंगाना में कमल खिलता देखा जा सकता है।

पीएम ने राज्य की सत्ताधारी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा, मुनुगोडु के लोगों ने जिस तरह भाजपा पर अपना विश्वास दिखाया है, वह अभूतपूर्व है। मैंने देखा कि कैसे बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पूरी तेलंगाना सरकार को एक विधानसभा सीट पर लाकर खड़ा कर दिया। इससे पता चलता है कि आप पर लोगों का आशीर्वाद है और आपके काम का फल मिल रहा है।

पीएम ने दावा किया कि विपक्षी दल गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि उन्हें एजेंसियों द्वारा उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच का डर है। पीएम मोदी ने राज्य में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी सरकार के डिजिटल लेनदेन और ऑनलाइन भुगतान पर जोर देने से भ्रष्टाचार में काफी कमी आई है क्योंकि उन लेनदेन को ट्रैक किया जा सकता है।

हिमाचल में 68 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग संपन्न

65.5 प्रतिशत हुआ मतदान

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार (12 नवंबर, 2022) को मतदान संपन्न हो गया है। मतदान केंद्रों पर ईवीएम और वीवीपैट को सील कर सुरक्षित किया गया है।

अब 8 दिसंबर को मतगणना होगी और पता चलेगा कि राज्य में किसकी सरकार बनने जा रही है। इस बार 2017 विधानसभा चुनाव के मुकाबले वोटिंग में कमी दर्ज की गई है। इस साल 65.5 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जबकि 2017 में हुए हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में 74 प्रतिशत मतदान हुआ था। आज राज्य विधानसभा की सभी 68 विधानसभा सीटों के लिए मतदान हुआ।

मतदान केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदाता वोट डालने के लिए पहुंचे। हिमाचल प्रदेश में दोपहर तीन बजे तक 55 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, इससे पहले 1 बजे तक 37 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इस दौरान तमाम दिग्गज नेताओं ने वोट डाला। सीएम जयराम ठाकुर भी अपने परिवार के साथ मतदान के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि अपनी बड़ी जीत को लेकर वह आश्वस्त हैं। वहीं, कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के बेटे विकरमादित्य सिंह ने दावा किया कि हिमाचल प्रदेश में इस बार बहुमत के साथ उनकी पार्टी सरकार बनाएगी। हिमाचल में सुबह 8 बजे मतदान शुरू हुआ।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलेगी कांग्रेस : मधुसूदन मिस्त्री बोले मोदी कभी पटेल नहीं बन सकते

अहमदाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने गुजरात चुनाव के लिए शनिवार को अहमदाबाद में पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। इसमें 10 लाख सरकारी नौकरियां, किसानों की कर्ज माफी और हर महीने 300 यूनिट तक फ्री बिजली देने का वादा किया। कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में भारी-भरकम दावे किए, लेकिन इसमें वादों से ज्यादा विवादों की छाया नजर आ रही है।

नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलकर सरदार पटेल करेंगे

पार्टी ने अहमदाबाद में नरेंद्र मोदी स्टेडियम का नाम बदलकर सरदार पटेल करने का ऐलान किया। वहीं, बिलकिस बानो गैंगरेप केस के दोषियों की रिहाई रद्द कर उन्हें फिर जेल भेजने की बात भी कही। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए पार्टी नेता मधूसूदन मिस्त्री ने तो यह तक कह दिया कि मोदी कभी पटेल नहीं बन सकते। उन्होंने कहा, इस चुनाव में उन्हें औकात दिख जाएगी।

विधानसभा चुनाव से पहले 150 स्थानों पर छापेमारी

एटीएस व जीएसटी की टीम ने चलाया अभियान

अहमदाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले छापेमारी हुई है। जानकारी के मुताबिक, राज्य एटीएस और जीएसटी के अधिकारियों ने संयुक्त रूप से राज्य में 150 स्थानों पर छापेमारी की है। यह छापेमारी सूरत, अहमदाबाद, जामनगर, भरूच, भावनगर जैसे जिलों में की गई है। सूत्रों के मुताबिक, अधिकारियों को टैक्स चोरी और हवाला कारोबार की सूचना मिली थी, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। जानकारों का कहना है कि चुनाव से ठीक पहले इस तरह की कार्रवाई काफी अहम मानी जा रही है।

71 करोड़ 88 लाख रुपये बरामद :

चुनाव आयोग के निर्देश पर चलाए गए विशेष अभियान के दौरान सुरक्षा एजेंसियों ने राज्य में 71 करोड़ 88 लाख रुपये बरामद किए हैं। इससे पहले 2017 में 27.21 करोड़ की बरामदगी आचार संहित के दौरान की गई थी। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, मुंद्रा पोर्ट से 64 करोड़ रुपये के खिलौने और सामान भी जांच एजेंसी ने जब्त किए हैं। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

'जजों के सामने सोशल मीडिया एक बड़ी चुनौती'

सीजेआई चंद्रचूड़ ने जताई चिंता, कोर्ट से लाइव स्ट्रीमिंग का भी किया जिक्र

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने इस सप्ताह की शुरूआत में भारत के 50वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। शनिवार को उन्होंने संवैधानिक अदालतों के न्यायाधीशों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, पहली चुनौती जिसका हम सामना करते हैं, वह अपेक्षाओं की है।

सोशल मीडिया मौजूदा चुनौतियों में से एक है :

उन्होंने आगे कहा कि सोशल मीडिया भी मौजूदा समय की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। मुख्य न्यायाधीश ने जोर देकर कहा, मामले की सुनवाई के दौरान एक न्यायाधीश द्वारा कही गई हर बात अंतिम राय नहीं है। जब किसी मामले की सुनवाई होती है तो एक स्वतंत्र संवाद होता है। वास्तविक समय की रिपोर्टिंग में जज के फैसले ट्विटर या टेलीग्राम और इंस्टाग्राम पर डाल दिए जाते हैं और फिर आप मूल्यांकन करने लग जाते हैं। अगर जज चुप रहता है तो इसका निर्णय लेने पर खतरनाक प्रभाव पड़ेगा।

मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि ई-कोर्ट (इलेक्ट्रॉनिक) सेवाएं अब न केवल महानगरों बल्कि गांवों तक भी पहुंचती हैं। उन्होंने कहा, हमें अपने आप को नया रूप देने की जरूरत है, अपने आप को फिर से भरने और पुनर्विचार करने की जरूरत है कि हम अपनी उम्र की चुनौतियों के अनुकूल कैसे बनें। हम एक ऐसे देश में रहते हैं जहां इंटरनेट तक पहुंच मजबूत नहीं है। अदालती इमारतें वादियों के मन में खौफ पैदा करती हैं। यह औपनिवेशिक मानसिकता का डिजाइन था। प्रौद्योगिकी ने हमें उस मॉडल को बदलने की अनुमति दी जहां नागरिकों ने अदालतों तक पहुंच बनाई और अदालतों को वादकारियों तक पहुंचने की अनुमति दी।

जिला कोर्ट की कार्यवाही को लाइव स्ट्रीम करने की जरूरत है :

मुख्य न्यायाधीश ने उच्च न्यायालयों और शीर्ष अदालत में मामलों की लाइव-स्ट्रीमिंग के बारे में बोलते हुए रेखांकित किया, तकनीक ने न्यायाधीशों को काम करने के पारंपरिक तरीकों पर फिर से विचार करने में मदद की है। उन्होंने आगे कहा कि आप नागरिकों के प्रति जवाबदेही की भावना पैदा करते हैं। हमें जिला न्यायपालिका की कार्यवाही को लाइव स्ट्रीम करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह नागरिकों के लिए पहला इंटरफेस है।

गुजरात के लिए भाजपा ने जारी की दूसरी लिस्ट

अहमदाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इस लिस्ट में छह उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है। इससे पहले पार्टी ने 160 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी, जिसमें रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा और हार्दिक पटेल को भी टिकट दिया गया था।

भाजपा की ओर से शनिवार को जारी लिस्ट में छह उम्मीदवारों के नाम का एलान किया गया है। इनमें सौराष्ट्र से चार और दक्षिण गुजरात की दो सीटों के नाम शामिल हैं। दरअसल, भाजपा ने धोराजी, खंभालिया, कुतियाना, भावनगर पूर्व, डेडियापाड़ा और चौर्यासी सीट पर प्रत्याशी उतारे हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने 10 नवंबर को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी, जिसमें 160 उम्मीदवारों के नामों का एलान किया गया था। इस लिस्ट में सीएम भूपेंद्र पटेल को घाटलोढ़िया विधानसभा सीट से उम्मीदवार बनाया गया।

शाहरुख खान को मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम ने रोका

शारजाह से 18 लाख की घड़ियां लाए थे, 7 लाख रुपये का जुर्माना लगा

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम्स ने रोक लिया। एयरपोर्ट पर तैनात एयर इंटेलिजेंस यूनिट यानी एआईयू के सूत्रों ने बताया कि शाहरुख शुक्रवार रात को शारजाह से लौटे थे। उनके पास महंगी घड़ियां और उनके कवर थे, जिनकी कीमत 18 लाख रुपये थी। इन घड़ियों के लिए शाहरुख को 6.83 लाख रुपये की कस्टम ड्यूटी चुकानी पड़ी।

शाहरुख खान प्राइवेट चार्टर्ड प्लेन से शुक्रवार रात करीब साढ़े 12 बजे मुंबई पहुंचे थे। यहां टी-3 टर्मिनल पर रात करीब 1 बजे रेड चैनल पार करते समय कस्टम ने शाहरुख खान और उनकी टीम को रोका था। उनके बैग की जांच में बाबुन और जुर्बकी घड़ी, रोलेक्स घड़ी के 6 डिब्बे स्पिरिट ब्रांड की घड़ी, ऐपल सीरीज की घड़ियां मिलीं। साथ ही घड़ियों के खाली बॉक्स भी मिले थे।

शाहरुख को छोड़ा, बॉडीगार्ड ने भरी पैनाल्टी

एयरपोर्ट पर घंटे भर चली कार्रवाई के बाद शाहरुख और उनकी मैनेजर पूजा ददलानी को जाने दिया गया, लेकिन शाहरुख के बॉडीगार्ड रवि और टीम के बाकी सदस्यों को रोक लिया गया। जानकारी के मुताबिक, शाहरुख के बॉडीगार्ड रवि ने ही 6 लाख 87 हजार रुपये की कस्टम ड्यूटी चुकाई। कस्टम्स की प्रोसेस पूरी होने में शनिवार सुबह तक चली। सुबह करीब 8 बजे प्रोसेस पूरा होने के बाद ही कस्टम अधिकारियों ने रवि को छोड़ा। कई रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि जुर्माने की रकम शाहरुख के क्रेडिट कार्ड से ही चुकाई गई है।

शाहरुख 11 नवंबर को यूएई के एक्सपो सेंटर पहुंचे थे। वहां शारजाह इंटरनेशनल बुक फेयर 2022 के 41वें एडिशन में भाग लेने पर उन्हें ग्लोबल आइकॉन ऑफ सिनेमा एंड कल्चरल नरेटिव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था। इस इवेंट में शामिल होने के लिए शाहरुख अपनी टीम को भी प्राइवेट चार्टर्ड प्लेन से लेकर गए थे। इसी प्लेन से वे शुक्रवार की देर रात साढ़े 12 बजे मुंबई लौटे थे।

शाहरुख खान को मिला सिनेमा का ग्लोबल आइकन अवॉर्ड :

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान को यूएई में अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। किंग खान को यह अवॉर्ड सिनेमा में उनके योगदान और ग्लोबल आइकन के तौर पर दिया गया है। दरअसल 11 नवंबर को शाहरुख ने यूएई के एक्सपो सेंटर में शिरकत की थी, जहां उन्हें शारजाह इंटरनेशनल बुक फेयर 2022 के 41वें एडिशन में भाग लेने पर ग्लोबल आइकन ऑफ सिनेमा एंड कल्चरल नरेटिव अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इवेंट में शाहरुख ऑल ब्लैक अवतार में नजर आए, सोशल मीडिया पर इवेंट की फोटोज बेहद सुर्खियों में हैं।

शाहरुख खान को साल 2009 में न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर रोका गया था और घंटों उनके सामान की तलाशी ली गई थी क्योंकि शाहरुख खान एक आतंकी का भी नाम था और उस समय गूगल सर्चिंग में जब उसका प्रोफाइल सामने आता था तो वहां शाहरुख खान की तस्वीर दिखती थी जिसे बाद में सुधारा गया था। 2012 में शाहरुख को न्यूयॉर्क एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने दो घंटे रोककर रखा।

तमिलनाडु के दलों को मंजूर नहीं ईडब्ल्यूएस आरक्षण

भाजपा व अन्नाद्रमुक ने किया सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार

चेन्नई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के सत्तारूढ़ राजनीतिक दलों को गरीब सवर्णों को 10 प्रतिशत आरक्षण (ईडब्ल्यूएस कोटा) मंजूर नहीं है। सीएम एमके स्टालिन द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में 103वें संविधान संशोधन विधेयक को ठुकरा दिया गया। इन दलों का कहना है कि इससे गरीबों के बीच भेदभाव होगा।

सीएम स्टालिन की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक का मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक और उसकी सहयोगी भाजपा ने बहिष्कार किया। बैठक में शामिल दलों ने राज्य सरकार से आग्रह किया कि वह इसके खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करते वक्त अपना विरोध मजबूती के साथ दर्ज कराए।

द्रमुक दायर करेगी पुनर्विचार याचिका :

सत्तारूढ़ द्रमुक पहले ही घोषणा कर चुकी है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण के सुप्रीम कोर्ट के 8 नवंबर के आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करेगी। शीर्ष कोर्ट की पांच जजों की संविधान पीठ ने 3-2 से फैसला सुनाते हुई गरीब सवर्णों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण को बरकरार रखा है। सर्वदलीय बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि हम 103वें संविधान संशोधन को खारिज करते हैं। यह संविधान में निहित सामाजिक न्याय के खिलाफ है। यह फैसला गरीबों के बीच जातिगत भेदभाव पैदा करेगा। इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करते वक्त हम सरकार से भी सामाजिक न्याय और समानता सुनिश्चित करने का आग्रह करेंगे।

बैठक में शामिल दलों ने समर्थन दिया

बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री के पोनमुडी ने कहा कि सीएम की अध्यक्षता में हुई बैठक में शामिल सभी लोगों ने इस मुद्दे पर समर्थन दिया। बैठक में द्रमुक के सहयोगी कांग्रेस, वाम दलों, एमडीएमके और विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) के अलावा एनडीए के घटक पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) ने भाग लिया। उन्होंने अन्नाद्रमुक की अनुपस्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा कि उसके दिग्गज, दिवंगत मुख्यमंत्री एमजी रामचंद्रन और जे जयललिता हमेशा सामाजिक न्याय के लिए खड़े रहे।

दिल्ली-एनसीआर में फिर भूकंप के झटके

54 सेकंड तक हिली धरती, खौफ में लोग निकले घरों से बाहर

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली एनसीआर में शनिवार शाम आठ बजे के करीब भूकंप के तेज झटके लगे। लोग अफरा तफरी में घरों से बाहर निकल आए। हालांकि कहीं से नुकसान की खबर नहीं है लेकिन लोगों में अफरातफरी का माहौल था। टीवी न्यूज के मुताबिक भूकंप के तेज झटके तकरीबन 54 सेकंड तक लगे। भूकंप का केंद्र नेपाल रहा है। इस दौरान घरों में तेज कंपन महसूस हुआ। लेकिन लगातार झटके काफी देर तक रहने से लोग सहम गए। इस दौरान कई लोग अपने घरों से बाहर निकलकर लोगों ने दूसरों से झटकों के बारे में सवाल जवाब किए।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप की तीव्रता तकरीबन 5.4 रही। बीते हफ्ते आए भूकंप की तीव्रता भी काफी ज्यादा थी। वैज्ञानिक मानते हैं कि 5 से ऊपर की तीव्रता का भूकंप दिल्ली-एनसीआर के लिए खतरनाक हो सकता है। कई बार लोगों के लिए जरूरी दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं, जिससे वो अपना बचाव कर सकें।

ध्यान रहे कि एक हफ्ते के भीतर ये दूसरा बड़ा झटका है। बता दें, इससे पहले मंगलवाकर को दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके महसूस किए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केन्द्र (एनसीएस) के अनुसार, देर रात एक बजकर 57 मिनट पर 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था।

भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार इसका केंद्र दक्षिण पूर्व नेपाल की सीमा के पास था। यह जगह उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले से 90 किमी दूर है। देश में राजधानी दिल्ली के अलावा खासकर उत्तरी राज्य उत्तराखंड, हिमाचल और उत्तर प्रदेश के कई शहरों में इस भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। देर रात भूकंप से किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर सामने नहीं आई है। धरती के अंदर सात प्लेट्स ऐसी होती हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। यह प्लेट्स जिन जगहों पर ज्यादा टकराती हैं, उसे फॉल्ट लाइन जोन कहा जाता है।

संसद के शीतकालीन सत्र में शामिल नहीं होंगे राहुल गांधी, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बताई वजह

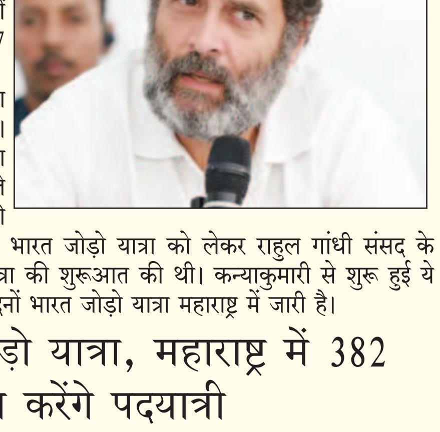

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। कांग्रेस प्रभारी महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि राहुल के संसद के आगामी शीतकालीन सत्र में भाग लेने की संभावना नहीं है। वह भारत जोड़ो यात्रा को नहीं छोड़ेंगे। सूत्रों के मुताबिक संसद का शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होकर 29 दिसंबर तक चल सकता है।

आमतौर पर नवंबर के तीसरे हफ्ते में शुरू होने वाला संसद सत्र गुजरात चुनाव के चलते देरी से शुरू होगा। हालांकि, इसको लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। संसद के शीतकालीन सत्र के दिसंबर के पहले हफ्ते पुराने भवन में शुरू होने और महीने के अंत तक चलने की संभावना है। अब माना जा रहा है कि कांग्रेस की जारी भारत जोड़ो यात्रा को लेकर राहुल गांधी संसद के शीतकालीन सत्र में शामिल नहीं होंगे। उन्होंने ही इस यात्रा की शुरूआत की थी। कन्याकुमारी से शुरू हुई ये यात्रा कर्नाटक, तेलंगाना के बाद महाराष्ट्र पहुंची है। इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा महाराष्ट्र में जारी है।

66वें दिन शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा, महाराष्ट्र में 382 किमी की दूरी तय करेंगे पदयात्री

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा शनिवार को फिर से शुरू हो गई। 66वें दिन राहुल गांधी के नेतृत्व में हिंगोली के शेवाला गांव से यात्रा शुरू हुई। पार्टी के पदाधिकारी ने बताया कि आज की यात्रा आरती गांव, पारडी मोड़ बस स्टैंड और कलामनुरी जिला परिषद हाई स्कूल मैदान से होकर गुजरेगी। रात को कलामनुरी के शंकरराव सावत आर्ट्स एंड कॉमर्स कॉलेज मैदान में पदयात्री रात्रि विश्राम करेंगे।

20 नवंबर को मध्य प्रदेश पहुंचेगी यात्रा :

कांग्रेस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, भारत जोड़ो यात्रा 20 नवंबर को मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी। इससे पहले यह यात्रा महाराष्ट्र के पांच जिलो में 382 किमी की दूरी तय करेगी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी कार:2 दोस्तों की मौत

पानीपत, 12 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत जिले के समालखा कस्बे में एनएच-44 पर एलिवेटेड हाईवे पर एक बड़ा हादसा हो गया। जहां एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से एक कार घुस गई। कार में बैठे दो दोस्त गंभीर घायल हो गए। जिन्हें रोहतक पीजीआई ले जाया गया। यहां दोनों दोस्तों की मौत हो गई। मामले की शिकायत मृतकों के परिजनों ने पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज कर लिया है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिए हैं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आंध्र प्रदेश में मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी

विशाखापट्टनम को पीएम की सौगात

10,500 करोड़ की परियोजनाएं, विकास की यह बहुआयामी यात्रा रुकेगी नहीं

विशाखापट्टनम, 12 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने राज्य को 10 हजार 500 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं की सौगात दी। इसके बाद उन्होंने विकास परियोजनाओं के मॉडल की भी समीक्षा की। प्रधानमंत्री के साथ आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी, राज्यपाल बिस्वा भूषण हरिचंदन व केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद रहे। इस दौरान जनता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आजादी के अमृत काल में देश विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

विकास की यह यात्रा बहुआयामी है। इसमें सामान्य मानवी के जीवन से जुड़ी जरूरतों की चिंता शामिल है और सबसे बेहतर आधुनिक आधारभूत संरचना का निर्माण भी शामिल है। प्रधानमंत्री ने कहा, आपूर्ति श्रृंखला तार्किक और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी पर निर्भर करती है। इसलिए हमने आधारभूत संरचना के विकास को लेकर नई दृष्टिकोण अपनाई। हमने विकास के एकीकृत दृश्य को महत्व दिया।

आंध्र प्रदेश के लोगों का खत्म हुआ इंतजार

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मुझे पता है कि आंध्र प्रदेश के लोगों को काफी लंबे समय से इन परियोजनाओं का इंतजार था। आज यह इंतजार खत्म हो रहा है। अब आंध्र प्रदेश और इसके तटीय क्षेत्र एक नई रफ्तार से आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, आधारभूत संरचना का यह एकीकृत दृश्य पीएम गतिशक्ति मास्टर प्लान की वजह से संभव हुआ है। गतिशक्ति प्लान से ना सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण की रफ्तार तेज हुई है बल्कि इससे परियोजनाओं पर लगने वाला खर्च भी कम हुआ है।

व्यापार और विनिर्माण को बढ़ावा देगा आर्थिक गलियारा

पीएम ने कहा, आज शुरू किया जा रहा आर्थिक गलियारा आंध्र प्रदेश में व्यापार और विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी में सुधार करेगा। आज जब दुनिया संकट के दौर से गुजर रही है, भारत कई क्षेत्रों में नए मील के पत्थर हासिल कर रहा है और इतिहास रच रहा है। दुनिया हमारे विकास को देख रही है। सरकार की सभी नीतियों के मूल में आम आदमी का कल्याण है।

संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर में

पहले सप्ताह में पुराने भवन में शुरू होने की संभावना

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। संसद का शीतकालीन सत्र दिसंबर के पहले सप्ताह में पुराने भवन में शुरू होने की संभावना है। सूत्रों ने अनुसार इसे सात से 29 दिसंबर के बीच सत्र आयोजित करने का प्रस्ताव है। तारीखों के संबंध में अंतिम और औपचारिक फैसला संसदीय मामलों की कैबिनेट समिति करेगी। शीतकालीन सत्र आमतौर पर हर साल नवंबर के तीसरे सप्ताह के आसपास शुरू होता है, लेकिन इस बार यह दिसंबर के महीने में शुरू होने जा रहा है। सत्र के दौरान करीब 20 बैठकें होती हैं। हालांकि, 2017 और 2018 में सत्र का आयोजन दिसंबर में किया गया था।

पुरानी बिल्डिंग में शुरू होगा सत्र

सूत्रों ने कहा कि सत्र जहां तक पुराने भवन में ही होने की संभावना है, वहीं सरकार इस महीने के अंत तक या दिसंबर की शुरुआत में 1,200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बनने वाले नए भवन के प्रतीकात्मक उद्घाटन पर भी विचार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिसंबर 2020 में नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी। इसका निर्माण कार्य टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड कर रहा है। सरकार ने पहले शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले नए भवन को पूरा करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन कुछ निर्माण कार्य निर्धारित समय से आगे बढ़ सकते हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर हो रही देरी

सूत्रों के मुताबिक 2023 का पहला संसद सत्र यानी बजट सत्र नए भवन में हो सकता है। गुजरात विधानसभा के लिए 1 और 5 दिसंबर को चुनाव होंगे। गुजरात और हिमाचल प्रदेश दोनों राज्यों में मतगणना आठ दिसंबर को होगी। कहा जा रहा है कि चुनाव की तारीखों की वजह से इस बार शीतकालीन सत्र 7 दिसंबर से शुरू होने की संभावना है। सरकार का लक्ष्य शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले नए भवन का निर्माण पूरा करने का था, लेकिन कुछ निर्माण कार्य निर्धारित समय से आगे बढ़ सकते हैं।

देश में कोरोना के 833 नए केस

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। देश में शनिवार को पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 833 नए मामले सामने आए हैं। इसके साथ ही देश में कोरोना से संक्रमित व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 4 करोड़, 46 लाख, 65 हजार 643 हो गई है। वहीं, सक्रिय मरीजों की संख्या कम होकर 12,553 रह गई है। इसके अलावा कोरोना वायरस से पिछले 24 घंटे में 8 और मरीजों की मौत हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी शनिवार सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण से आठ और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5 लाख 30 हजार 528 हो गई है। संक्रमण से हुई मौत के तीन मामले केरल से सामने आए हैं।

केरल में आरएसएस कार्यकर्ता की हत्या का मामला

पीएफआई के दो और नेता गिरफ्तार

पलक्कड़, 12 नवंबर (एजेंसियां)। केरल के पलक्कड़ में आरएसएस कार्यकर्ता एसके श्रीनिवासन की हत्या के मामले में पुलिस ने प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के दो स्थानीय नेताओं को गिरफ्तार किया है। इस तरह अभी तक इस प्रकरण में गिरफ्तार हुए आरोपियों की संख्या 37 हो गई है। सेथली, जो पीएफआई के कुलुकल्लुर क्षेत्र सचिव थे, को यूनिट के सदस्य राशिद के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने कहा कि दोनों ने अपराध करने के लिए इस्तेमाल किए गए वाहनों को मौके से गायब करने और सबूत मिटाने के लिए, हत्यारों की मदद की थी। कुछ दिन पहले हत्या की जांच में शामिल एक अधिकारी ने आरोप लगाया था कि उन्हें फोन पर जान से मारने की धमकी मिली थी। एम अनिल कुमार ने आरोप लगाया कि शनिवार की रात एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन किया और उनसे तावूत तैयार रखने के लिए कहा। इससे पहले सितंबर माह में, पीएफआई के पलक्कड़ जिला सचिव, अबूबकर सिद्दीक को आरएसएस नेता की हत्या की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वह उन पीएफआई कार्यकर्ताओं में शामिल था, जिन्होंने भाजपा, सीपीआई (एम) और आईयूएमएल सहित राजनीतिक संगठनों के नेताओं पर जवाबी हमले की योजना बनाई थी।

गौर हो कि 19 दिसंबर, 2021 को भाजपाओबीसी विंग के राज्य सचिव रंजीत श्रीनिवासन की अलप्पुझा जिले में एसडीपीआई के राज्य सचिव केएस शान की हत्या के एक दिन पहले ही हत्या कर दी गई थी।

8 करोड़ रुपये के 2000 वाले नकली नोट बरामद

ठाणे अपराध शाखा ने किया गैंग का भंडाफोड़

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र पुलिस की ठाणे अपराध शाखा ने नकली नोट छापने वाली एक गैंग का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से भारी मात्रा में 2000 के जाली नोट बरामद किए हैं। पुलिस के मुताबिक, 8 करोड़ रुपये के 2000 के जाली नोट जब्त किए गए हैं। इन नोटों को बाजार में उतारने की तैयारी चल रही थी लेकिन उससे पहले पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लग गई। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. ठाणे पुलिस ने गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान 52 वर्षीय राम शर्मा और 55 वर्षीय राजेंद्र राउत के रूप में की है. पुलिस ने बताया कि आरोपी पालघर के रहने वाले हैं और नकली नोटों को बाजार तक पहुंचाने का काम कर रहे थे. नकली नोट छापने वाले इस गैंग के पास से पुलिस ने 2000 के नोटों वाले 400 बंडल बरामद किए है. फिलहाल पुलिस की तफ्तीश जारी है. पुलिस पता लगाने की कोशिश कर रही है कि नकली नोट छापने वालों का नेटवर्क कहां तक फैला हुआ है. पुलिस के मुताबिक, बाजार में 2000 हजार रुपये के नोटों की कमी को देखते हुए जालसाज इसका फायदा उठाना चाह रहे थे.

ऐसे मिला था पुलिस को सुराग

पुलिस ने बताया था कि एक आरोपी हितेश कोटाडिया को गिरफ्तार करने के बाद उससे पूछताछ में मिले सुराग मिला था, जिसके बाद छापे मारे गए और जाली नोट जब्त हुए. कोटाडिया को एक एंबुलेंस से 25 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य के जाली नोट ले जाते हुए दबोचा गया था.

फडणवीस की तारीफ, विरोध से दूरी

क्या है संजय राउत की मजबूरी? क्यों बदले सुर

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (अब शिवसेना- उद्धव बालासाहेब ठाकरे) जमानत पर बाहर आ गए हैं। हमेशा तीखी बयानबाजी के लिए मशहूर राउत का इस बार रुख नरम पड़ता दिख रहा है। हाल ही में उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने की भी बात कही। अब फायर ब्रांड नेता के इस बदले रूप को समझने की कोशिश करते हैं।

क्या बोले राउत?

गुरुवार को उन्होंने कहा, 'मैं किसी की भी आलोचना नहीं करूंगा और न ही खिलाफ बोलूंगा। फिर चाहे वह केंद्रीय एजेंसियां हों या सरकार हो। मेरी पार्टी और मैंने भुगता है। हम केवल विरोध करने के लिए ही किसी का भी विरोध नहीं करेंगे। अगर उन्होंने अच्छा काम किया है, तो हम प्रोत्साहित करेंगे और स्वागत करेंगे। मौजूदा शासन ने भी कुछ अच्छे काम किए हैं।' उन्होंने कहा था, 'जो फैसले देश या राज्य के लिए सही हैं, उनका स्वागत किया जाना चाहिए। मैं देवेंद्र फडणवीस की तरफ से लिए गए फैसलों का स्वागत करता हूं। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से जल्दी मिलूंगा।'

क्या हो सकती है तेवर बदलने की वजह?

राउत ने गुरुवार को ही संकेत दिए कि राजनेताओं के बीच खटास को खत्म होना चाहिए। अब सवाल है कि विपक्ष को तीखे शब्दों में आड़े हाथों लेने वाले राउत का रुख एकदम कैसे बदल गया? कहा जा रहा है कि सांसद का यह कदम भाजपा के साथ समाधान करने का एक प्रयास लग रहा है। इसके अलावा उनके खिलाफ जारी मामला अभी बंद नहीं हुआ है और इसके जरिए वह केंद्रीय एजेंसियों को दूर रखना और भाजपा के साथ किसी तनाव से बचना चाह रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक नेता ने कहा, 'राउत 100 से ज्यादा दिनों तक जेल में रहे। स्वभाविक है कि वह उस माहौल में रहना नहीं चाहते, फिर भले ही अदालत ने उनके पक्ष में बात कही हो। ऐसा लग रहा है कि वह भाजपा या शिंदे गुट के बीच तनातनी से बचने के लिए उनकी रणनीति है।'

क्या कहता है शिंदे समूह?

रिपोर्ट के अनुसार, बालासाहेबांची शिवसेना इस कदम को राउत का 'निजी एजेंडा' करार दे रही है। पार्टी प्रवक्ता किरण पावस्कर का कहना है, 'एक तरफ उद्धव ठाकरे भाजपा की आलोचना कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी दलों को निशाना बना रही हैं। फिर राउत है, जो फडणवीस की तारीफ कर रहे हैं। यह दिखाता है कि उनके बीच कुछ गलत है।'

क्या है मामला?

पात्रा चॉल परियोजना में घोटाले के चलते राउत को 1 अगस्त को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें बुधवार को ही मामले में जमानत दी गई है। गिरफ्तारी से पहले ईडी ने जुलाई में उनके आवास पर छापेमारी भी की थी।

मिशन 2023: कमलनाथ ने तैयार की रणनीति, कम वोटों से हारी सीटों पर रहेगा फोकस

भोपाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में आगामी 2023 विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस तैयारियों में जुटी है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के बाद पीसीसी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ अपनी एक टीम को एक्टिव करने वाले है। यहां चर्चा कर प्रदेश की ऐसी विधानसभा सीटों को चिन्हित किया है जहां 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 3 हजार से कम वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। सूत्रों की मानें कांग्रेस ने प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों को तीन कैटेगिरी में बांटा है। जहां कांग्रेस सबसे पहले कम मार्जिन से हारने वाली सीटों पर पूरा फोकस करेगी। 2018 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की 24 विधानसभा सीटें ऐसी थी, जिन्हें कांग्रेस 3 हजार वोटों के कम मार्जिन से हारी थी। और इन सीटों पर कांग्रेस पहले से ही तैयारियों में जुटी है। जानकारी के अनुसार कांग्रेस को सबसे कम मार्जिन से हार का सामना करना पड़ा था, उन सीटों में जौरा, बीना और कोलारस हैं। इन तीनों ही सीटों पर 1000 वोटों के कम का अंतर रहा था। इसी तरह इंदौर की 5 नंबर विधानसभा सीट, छतरपुर की चांदला सीट और सतना की नागौद सीट पर 1000 से 3000 हजार वोटों के बीच के अंतर से कांग्रेस हार गई थी। बता दें कि 2018 के विधानसभा चुनाव में ऐसी 24 विधानसभा सीट थी जिन पर जीत-हार का अंतर तीन हजार से कम मतों का था। और एमपी में भारत जोड़ो यात्रा के गुजरने जाने के बाद इन सभी सीटों पर आदेश अनुसार पूर्व मंत्रियों का दौरा कार्यक्रम जारी होगा। कांग्रेस के सूत्रों की माने तो कमलनाथ ने इन सीटों पर फोकस करने की जिम्मेदारी पूर्व मंत्रियों को सौंपी है। पूर्व मंत्री तरुण भनोट, सज्जन सिंह वर्मा, कमलेश्वर पटेल, उमंग सिंगार सहित कुछ और पूर्व कई अन्य मंत्रियों को इन 24 सीटों पर तैनात किया जाएगा।

भगवान श्रीराम का अपमान

प्रोफेसर के खिलाफ खोला मोर्चा

भोपाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। एक आईएएस कोचिंग के प्रोफेसर विकास दिव्यकीर्ति का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसके बाद से विवादों में घिर गए हैं। हिंदू संगठनों ने विकास भगवान श्रीराम को अपमानित करने का आरोप लगाया है। इसी कड़ी में भोपाल की संस्कृति बचाओ मंच ने उनका पुतला फूंका। कोचिंग सेंटर बंद करने की मांग उठाई है।

चेतावनी भी दी है कि मध्य प्रदेश में आने पर उसका मुंह काला कर गंधे पर बिठाकर घुमाया जाएगा। दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में भगवान श्रीराम और माता सीता पर टिप्पणी करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। जिसके बाद प्रोफेसर दिव्य कीर्ति की जमकर आलोचना हो रही है। संस्कृति बचाओ मंच ने दिव्य

कीर्ति का पोस्टर जलाया। भोपाल के टीटी नगर थाने में एफआईआर दर्ज करने शिकायत पत्र दिया है। उन्होंने भगवान राम और सीता पर अनर्गल टिप्पणी का आरोप लगाया है। बता दें कि मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने बताया कि जल्द ही ईशनिंदा कानून लाया जाए, जिससे हमारे देवी देवताओं और भगवानों के खिलाफ टिप्पणी बंद हो। और मांग उठाई कि केंद्र सरकार इस मामले में हस्तक्षेप करें। इनकी जहां-जहां कोचिंग सेंटर है उसके खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कर प्रोफेसर को गिरफ्तार किया जाए।

आयकर विभाग का इन लोगों पर खास नजर इनकम टैक्स रिटर्न के लिए भेजा नोटिस

देहरादून, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के 382 लोगों को इनकम टैक्स का नोटिस भेजा गया है। इन पर विभिन्न स्रोतों से हुई मोटी आय इनकम टैक्स से छिपाने का आरोप है। अगर इन्होंने जल्द ही ई वेरिफिकेशन कर सही इनकम टैक्स रिटर्न नहीं भरा और आय छिपाने का स्पष्टीकरण न दिया तो इनके खिलाफ वसूली और मुकदमे की कार्रवाई भी हो सकती है। इनकम टैक्स आसूचना एवं आपराधिक जांच अधिकारी कमल सिंह ने बताया कि उनको विभिन्न विभागों से लोगों की आय की सूचनाएं हर साल मिलती हैं। इसके आधार पर उनके इनकम टैक्स रिटर्न से मिलान के बाद साफ्टवेयर की मदद से ये पता चल जाता है कि उन लोगों ने अपनी इस आय का टैक्स भरा कि नहीं।

शशि थरूर बोले-

1950 के दशक की तुलना में आज भारतीय समाज जाति के प्रति ज्यादा जागरूक

मुंबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। आजादी के बाद के दशक की तुलना में आज भारतीय समाज में जाति के प्रति ज्यादा जागरूकता है। यह बात कांग्रेस सांसद और लेखक शशि थरूर ने 'टाटा लिटरेचर फेस्टिवल' के दौरान कही। 'अंबेडकर की खोई हुई विरासत' विषय पर चर्चा के दौरान थरूर ने कहा, अब हर जाति अपनी पहचान के प्रति सचेत है और यह पहचान का लेबल राजनीतिक लामबंदी के लिए, एक प्रतीक बन गया है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पुस्तक 'अंबेडकरः अ लाइफ' (डॉ. बी. आर. अंबेडकर की जीवनी) का विमोचन किया। थरूर ने आगे कहा कि अंबेडकर जाति व्यवस्था को पूरी तरह से नष्ट करना चाहते थे। उन्होंने कहा कि जाति व्यवस्था, राजनीतिक दलों में बहुत ज्यादा व्याप्त है। चर्चा के दौरान श्रोताओं के सवाल के जवाब में कांग्रेस सांसद ने कहा कि जो राजनीतिक दल भेदभाव या छुआछूत के खिलाफ हैं, वे भी जाति के नाम पर वोट मांगते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जाति व्यवस्था खत्म होने से बहुत दूर है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा कि अंबेडकर और जवाहर लाल नेहरू दोनों चाहते थे कि जाति व्यवस्था भारत से गायब हो जाए। नेहरू ने सोचा था कि आधुनिकीकरण के साथ यह खत्म हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा, अंबेडकर ने जाति के उन्मूलन की लड़ाई लड़ी, क्योंकि उन्हें लगता था कि जब तक जाति व्यवस्था की चेतना मौजूद रहेगी, दमन भी मौजूद रहेगा।

पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्री 25 हजार रुपये घूस लेते पकड़ा गया

भोपाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में लोकायुक्त ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के कार्यपालन यंत्री कमल सिंह कौशिक को 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा है। आरोपी बाउंड्री वॉल बनाने के बिल को पास कराने के लिए ठेकेदार से घूस मांग रहा था। लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक को ठेकेदार महेंद्र पांडेय ने 17 अक्टूबर को शिकायत की थी। इसमें बताया था कि उसने खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद संस्थान में बाउंड्री वॉल एवं एप्रोच रोड बनाने का काम किया था। पीडब्ल्यूडी का कार्यपालन यंत्री कमल सिंह कौशिक काम के पेंडिंग बिल एवं सिक्योरिटी डिपॉजिट की राशि लगभग 67 लाख रुपये रिलीज करने के लिए एक प्रतिशत के हिसाब से रिश्वत की मांग कर रहा है। शिकायत के सत्यापन के बाद 25 हजार रुपये रिश्वत देना तय हुआ। शनिवार को लोकायुक्त पुलिस ने भोपाल संभाग के निर्देशन में डीएसपी सलिल शर्मा व उनकी टीम में शामिल इंस्पेक्टर आशीष भट्टाचार्य, इंस्पेक्टर मयूरी गौर व अन्य ने कार्यवाही करते हुए आरोपी कौशिक को 25000 रुपये की रिश्वत लेते हुए नेहरू नगर चौराहे पर रंगे हाथों पकड़ा। रिश्वत राशि आरोपी ने अपने शासकीय वाहन इनोवा क्रमांक एमपी 04बीसी05884 में रखवाई थी, जहां से रिश्वत की राशि बरामद की गई है। नेहरू नगर अति-व्यस्त चौराहा होने से एवं कार्यवाही के लिए सुविधाजनक स्थान न होने से ट्रेप की आगामी कार्यवाही कमला नगर थाना में की जा रही है।

सुविचार: असफल रह जाना कई तरह से समीव है, जबकि सफल होना केवल एक ही तरह से समीव है, निशाना चूकना आसान है, उस पर चोट कर बैठना कठिन है।

केसीआर के प्रति द्वेष से भरा है मोदी का भाषण : जगदीश रेड्डी

नलगोंडा, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने शनिवार को कहा कि मोदी ने एक बार फिर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के प्रति अपना विरोध प्रदर्शित किया है।

यहां एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, जगदीश रेड्डी ने कहा कि मोदी का भाषण राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने के लिए केसीआर के खिलाफ 'द्वेष' और पीड़ा से भरा था। भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं को केसीआर के राष्ट्रीय राजनीति में प्रवेश करने की योजना का डर है, जो केंद्र में उनकी जीत की संभावनाओं को प्रभावित करेगा। उन्होंने याद दिलाया कि नरेंद्र मोदी सरकार ने मुनुगोड़े उपचुनाव में लाभ पाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया और टीआरएस नेताओं के घरों पर छापे मारे। नरेंद्र मोदी लोगों में केसीआर की लोकप्रियता को पचा नहीं पाए हैं, जो मुनुगोड़े उपचुनाव में एक बार फिर साबित हो गया है और एक राजनीतिक मकसद से तेलंगाना की यात्रा की योजना बनाई थी। उन्होंने बताया कि रामागुडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल लिमिटेड ने एक साल पहले यूरिया का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया है और अब तक लाखों टन यूरिया का उत्पादन कर चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी ने रामागुंडम उर्वरकों के उद्घाटन के बहाने राज्य की अपनी यात्रा की योजना बनाई है। लेकिन, राज्य के उनके दौरे का एक राजनीतिक मकसद है।

उन्होंने याद दिलाया कि नरेंद्र मोदी ने धन की रिहाई को रोककर और बैंकों पर तेलंगाना को ऋण नहीं देने का दबाव बनाकर कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करने का व्यर्थ प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने तमाम बाधाओं को पार करते हुए सभी कल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यक्रमों को जारी रखा।

खाली हाथ आए पीएम मोदी किए झूठे वादे : कविता

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेरास की वरिष्ठ नेता व एमएलसी के. कविता ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी फिर से तेलंगाना के विकास में भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के योगदान की व्याख्या करने में विफल रहे हैं। टीआरएस एमएलसी कविता ने शनिवार को जगत्यिाल में टीआरएस नेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अतीत की तरह, प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री के सवालों का जवाब नहीं दिया और बयानबाजी का सहारा लिया। प्रधानमंत्री खाली हाथ आए और झूठे वादे किए। लोगों को भाजपा की धोखेबाज रणनीति पर ध्यान नहीं देना चाहिए। सिर्फ तेलंगाना का विकास तेरास कर रही है। केन्द्र सरकरा तेलंगाना के विकास में सहयोग नहीं कर रही है।

केटीआर ने विभाजनकारी ताकतों को बेनकाब करने का आह्वान किया

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि विभाजनकारी ताकतें धर्म की आड़ में लोगों में नफरत फैला रही हैं। शनिवार को मंत्री ने मीडिया संगठनों और पत्रकारों से ऐसी ताकतों की साजिशों का पर्दाफाश करने का आह्वान किया। शनिवार को हैदराबाद में तेलंगाना राज्य की मीडिया अकादमी के सहयोग से डॉ बीआर अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'तेलंगाना में मीडिया: अतीत, वर्तमान और भविष्य' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोलते हुए, आईटी मंत्री ने कहा कि आज के भारत में खोजी पत्रकारिता गायब है। रामाराव ने कहा कि देश में किसी भी मीडिया संगठन ने तथ्यों का पता लगाने के लिए प्रकाशित करने, बहस करने या जांच करने की हिम्मत नहीं की है, जब श्रीलंका के ऊर्जा विभाग के प्रमुख ने आरोप लगाया था कि विभाग को अडानी के दबाव के कारण 6,000 करोड़ रुपये का अनुबंध देना पड़ा था। उन्होंने कहा कि पीएम पिछले आठ वर्षों से मन की बात कर रहे हैं, आईटी मंत्री ने पत्रकारों से पूछा कि क्या पीएम ने पिछले आठ वर्षों में उनसे बात की है। उन्होंने कहा कि उनके पिता मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने उन्हें प्रतिदिन डेढ़ घंटे समाचार पत्र पढ़ने की आदत डाली है। इसलिए वे समाचार, तथ्य और विचार जानने के लिए प्रतिदिन 13 समाचार पत्र पढ़ते हैं। इस अवसर पर तेलंगाना राज्य के मीडिया अकादमी के अध्यक्ष अल्लम नारायण, अध्यक्ष एफसीसी सलाहकार समिति, नई दिल्ली और अंतर्राष्ट्रीय पत्रकार एस. वेंकटनारायण, कुलपति प्रो. के. सीताराम राव, अकादमिक निदेशक प्रो. घंटा चक्रपाणि ने दो दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन रविवार को समापन होगा।

कार चोरी करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की पंजागुट्टा पुलिस ने एक कार चोरी में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके पास से वाहन जब्त कर लिया। केपीएचबी कॉलोनी निवासी और पश्चिम गोदावरी जिले के मूल निवासी पी. विजय कुमार (33) ने बीते 29 सितंबर को निम्स अस्पताल परिसर से एक डॉक्टर की कार को कथित रूप से चुरा लिया था। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास में लगे सर्विलांस कैमरों की फीड चैक करने के बाद चोर की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। डिटेक्टिव सब इंस्पेक्टर, पुजागुट्टा, मोहम्मद रफीउद्दीन ने कहा कि शुरुआत में, विजय कुमार ने डॉक्टर के साथ ड्राइवर के रूप में काम किया और वाहन की डुप्लीकेट चाबी बनाने के बाद नौकरी छोड़ दी। मौका मिलने पर, वह निम्स अस्पताल गया और कार को पार्किंग की जगह से ले गया। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया।

राज्य के हित में काम नहीं कर रहे हैं सीएम : रेवंत

आठ वर्षों में तेलंगाना के साथ अन्याय पर प्रधानमंत्री को पत्र

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम और तेलंगाना से किए गए वादों को पूरा नहीं करने और पिछले आठ वर्षों में तेलंगाना के साथ अन्याय पर आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खुला पत्र लिखा। अपने पत्र में, टीपीसीसी अध्यक्ष ने कहा कि "भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में शासन एक सतत प्रक्रिया है और यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह संसद द्वारा किए गए कानूनों और वादों को सख्ती से पूरा करे। तभी लोगों का विधायिकाओं और लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास बना रहेगा। एपी पुनर्गठन अधिनियम में शामिल प्रावधानों के अलावा, तेलंगाना राज्य संसद द्वारा तेलंगाना को दिए गए अन्य वादों को पूरा न करने से असंतुष्ट था। इन वादों को अमल में लाने के लिए पहल करने वाली

टीआरएस सरकार आठ साल से इसकी उपेक्षा कर रही है। केसीआर ने राज्य के हितों के लिए नहीं बल्कि अपने राजनीतिक हितों के लिए काम किया है। अब भी वे विवादों को हवा देकर इन मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं। रेवंत रेड्डी ने कहा कि पुनर्गठन अधिनियम के तहत किए गए वादे बयाराम स्टील प्लांट की स्थापना की तरह पूरी तरह से उपेक्षित थे, जिसमें लाखों युवाओं को रोजगार और रोजगार के अवसर प्रदान करने की क्षमता है। केंद्र का यह निष्कर्ष कि इस्पात संयंत्र संभव नहीं है, तेलंगाना के युवाओं को भारी परेशानी का कारण बना है। उन्होंने कहा कि काजीपेट क्षेत्र में रेलवे कोच फैक्ट्री स्थापित करना एक दशक पुराना सपना रहा है। और वादा अधूरा रह जाता है। टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि तेलंगाना में 12 प्रतिशत आदिवासी आबादी है। कानून उनके लिए एक विशेष जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना की गारंटी देता है। लेकिन इस संबंध में कोई पहल नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि पुनर्गठन अधिनियम की अनुसूचियों 9 और 10 में शामिल संपत्तियों और संगठनों के विभाजन को अंतिम रूप नहीं दिया गया है। रामागुंडम में एनटीपीसी के तहत 4000 मेगावाट बिजली संयंत्र स्थापित करने का वादा अभी तक पूरा नहीं किया गया है साथ ही औद्योगिक विकास के लिए विशेष प्रोत्साहन का वादा भी पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि आईआईटी, आईआईएम, कृषि विश्वविद्यालय, आईआईआईटी जैसे उच्च शिक्षा के एक भी संस्थान को मंजूरी नहीं दी गई है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना जिलों को जवाहर नवोदय स्कूलों और सैन्य स्कूलों में से कोई भी नहीं मिल रहा है। तेलंगाना में हथकरघा श्रमिकों की आत्महत्याएं बेरोकटोक जारी हैं और हथकरघा पर 5% जीएसटी लगाने से उनकी स्थिति और खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि हैदराबाद रक्षा अनुसंधान का केंद्र है। यहां स्थापित होने वाला रक्षा गलियारा उत्तर प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया गया था। 15 लाख युवाओं को रोजगार देने की क्षमता के साथ कांग्रेस ने हैदराबाद को फैब सिटी दी। भाजपा सरकार ने बुनियादी ढांचा तक नहीं पहुंचाकर इस परियोजना को बर्बाद कर दिया है।

शहर में मनाया गया बीमा लोकपाल दिवस

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एलआईसी में शुक्रवार रात बीमा लोकपाल दिवस मनाया गया। 1998 में इस दिन बीमा लोकपाल संस्थान की स्थापना के स्थापना दिवस को चिह्नित करने के लिए, एनटीआर स्टेडियम, गांधीनगर के पास क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जीवन और सामान्य बीमा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। आईआरडीएआई के अध्यक्ष देबाशीष पांडा ने ऑनलाइन वेबकास्ट के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया।

उन्होंने बीमा उद्योग में हो रहे प्रमुख परिवर्तनों के बारे में विस्तार से बताया और इस बात पर जोर दिया कि बीमाकर्ताओं को 'सभी के लिए बीमा' के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रयास करना चाहिए। मुख्य अतिथि एस.एन. राजेश्वरी, आईआरडीएआई सदस्य, ने बीमाकर्ताओं को ग्राहकों की संतुष्टि की दिशा में प्रयास करने की सलाह दी। उन्होंने सभी बीमा कंपनियों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति के पास न्यूनतम एक जीवन और एक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी होनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि बी.पी. आचार्य, अध्यक्ष, बीमा लोकपाल सलाहकार समिति, ने बीमाकर्ताओं से एक प्रभावी शिकायत निवारण तंत्र के रूप में बीमा लोकपाल की संस्था के बारे में जागरूकता पैदा करने की अपील की। एन. शंकरन, बीमा लोकपाल, हैदराबाद केंद्र ने प्रतिभागियों को केंद्र के प्रदर्शन पर प्रकाश डाला। एम. जगन्नाथ, अंचल प्रबंधक, एल.आई.सी. भारत के दक्षिण मध्य क्षेत्रीय कार्यालय ने भी बैठक को संबोधित किया और प्रतिबद्धता दोहराई कि ग्राहकों की शिकायतों को देखा जाता है और बहुस्तरीय शिकायत निवारण तंत्र के माध्यम से हल किया जाता है।

सांसद संतोष कुमार ने पेटलाबुर्ज प्रसूति अस्पताल को दिए 1 करोड़ रुपये

इसी अस्पताल में हुआ था सांसद का जन्म

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सांसद जे संतोष कुमार ने एक अनोखे अंदाज में सरकारी मातृत्व अस्पताल, पेटलाबुर्ज को एक करोड़ रुपए दान किया। इसी अस्पताल में उनका जन्म हुआ था। अस्पताल में विकासात्मक गतिविधियों को शुरू करने के लिए 1 करोड़ रुपये का दान दिया है। टीआरएस सांसद ने अपने स्थानीय क्षेत्र विकास कोष से 1 करोड़ रुपये का दान दिया। इस पहल की सराहना करते हुए, राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टी हरीश राव ने कहा कि सांसद उस अस्पताल को नहीं भूले जहां उनका जन्म हुआ था और पेटलाबुर्ज अस्पताल में विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने में दान एक लंबा रास्ता तय करेगा। मुझे 1 करोड़ रुपये दान करने के महान इशारे के लिए सांसद संतोष कुमार को बधाई देनी चाहिए। मैं सरकारी अस्पतालों में पैदा हुए लोगों से भी आग्रह करता हूं कि वे आगे आएं और ऐसे स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों के विकास में किसी तरह का योगदान दें।

डिंडी परियोजना के अयाकट किसानों को यासंगी फसल के लिए मिलेगी सिंचाई सुविधा : विधायक

नलगोंडा, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस जिलाध्यक्ष और देवरकोंडा विधायक के. रवींद्र कुमार नाइक ने शनिवार को कहा कि डिंडी परियोजना के अयाकट को यासंगी फसल के मौसम के लिए सिंचाई सुविधा प्रदान की जाएगी।

डिंडी में एक पैक्स धान खरीद केंद्र का उद्घाटन करते हुए, रवींद्र कुमार ने कहा कि किसानों को डिंडी परियोजना के अयाकट के तहत खेती करने के लिए कमर कस लेनी चाहिए क्योंकि किसानों को यासंगी फसल के मौसम के लिए सिंचाई की सुविधा प्रदान की जाएगी। परियोजना के बाएँ और दाएँ नहरों के नीचे 10,000 एकड़ का अयाकट था। इसके अलावा डिंडी परियोजना के पानी से भरे जाने वाले सिंचाई टैंकों से भी 2,835 एकड़ में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने डिंडी परियोजना की जल भंडारण क्षमता 1.2 टीएमसी की याद दिलाते हुए कहा कि अयाकट को सिंचाई की सुविधा राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव राज्य में उपजाऊ भूमि को सिंचाई सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, उन्होंने कहा कि चंदमपेट मंडल के 10 गांवों के सिंचाई टैंक सात दशकों के इंतजार के बाद डिंडी परियोजना से पानी से भरे जा रहे है।

यह कहते हुए कि डिंडी परियोजना से यासंगी फसल के मौसम के लिए पानी छोड़ने का कार्यक्रम जल्द ही अधिकारियों द्वारा जारी किया जाएगा, उन्होंने अयाकट के किसानों को शुष्क भूमि फसलों की खेती करने का सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वनकलम फसल सीजन में किसानों द्वारा उत्पादित धान के हर नाले की खरीद करेगी। उन्होंने बताया कि किसानों से फसल खरीदने के लिए आईकेपी और पैक्स धान खरीद खोली गई है। उन्होंने किसानों से धान को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर निश्चित नमी प्रतिशत के साथ खरीद केंद्रों पर लाने को कहा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों के लिए धान खरीद केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान की हैं।

मुख्यमंत्री केसीआर ने आदिवासी छात्रों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी : सत्यवती

कोत्तागुडेम, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी, महिला और बाल कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आदिवासी छात्रों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है और पिछले आठ वर्षों में गुरुकुलों की संख्या में कई गुना वृद्धि हुई है। मंत्री ने शनिवार को जिले के भद्राचलम में तेलंगाना आदिवासी कल्याण आवासीय शिक्षा संस्थान सोसायटी के तत्वावधान में लड़कियों के लिए आयोजित छठे राज्य स्तरीय आदिवासी गुरुकुल खेल और खेल प्रतियोगिता-2022 का उद्घाटन किया। सभा को संबोधित करते हुए सत्यवती ने कहा कि सरकारी गुरुकुलों में पढ़ने वाले छात्र कॉरपोरेट स्कूलों की तुलना में शिक्षा में सफल रहे हैं। गुरुकुल और अन्य सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र आईआईटी, जेईई और नीट की परीक्षा में सफल हो रहे हैं। कोत्तागुडेम जिले के भद्राचलम

में शनिवार को छठा राज्य स्तरीय आदिवासी गुरुकुल खेल एवं खेलकूद प्रतियोगिता-2022 का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने आदिवासी आरक्षण कोटा बढ़ाया और आदिवासी छात्रों को शिक्षा और नौकरी के अवसर प्रदान किए। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को सरकार द्वारा प्रदान किए गए अवसरों का लाभ उठाना चाहिए और उनके सुनहरे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। राज्य भर के सभी गुरुकुलों में अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा दी जा रही थी। राज्य में पिछले सात वर्षों में, टीआरएस सरकार ने गुरुकुल शिक्षा के विकास के लिए भारी मात्रा में धन खर्च किया है और गुरुकुलों की संख्या को 91 से बढ़ाकर अब 183 कर दिया है। सत्यवती ने बैठक के प्रतिभागियों से कहा कि आत्मविश्वास एक हथियार है और व्यक्ति को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। खेल न केवल शारीरिक शक्ति बल्कि स्वास्थ्य और मानसिक खुशी में भी योगदान करते हैं। छात्रों को दुनिया के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पूरे तेलंगाना में आदिवासी गुरुकुलों की 1200 लड़कियां चार दिवसीय बैठक में भाग ले रही हैं, जहां 25 कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सांसद मलोत कविता, जिला परिषद अध्यक्ष कोरम कनकैया, विधायक पी. वीरैया, आईटीडीए पीओ पी गौतम और अन्य उपस्थित थे।

महिला ने किया आत्महत्या का प्रयास

कोठागुडेम, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पालोनचा कस्बे में शनिवार को एक खाट और बर्तन को लेकर हुई मामूली झड़प ने कथित तौर पर एक महिला को आत्महत्या का प्रयास करने के लिए मजबूर कर दिया। महिला एस. सावित्री एक किराना स्टोर में काम करती है और शहर के ब्राह्मण बाजार में अपनी बेटी एम लक्ष्मी के साथ रहती है। पिछले कुछ दिनों से दोनों एक खाट और अन्य उपकरणों को लेकर बहस कर रहे थे, जिसे मां इस्तेमाल करना चाहती थी। हालांकि, लक्ष्मी ने कथित तौर पर अपनी मां को सोने के लिए खाट का इस्तेमाल नहीं करने दिया। बेटी के व्यवहार से परेशान सावित्री ने खुद को पेट्रोल डालकर आग लगा ली। आसपास के लोगों ने उसे बचाया और उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी हालत नाजुक बताई गई है।

विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को दूर करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) विभिन्न गंतव्यों के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन संख्या 07483 (काचीगुडा-तिरुपति) रविवार 13 नवंबर को काचीगुडा से शाम 7.25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 9.30 बजे तिरुपति पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07484 (तिरुपति-काचीगुडा) सोमवार 14 नवंबर को तिरुपति से रात 8.10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 9.15 बजे काचीगुडा पहुंचेगी। विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में मलकाजगिरी, नलगोंडा, मिरयालगुडा, नादिकुडे, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, तेनाली, बापटला, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर और रेनिगुंटा स्टेशनों पर रुकेंगी। ट्रेन संख्या 07612 (काचीगुडा-नरसापुर) मंगलवार 15 नवंबर को रात 8.30 बजे काचीगुडा से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 8 बजे नरसापुर पहुंचेगी। विशेष ट्रेन मलकाजगिरी, नलगोंडा, मिरयालगुडा, पिडगुगुराल्ला, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, विजयवाड़ा, गुडीवाडा, कैकलुरु, अकिविडु, भीमावरम टाउन और पलाकोलू स्टेशनों पर रुकेंगी।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, SAYED FAISAL SIDIQUE, R/o.H.No.20-5-618/2/1, Qazi Pura, Shah Ali Banda, Hyd, T.S. Changed My Name As SYED FAISAL S/o.SAYED SIDIQUE ABBAS.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवाला करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

तेलंगाना सरकार ने 134 डीएसई पदों को भरने की अनुमति दी

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने शनिवार को सीधी भर्ती के माध्यम से स्कूल शिक्षा निदेशक के नियंत्रण में 134 रिक्त पदों को भरने की अनुमति दी। कुल पदों में से 24 डिप्टी एजुकेशन ऑफिसर/राजपत्रित हेड मास्टर ग्रेड- I, 23 जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) के वरिष्ठ व्याख्याता, 22 व्याख्याता आईएएस/सीटीई/एससीईआरटी और 65 डीआईईटी व्याख्याता हैं।

तदनुसार, वित्त विभाग ने जीओ एमएस 165 जारी किया है और तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) को रिक्त पदों की सीधी भर्ती के लिए कदम उठाने के लिए कहा है। आयोग को स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और प्रमुख से स्थानीय कैडर-वार रिक्ति स्थिति, रोस्टर अंक, योग्यता आदि जैसे आवश्यक विवरण प्राप्त करने और भर्ती के लिए अधिसूचना और अनुसूची को शीघ्रता से जारी करने के लिए भी कहा गया है। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव और निदेशक को टीएसपीएससी को स्थानीय संवर्गवार वितरण, रोस्टर अंक और योग्यता आदि सहित सभी रिक्त पदों को भरने की अनुमति देने के लिए कहा गया है।

सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर साउथ जोन कमेटी ने मनाया दीपावली मिलन

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। घांसी बाजार स्थित गायत्री भवन में सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी साउथ जोन द्वारा साउथ जोन के पुलिस उपायुक्त साईं चैतन्य आई.पी.एस, एडिशनल डीसीपी सैयद रफीक एवं सभी ए.सी.पी और सभी (एसएचओ) का सम्मान किया गया। इस अवसर पर ऑल जोन जनरल सेक्रेटरी श्रीकिशन शर्मा, साउथ जोन प्रेसिडेंट गाजीउद्दीन, कार्यक्रम के कन्वीनर साउथ जोन वर्किंग प्रेसिडेंट संपत तोषनीवाल, सेंट्रल जोन प्रेसिडेंट शशिकांत अग्रवाल, ईस्ट जोन प्रेसिडेंट नारायण रेड्डी, ख्वाजा अब्दुल, नरसिंह गौड़, टीपू सोनी, गोपाल दास, रामदेव अग्रवाल, मुनीर कादरी, तेजो कुमारी, रामराजू, काशीनाथ गौड़, जफरुल्लाह फहीम, सलमान शरीफ आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर डीसीपी साउथ जोन ने सभी को दीपावली की बधाई देते हुए पीस कमेटी के कार्यों की सराहना करते हुए हौसला अफजाई किया।

मैनपुरी में डिंपल के सामने नहीं होंगी अपर्णा यादव ?

बीजेपी में चल रहा हां-ना का दांव

बीजेपी नेता अपर्णा यादव

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की मैनपुरी सीट पर हो रहे उपचुनाव में समाजवादी पार्टी ने डिंपल यादव को मैदान में उतारा है। इसके बाद अटकलें लगाई जाने लगी थीं कि भारतीय जनता पार्टी डिंपल यादव के सामने अपर्णा यादव को मैदान में उतार सकती है, क्योंकि हाल ही में अपर्णा यादव ने यूपी बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र यादव से मुलाकात की थी।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में यूपी प्रदेश अध्यक्ष संगठन की बैठक में शामिल हुए। जहां पर प्रत्याशियों के नामों को लेकर चर्चा की गई। बैठक में एक सूची बनाकर प्रदेश संगठन को भेजी गई है। जिसमें जल्दी ही कोई नाम फाइनल हो सकता है। सूची में जो सबसे खास बात है, वो यह है कि इसमें कहीं भी मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव का नाम नहीं है। इस सूची की बात की जाए तो इसमें मुख्य रूप से प्रेम सिंह शाक्य, जिला अध्यक्ष प्रदीप चौहान, प्रेम पाल, सतीश पाल और रघुराज शाक्य का नाम शामिल है। बता दें, मैनपुरी से अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव के मैदान में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी किसी मजबूत चेहरे की तलाश में है। वहीं मैनपुरी सीट के समीकरण की बात की जाए तो यह सपा का गढ़ माना जाता है और यादव के साथ शाक्य मतदाता काफी अहम माने जाते हैं। भाजपा की लिस्ट की बात करें तो पूर्व सांसद रघुराज शाक्य का नाम सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि रघुराज प्रताप का क्षेत्र में अच्छा खासा प्रभाव देखने को मिलता है।

सियासी समीकरण की बात करें तो साल 2017 में जब सपा में बगावत देखने को मिली थी तो रघुराज सिंह शाक्य सपा से दूरी बनाते हुए शिवपाल खेमे में शामिल हो गए थे, लेकिन हाल ही के घटनाक्रम में शिवपाल यादव ने अखिलेश के प्रति काफी सख्त रुख दिखाया है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि शिवपाल भी आने वाले वक्त में चौंका सकते हैं। ऐसे में यह देखने वाली बात होगी कि आगे आने वाले दिनों में प्रेम सिंह शाक्य, जिला अध्यक्ष प्रदीप चौहान, प्रेम पाल, सतीश पाल और रघुराज शाक्य समेत इन नामों में से भाजपा किसे मैदान में उतारती है।

अमिताभ ठाकुर ने उपचुनाव में ठोंकी ताल

सैफई की रौली यादव को बनाया प्रत्याशी

मैनपुरी, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी लोकसभा सीट के उपचुनाव में पूर्व आईपीएस एवं अधिकार सेना के संयोजक अमिताभ ठाकुर ने भी ताल ठोंक दी है। उनकी पार्टी उपचुनाव लड़ेगी। अधिकार सेना ने शनिवार को प्रत्याशी के नाम का एलान कर दिया। अमिताभ ठाकुर ने सैफई निवासी रौली यादव को प्रत्याशी बनाया है। बता दें कि सांसद मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद मैनपुरी लोकसभा सीट पर उपचुनाव होने जा रहा है। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है।

अधिकार सेना के संयोजक अमिताभ ठाकुर शनिवार को मैनपुरी पहुंचे। यहां पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने भाजपा पर सरकारी व्यवस्था का दुरुपयोग करने का आरोप लगया। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी भाजपा जो खुद को डबल इंजन की पार्टी कहती है। मेरी निगाह में वह ट्रिपल इंजन की पार्टी है। भाजपा हर व्यवस्था का अपने फायदे के लिए अनुचित प्रयोग करने में माहिर है। उन्होंने उपुचनाव में भी गड़बड़ी की आशंका जताई है।

सपा से डिंपल यादव हैं प्रत्याशी

मैनपुरी सीट पर पांच दिसंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए सपा ने डिंपल यादव को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने अभी अपने प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की है। वहीं सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर (ओपी राजभर) ने रमाकांत कश्यप को प्रत्याशी बनाया है। रमाकांत कश्यप इटावा के रहने वाले हैं। अभी किसी भी प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल नहीं किया है।

डेंगू से बचाव के लिए हर जिले में बनेंगे डेडिकेटेड हॉस्पिटल

घर-घर कराएं स्क्रीनिंग

लखनऊ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में डेंगू व अन्य संचारी रोगों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए रोकथाम के लिए प्रयासों को और तेज करने के निर्देश दिए।

सीएम ने कहा कि विगत कुछ सप्ताह के बीच डेंगू व अन्य संचारी रोगों के दुष्प्रभाव में बढ़ोतरी देखी जा रही है। इनकी बेहतर स्क्रीनिंग के लिए सर्विलांस को बेहतर करने की आवश्यकता है। आशा बहनों का सहयोग लें। घर-घर स्क्रीनिंग कराएं। लक्षणयुक्त मरीजों की पहचान कराते हुए उनके समुचित इलाज की व्यवस्था कराई जाए।

डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल की भांति डेडिकेटेड डेंगू अस्पताल एक्टिव किये जाएं। कम से कम हर जिले में एक ऐसा डेडिकेटेड अस्पताल जरूर क्रियाशील हो। यहां चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों की उपलब्धता हो, जांच की सुविधा हो, उपचार की पर्याप्त व्यवस्था हो। इसे आइसीसीसी से भी जोड़ा जाना चाहिए। सभी मंत्री फील्ड में बने रहें। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए अस्पताल में आने वाले हर मरीज को बेड मिले, उसकी विधिवत चिकित्सकीय जांच हो और समय पर इलाज किया जाए। हमारे सभी मेडिकल कॉलेजों सहित जिला अस्पताल, पीएचसी, सीएचसी व अन्य उच्च स्तरीय संस्थान साधन संपन्न हैं। इसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए। स्वास्थ्य सेवा अथवा सुरक्षा में तैनात कार्मिकों से मरीजों के तीमारदारों के साथ सहयोगपूर्ण व्यवहार बनाने की अपेक्षा है।

स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास, पंचायती राज और सूचना विभाग व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाएं। डेंगू के कारण, लक्षण, बचाव आदि के बारे में लोगों को सही जानकारी दी जाए। अखबारों में जागरूकता परक विज्ञापन, दीवार पेंटिंग, पब्लिक एड्रेस सिस्टम आदि के माध्यम से इस बीमारी के कारण प्रभाव और उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाए।

डेंगू मरीजों के लिए हर शासकीय अस्पताल में आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं। स्थानीय जरूरतों के अनुसार इनकी संख्या बढ़ाई जाए। हर जिले में डेंगू टेस्टिंग और प्लेटलेट्स की जांच की सुविधा होनी चाहिए। नगर विकास व पंचायती राज विभाग द्वारा प्रदेशव्यापी साफ-सफाई व फॉगिंग का कार्य नियमित कराया जाए। प्रयागराज में त्रिवेणी तट पर माघमेला की तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाएं। हर श्रद्धालु-हर कल्पवासी अपने व्रत-संकल्प की पूर्ति अपनी आस्था अनुरूप कर सकें, इसके लिए हमें अच्छी व्यवस्था देनी होगी, उनकी जरूरतों का ध्यान रखना होगा। साधु-संतों और कल्पवासियों से संवाद बनाएं। मेला स्थल पर अस्थायी निर्माण का कार्य तेजी से पूर्ण कर लें।

पूर्व मंत्री हाजी याकूब के विदेश भागने की आशंका

परिवार के 10 बैंक खाते मिले, गिरफ्तारी के लिए दबिश

मेरठ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री याकूब कुरैशी, उनकी पत्नी संजीदा बेगम, बेटे इमरान, फिरोज समेत सात लोगों पर गैंगस्टर लगाने के बाद पुलिस ने उनकी तलाश में सराय बहलीम कोतवाली सहित कई जगहों पर दबिश दी, लेकिन कोई नहीं मिला। वहीं, पुलिस ने परिवार सहित याकूब का लुकआउट जारी करने के बाद उनके बैंक खातों को खंगालना शुरू कर दिया। पुलिस के मुताबिक याकूब, संजीदा, इमरान, फिरोज, मैनेजर मोहित त्यागी, मुजीब और फैजान के 10 बैंक खाते मिले हैं। इनमें जमा रकम के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस ने बताया कि याकूब की मीट फैक्टरी का एक बैंक खाता अलग है, उसका पहले ही रिकॉर्ड खंगालकर सीज कराया जा चुका था। पुलिस, प्रशासन समेत कई विभागों की संयुक्त टीम ने 31 मार्च 2022 को हाजी याकूब कुरैशी की हापुड़ रोड स्थित मीट फैक्टरी में छापा मारा था। फैक्टरी में अवैध तरीके से मीट की पैकिंग हो रही थी। दस कर्मचारी मौके से गिरफ्तार हुए थे। इस मामले में याकूब, उनके बेटे, इमरान व फिरोज समेत 17 लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ था। याकूब के गिरफ्तारी वारंट जारी हो चुके हैं। उन पर 50-50 हजार का इनाम भी घोषित है। पुलिस का दावा कि अरबों की संपत्ति चिह्नित हो चुकी है। इसे जब्त करने की तैयारी की जा रही है। पुलिस ने विदेशों तक फैले कारोबार के बारे में भी जानकारी जुटाई है। साढे.सात माह से फरार याकूब कुरैशी और उनके दोनों बेटे भूमिगत हैं। 50-50 हजार का इनाम होने के बाद भी पुलिस, एसटीएफ और अन्य एजेंसी हाजी याकूब के बेटों को गिरफ्तार नहीं कर सकी, जबकि याकूब के बेटे फिरोज को कई बार कोतवाली और लिसाड़ीगेट में घूमते लोगों ने देखा है।

करीब एक माह पहले लिसाड़ीगेट में फिरोज की पुलिस ने घेराबंदी कर ली थी, लेकिन वह अपनी गाड़ी छोड़कर भाग गया। गुरुवार को याकूब, उसके परिवार पर गैंगस्टर का मुकदमा खरखौदा थाने में दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस गैंगस्टर 14(ए) के तहत याकूब की संपत्तियां चिह्नित कर रही है। शुक्रवार को इंस्पेक्टर खरखौदा राजीव कुमार ने पुलिस टीम के साथ लेकर याकूब कुरैशी के घर, मीट फैक्टरी और अन्य ठिकानों पर दबिश दी। वहीं, याकूब की पत्नी संजीदा बेगम भी पुलिस को नहीं मिली। संजीदा बेगम पहले मुकदमे में अग्रिम जमानत पर है। गैंगस्टर के केस में संजीदा भी नामजद है।

गर्ल्स हाई स्कूल में पिस्तौल दिखाकर छात्रा को अगवा करने का प्रयास

पूर्णिया, 12 नवंबर (एजेंसियां)। पूर्णिया जिला मुख्यालय से करीब पांच सौ मीटर दूर कचहरी रोड स्थित गर्ल्स हाई स्कूल में एक बाइक पर सवार तीन बदमाशों ने पिस्टल दिखाकर एक छात्रा के अपहरण का प्रयास किया। अगवा करने में असफल होने पर बदमाशों ने जाते-जाते जान से मार डालने की धमकी दी। छात्राओं द्वारा हल्ला करने के बाद सभी बदमाश वहां से फरार हो गये।

घटना की तत्काल सूचना पीड़ित छात्रा द्वारा स्कूल की प्रिंसिपल समेत अन्य शिक्षकों को दी गई। इस मामले में स्कूल की प्रिंसिपल संतोष कुमारी ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में छात्रा से पूछताछ की गई है। छात्रा ने बताया कि वह बदमाशों को नहीं जानती है, लेकिन दोबारा देखने पर पहचान जायेगी। हालांकि इस मामले में

धमकी देकर भागे बदमाश

अभी तक कोई लिखित या मौखिक शिकायत थाने में नहीं की गई है। छात्रा नौवीं कक्षा में पढ़ती है।

हल्ला करने पर भागे बदमाश, धमकी भी दी

पीड़ित छात्रा काफी डरी-सहमी हुई थी। शिक्षकों द्वारा समझाने के बाद उन्हें घर भेजा गया। छात्रा ने बताया कि बाइक सवार अपराधियों ने उसे अगवा करने की कोशिश की लेकिन हल्ला करने पर वे लोग भाग निकले। जाते-जाते धमकी भी देकर गया है कि होश में रहो अन्यथा अंजाम काफी बुरा होगा।घटना शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे की बतायी जा रही है।

बाउंड्री वॉल टूटने के कारण असुरक्षा

स्कूल के शिक्षकों और प्रिंसिपल का कहना है कि बाउंड्री वॉल टूटा रहने के कारण यहां लगातार छोटी-छोटी घटनाएं आए दिन होती रहती है। इस मामले में दर्जनों बार जिला शिक्षा पदाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और स्थानीय के हाट थाना में भी लिखित आवेदन दिया गया है। बावजूद इसके मनचलों की टोली अक्सर स्कूल के आसपास मंडरता रहता है। गौरतलब है कि बीते एक दशक से गर्ल्स हाई स्कूल के दक्षिणी भाग का बाउड्रीवाल पूर्ण रूप से गिरा हुआ है।टूटे बाउंड्री वॉल के बगल से महिला कॉलेज की ओर जाने की सड़क है।दीवार टूटा रहने से स्कूल परिसर में बेधड़क असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। इस मामले की जांच कराकर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी और गर्ल्स स्कूल के आसपास ड्रेस में पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा ताकि मनचलों पर कार्रवाई हो।

तीन तलाक, हलाला और शोषण

अप्राकृतिक संबंध नहीं बनाए तो पति ने दिया तलाक, भाई से कराया हलाला

बरेली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में चौक कोतवाली के एक मोहल्ले की महिला ने ससुरालियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। महिला के मुताबिक उसके पति ने उसे तीन तलाक दे दिया। बाद में अपने भाई से हलाला कराया। महिला ने बताया कि उसकी शादी बरेली के थाना फरीदपुर के एक गांव निवासी व्यक्ति के साथ हुई थी। शौहर ने उसकी बिना मर्जी के अप्राकृतिक संबंध बनाए। महिला ने पुलिस को बताया कि 12 मई 2021 को उसे जान से मारने का प्रयास किया। गरम पानी सिर में डाला और तवा जांघ पर लगाया।

उसका बायां हाथ भी तोड़ दिया। उसने अगले दिन अपने मायके वालों को फोन पर पूरी जानकारी दे दी। इसके बाद शौहर ने तीन तलाक दे दिया। फरीदपुर के एक मौलाना से उसके शौहर ने कहा कि वह पत्नी को छोड़ना नहीं चाहता है। तब मौलवी ने ससुर, सास और ननद के सामने पति के भाई से हलाला के लिए निकाह करा दिया।

महिला ने बताया कि अब उसका नया शौहर तलाक नहीं दे रहा है। शौहर भी शारीरिक संबंध बनाता है। पीड़िता के थाने पर तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने नहीं सुनी। तब उसने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर पति समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जर्मन शेफर्ड कुत्ते ने सात साल की बालिका पर किया हमला

चेहरे पर गहरे जख्म, हाथ-पैर में भी काटा

फिरोजाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। फिरोजाबाद में घर के बाहर खेल रही बालिका पर जर्मन शेफर्ड कुत्ते ने हमला कर दिया। हमले से बालिका गंभीर रुप से घायल हो गई। परिजन बालिका को निजी चिकित्सक के पास ले गए। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों ने आक्रोश जताया है। पीड़ित बालिका के परिजन ने उत्तर थाना पुलिस को तहरीर दी है।

उत्तर थाना क्षेत्र के मोहल्ला गांधी नगर में विनीत कुमार जैन और उनका परिवार निवास करता है। उनके पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति के पास जर्मन शेफर्ड नस्ल के तीन कुत्ते हैं। शुक्रवार को विनीत की सात वर्षीय पुत्री सृष्टि घर के बाहर खेल रही थी, तभी जर्मन शेफर्ड ने उस पर हमला कर दिया।

चेहरे, हाथ-पैर में काटा

सृष्टि के चेहरे, हाथ, पैर में कई जगह काट लिया। इससे वह घायल हो गई। बच्ची चीख सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए। घटना के बाद क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश फैल गया। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि कुत्ते को पालने वाले पशु प्रेमी कुत्तों को सड़क पर छोड़ देते हैं। जो अक्सर लोगों पर हमला करते हैं।

सड़क पर छोड़ने की मना करने पर विवाद करने लगते है। वहीं बालिका के परिजन ने उत्तर थाना पुलिस को तहरीर दी है। कोतवाल उत्तर नरेंद्र कुमार शर्मा का कहना है कि पीड़ित की ओर से तहरीर मिली है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

चोरी के आरोप में दो युवकों को खंभे से बांधकर पीटा, ईंट और डंडों से बरपाया कहर

पटना, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में दो युवकों को चोरी के आरोप में पीटा गया। भीड़ ने उन्हें पकड़कर एक खंभे से बांध दिया और ईंट-पत्थर और डंडों से कहर बरपाया। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो गया है। इसमें दोनों युवक मार से खूब चिल्ला रहे हैं और रहम की भीख मांगते हुए दिख रहे हैं। हालांकि, आसपास खड़ी भीड़ को दोनों पर दया नहीं आई। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को मुक्त कराया और अपने साथ थाने ले गई। मिली जानकारी के मुताबिक, घटना मुजफ्फरपुर के अहिया थाना क्षेत्र की है। दोनों युवक लोहे का पाइप चुराकर भाग रहे थे। तभी लोगों ने उन्हें रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को एक खंभे से बांधकर उनकी बर्बर तरीके से पिटाई की गई।

आसपास के लोगों के मुताबिक, दोनों युवक उमेश राय नाम के व्यक्ति के प्लाट से कई दिनों से चोरी कर रहे थे।

चुनिंदा हालातों में चुनाव बाद हुए गठबंधन स्वीकार्य

जदयू-राजद के गठबंधन पर बोला एससी

पटना, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिलकर सरकार बनाने वाले नीतीश कुमार के खिलाफ दायर एक याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनिंदा हालात में चुनाव बाद किए गए गठबंधन स्वीकार्य हैं। याचिका में राजद-जदयू गठबंधन को गलत बता शीर्ष अदालत से नीतीश कुमार को बर्खास्त करने को कहा गया था।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमआर शाह और जस्टिस एमएम संदरेश की बेंच ने कहा कि दल बदल कानून में भी इस तरह के गठबंधन का प्रावधान है। संविधान का 10वां शेड्यूल भी इसकी इजाजत देता है। सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच का कहना था कि याचिका में कोई मजबूत दलील नहीं दी गई है, जिस पर कोर्ट विचार करने का मन बनाए। लिहाजा इस याचिका को सिरे से खारिज किया जाता है।

चंदन कुमार नाम के शख्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके दलील दी थी कि नीतीश और जदयू का महागठबंधन जनता के साथ धोखा है। हॉर्स ट्रेडिंग और करप्ट पॉलिटिक्स के चलते लोगों को एक स्थिर सरकार नहीं मिल पा रही है। उनका कहना था कि ये गठबंधन संविधान का सरासर उल्लंघन है। नीतीश कुमार को सुप्रीम कोर्ट तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का आदेश जारी करे। याचिकाकर्ता का कहना था कि चुनाव बाद हुए इस गठबंधन को अदालत फ्राड घोषित करे। ऐसी पार्टियों के लिए शीर्ष अदालत दिशा निर्देश जारी करे जो करप्ट और हॉर्स ट्रेडिंग की राजनीति में लिप्त हैं। उनकी मांग थी कि सुप्रीम कोर्ट संसद को आदेश जारी करे, जिससे एक ऐसा कानून बनाया जा सके जिसमें चुनाव से पहले हुए गठबंधन पैसे और बाहुबल के इस्तेमाल से न तोड़े जा सकें। उनकी दलील थी कि सत्ता के लालची नेता अपने फायदे के लिए चुनाव पूर्व किए गठबंधन तोड़कर अपनी मर्जी से गठजोड़ कर लेते हैं। याचिका में संसद को ये भी निर्देश देने के लिए कहा गया था कि वो संविधान की 10वीं अनुसूची में व्यापक फेरबदल करे, जिससे इस तरह के मौकापरस्त गठबंधनों के होने का रास्ता बंद हो सके।

बीजेपी विधायक ने अफसरों को पढ़ाया सम्मान करने की पाठ

उन्नाव, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अब भारतीय जनता पार्टी के विधायक भी अपना जलवा-जलाल बढ़ाने में लगे हैं। ताजा मामला उन्नाव के पुरवा का है। जहां के विधायक अनिल सिंह का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा हैं, जिसमें विधायक अफसरों को सम्मान करने का पाठ पढ़ा रहे हैं।

बहुजन समाज पार्टी में रहे अनिल सिंह अब भारतीय जनता पार्टी से विधायक हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष पंडित हृदय नारायण दीक्षित की सीट रही उन्नाव के पुरवा से विधायक अनिल सिंह शुक्रवार को जिला पंचायत की बैठक में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने फरमान जारी किया कि जब पुरवा विधायक अनिल सिंह आया करें तो सभी अधिकारी खड़े हो जाया करें। इतना ही नहीं उन्होंने कहा कि सौ बार काहि चुके हैं, अब आगे से होगा तो लिखापढ़ी करि देब, विधायक अनिल सिंह के इस रुतबे को देख मीटिंग हाल में मौजूद कुछ अधिकारी तो खड़े भी हो गए, साथ ही कुछ लोग बैठे भी रहे। वहां पर विधायक के इस अंदाज को देख जय हो जय हो के नारे भी लगने लगे।

उन्नाव में शुक्रवार को जिला पंचायत की बैठक में जिले के विकास के लिए योजना पर वार्ता होनी थी। इसमें जिले के सभी विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष और सीडीओ के साथ जिला पंचायत सदस्य मौजूद थे। विकास भवन सभागार में यह बैठक में जिले के विकास के लिए प्रस्ताव और कार्ययोजना बनाई जानी थी।

विधायक अनिल सिंह ने दिखाया अपना रुतबा

विकास भवन में बैठक शुरू होने के बाद पहुंचे पुरवा से विधानसभा सदस्य अनिल सिंह ने प्रवेश लेते ही कहा कि जब पुरवा विधायक अनिल सिंह आया करें तो सभी अधिकारी खड़े हो जाया करें, कई बार कह चुके हैं, आगे से ऐसा नहीं होगा तो कार्रवाई के लिए लिखापढ़ी कर देंगे। विधायक जी के अंदाज को देखकर मीटिंग हाल में मौजूद कुछ लोग खड़े भी हो गए। इस दौरान वहां पहले से ही मौजूद विधायक तथा अधिकारी की काफी हैरत में पड़ गए।

11 साल से यूपी पुलिस की कैद में थे भगवान

अब मंदिर में माता सीता और लक्ष्मण के साथ लौटे श्रीराम, रोचक है मामला

कानपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। त्रेतायुग में भगवान ने 14 साल में गुजारे थे और कलियुग में प्रभु को 11 साल पुलिस थाने में बिताने पड़े हैं। ये मामला रूरा थाने का है, जहां से भगवान श्रीराम, माता जानकी और लक्ष्मण को 11 बरस बाद रिहाई मिली है। यहां थाने के मालखाने में भगवान की मूर्तियों को अबतक पुलिस की अभिरक्षा में रखा गया था। दरअसल, रूरा कस्बा के बाजार वार्ड निवासी परचून दुकानदार के ठाकुरद्वारा मंदिर से चोरी की गई राम, लक्ष्मण, जानकी की मूर्तियां 11 वर्ष बाद न्यायालय के आदेश पर थाने के मालखाने से मंदिर के सर्वराकार को वापस मिली हैं। अभी तक मंदिर में दूसरे देवी देवताओं की पूजा हो रही थी, जबकि राम, लक्ष्मण, सीता का दरबार खाली था। शुक्रवार को मंदिर में मूर्तियां पहुंचने पर लोगों ने खुशी जताई।

परचून दुकानदार राजेश व रामू गुप्ता के घर में उनके बाबा रघुनाथ प्रसाद द्वारा वर्ष 1964 में ठाकुरद्वारा बनवाया गया था जिसमें अष्टधातु की राम सीता व लक्ष्मण की मूर्ति के अलावा अन्य मूर्तियां भी स्थापित कराई गईं थीं। इसमें क्षेत्र के लोग पूजा अर्चना करते थे। वर्ष 2011 में घुसे चोरों ने राम लक्ष्मण व सीता की कीमती मूर्तियों को चुरा लिया था।

पुलिस ने घटना का खुलासा करते हुए मूर्तियों को बरामद कर लिया गया था। लेकिन मुकदमे के चलते मूर्तियां मालखाने में ही जमा रही। मामला निस्तारित होने के बाद न्यायालय के आदेश पर शुक्रवार को थानाध्यक्ष प्रवीन कुमार, हेडमुहर्रिर राज कुमार ने मालखाने में मूर्तियां निकालकर सर्वराकार रामू गुप्ता को सौंपी गई।

सर्वराकार ने बताया कि धार्मिक अनुष्ठान कराकर आचार्यों के द्वारा मूर्तिया दरबार में स्थापित कराई जाएंगी।

छात्रा की हत्या में हैवानियत की हदें पार

नाजुक अंग में गंभीर चोटें, लोहे की रॉड डाली

उन्नाव, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उन्नाव में अनुसूचित जाति की छात्रा की हत्या के बाद पैनल और वीडियोग्राफी के बीच शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। रिपोर्ट में छात्रा के नाजुक अंग में गंभीर चोटें मिली हैं। यह चोटें लकड़ी या फिर लोहे की रॉड जैसी वस्तु डालने से ही हो सकती हैं। दुष्कर्म की पुष्टि के लिए स्लाइड बनाई गई है। पोस्टमार्टम हाउस में इस दौरान कई बार परिजनों ने हंगामा किया। सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी शिक्षामित्र की बेटी का शव गुरुवार को नग्न अवस्था में घर के आंगन में मिला था। नाजुक अंग से खून निकल रहा था। पिता की तहरीर पर पड़ोसी सुजीत कुमार और कुंवारा के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। पुलिस ने रिपोर्ट में धारा 302 (हत्या), 376ए (बेहद प्रताड़ना) और 34 (हत्या का इरादा) लगाई है। शुक्रवार सुबह जिला अस्पताल के डॉक्टरों के पैनल ने वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम हाउस में आशा संगिनी मां और उसके साथ मौजूद अन्य महिलाओं ने हंगामा कर आरोपियों को फांसी देने की मांग की। कोतवाल राजेश पाठक ने बताया कि रात में परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से मना कर दिया है। शनिवार को गांव के बाहर खेत में दफन करने की बात कही है। आपको बता दें कि सदर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी छात्रा का शव गुरुवार शाम उसके ही घर के आंगन में फर्श पर पड़ा मिला। शुरुआती जांच में सिर के पीछे की ओर गहरा जख्म और खून होने से फर्श पर सिर पटक कर हत्या की बात सामने आई। छात्रा के कपड़े अस्त-व्यस्त मिलने से पुलिस दुष्कर्म के बाद हत्या के बिंदु पर भी जांच शुरू की। बताया गया है कि बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा घटना के समय घर पर अकेली थी। शिक्षामित्र पिता बिछिया ब्लॉक में बैठक में गए थे, आशा कार्यकर्ता मां काम के सिलसिले में गई थी। छोटी बहन कोचिंग गई थी। शाम को कोचिंग से लौटी छोटी बहन ने शव देखा तो चीख निकल गई। माता-पिता और पुलिस को घटना की सूचना दी।

लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद में खटपट

डेढ़ माह से दफ्तर नहीं जा रहे जगदा बाबू

पटना, 12 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन सरकार की प्रमुख घटक और लालू यादव की पार्टी राजद के नेताओं में खटपट बढ़ रही है। बिहार राजद अध्यक्ष जगदानंद सिंह डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के बढ़ते दखल से खफा हैं। जगदा बाबू पिछले डेढ़ माह से पटना स्थित प्रदेश राजद कार्यालय नहीं जा रहे हैं। बात यह है कि जगदानंद सिंह बिहार के कृषि मंत्री पद से अपने बेटे सुधाकर सिंह के इस्तीफे से खफा हैं। इसी कारण उनकी पार्टी के प्रति बेरुखी बढ़ रही है। उनके और लालू यादव के परिवार के बीच रिश्तों में तल्खी पहले भी सामने आई थी। तेजस्वी और तेज प्रताप यादव के साथ उनकी पहले भी तकरार हो चुकी है। फिलहाल जगदा बाबू इतने खफा हैं कि उन्होंने दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में भी भाग नहीं लिया था।

हरियाणा पंचायत चुनाव

निसिंग में वोटिंग के दौरान चली तलवारें, पोलिंग रोकी गई

करनाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के करनाल के निसिंग ब्लॉक के फतेहगढ़ गांव में तलवारें चल गई. इस हमले में कई लोग घायल हो गए, जिसके बाद वोटिंग को रोक दिया गया है. गांव में तनाव का माहौल है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया है. सरपंच का चुनाव सबसे ज्यादा संवेदनशील माना जाता है और इसका ताजा उदाहरण आज गांव फतेहगढ़ में देखने को मिला, जहां पर वोट डालने के लिए गए एक बुजुर्ग पर कुछ लोगों ने तेजधार हथियारों से हमला बोल दिया. बताया जा रहा है कि दो पक्षों में वोट डालने को लेकर विवाद हो गया था. घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई और स्थिति पर नियंत्रण पाया इसके बाद घायलों को करनाल के कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है. जहां पर घायलों का इलाज किया जा रहा है. पुलिस अधिकारियों के मानें तो आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी निसिंग ब्लाक के फतेहगढ़ गांव में आज सरपंच व पंच पदों के लिए चुनाव चल रहे हैं, जिसमें सभी मतदाता अपने-अपने पसंदीदा उम्मीदवारों का चयन कर रहे हैं. आज सुबह दो पक्षों में वोट डालने को लेकर विवाद हो गया जहां पर जमकर तेजधार हथियार चले. इस घटना में एक महिला वह दो बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद पोलिंग बूथ पर अफरा-तफरी मच गई और पुलिस की टीमें हरकत में आ गई. पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर काबू पाया.

भारत को क्यों सता रही है 'महंगाई डायन'

अमेरिका ने बताया इसका कारण !

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। कोरोना समाप्त होने के बाद से ही भारत महंगाई की आंच में तप रहा है। खाने पीने के सामान से लेकर लक्जरी आइटम तक हर महीने महंगे हो रहे हैं। वहीं यूक्रेन रूस विवाद ने इस पूरी समस्या को भड़काने में पेट्रोल का काम किया है। विपक्ष भी सरकार को कोस रहा है। लेकिन इस बीच अमेरिका ने कहा है कि भारत की महंगाई चिंता जनक है, लेकिन इसके कारण बाहरी हैं यानि वैश्विक कारण भारत की महंगाई की जड़ में हैं।

अमेरिका ने जताई चिंता

भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को महंगाई की ऊंची दर को लेकर चिंता जतायी। दोनों देशों ने कहा कि यह बाह्य कारणों का परिणाम है और उनके लिये चुनौती है। अमेरिका-भारत व्यापार और निवेश अवसर बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत में मुद्रास्फीति की चुनौतियां बाह्य कारकों से प्रेरित हैं।

महंगाई पूरी दुनिया के लिए चुनौती

अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा कि इस समय वैश्विक आर्थिक परिदृश्य काफी चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उच्च मुद्रास्फीति इस समय कई विकसित और विकासशील देशों के लिये चुनौती है। विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक इस समस्या से निपटने के लिये प्रयास कर रहे हैं।

सीतारमण के क्या कहा?

कार्यक्रम में सवाल-जवाब सत्र में कहा, ''आज जो महंगाई का आंकड़ा है, वह प्रबंधन के लायक है। चुनौतियों का बड़ा कारण कच्चे तेल का आयात है। हम अपनी कुल कच्चे तेल जरूरत का 85 प्रतिशत आयात करते हैं। बाहरी कारणों से मुद्रास्फीति पर दबाव पड़ रहा है। हमें इसको लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।'' सीतारमण ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय दोनों मुद्रास्फीति से निपटने के लिये मिलकर काम कर रहे हैं।

रूस यूक्रेन युद्ध से फूटा महंगाई बम

येलेन ने कहा, ''मुद्रास्फीति का प्रमुख कारण रूस का यूक्रेन पर हमला भी है। इससे ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं के दाम बढ़े हैं। कई उभरते बाजार हैं, जहां कर्ज और ब्याज दर अधिक है। ऐसे में ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं के दाम में तेजी से उनमें से कुछ के लिये कर्ज को लेकर दबाव बढ़ा है और इसको लेकर संकट पैदा हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हमें आने वाले समय में इससे निपटने की जरूरत होगी।''

निवेश बढ़ाना चुनौती

भारत में निवेश से जुड़े एक सवाल के जवाब में सीतारमण ने कहा कि राष्ट्रीय निवेश पाइपलाइन और राष्ट्रीय मौद्रीकरण पाइपलाइन यानी सार्वजनिक संपत्तियों को बाजार पर चढ़ाने की योजना एक दूसरे का पूरक बनने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, ''संपत्तियों को बाजार पर चढ़ाने का कार्यक्रम तेजी से चल रहा है। हमारी तरफ से बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर 9,000 करोड़ रुपये का निवेश आगे बढ़ रहा है। जिस तरीके से हमने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और विदेशी पोर्टफोलियो निवेश को खोला है, उसके साथ भारत में निवेश का जो परिवेश है, उससे अनुकूल निवेश रिटर्न सुनिश्चित होगा।''

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता

20 तोले सोने की चेन छीनकर भागने वाले लुटेरों को दबोचा

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी के कनॉट प्लेस में दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है. यहां पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है. दरअसल, देर रात कनॉट प्लेस इलाके में बाइक पर सवार दो लुटेरे एक शख्स के गले से 20 तोले की सोने की चेन को बंदूक की नोक पर लूटकर भाग रहे थे. इसी दौरान कनॉट प्लेस थाने का स्टाफ पेट्रोलिंग कर रहा था और उन्होंने लुटेरों को भागते हुए देख लिया. बड़ी हौशियारी से पुलिस ने बदमाशों की मोटरसाइकिल पर अपनी सर्विस बाइक से टक्कर मार उन्हें गिरा दिया. पुलिस ने बताया कि इस दौरान एक लुटेरे ने पुलिस को बंदूक भी दिखाई और दूसरा लूटेरा मौके से भागने लगा. इसके बावजूद अलर्ट स्टाफ ने दोनों लुटेरों को दबोच लिया.

स्तनपान वाले बयान पर एसीएस की नेताओं को नसीहत

बोले- बिना समझे कुछ नहीं कहना चाहिए

भोपाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। लाड़ली लक्ष्मी योजना के दूसरे चरण की लॉन्चिंग कार्यक्रम में मध्यप्रदेश में माताओं द्वारा बेटियों को स्तनपान न कराने वाला बयान देने वाले महिला बाल विकास विभाग के एसीएस अशोक शाह अपने बयान पर कायम हैं। अशोक शाह ने उनके बयान को विवादित बताने वाले नेताओं को नसीहत दी है। अशोक शाह से जब पूछा गया कि आपके स्तनपान वाले बयान पर बीजेपी नेता विरोध कर रहे हैं? इस पर शाह ने कहा उनको एक्प्लेनेशन की जरूरत है। मैंने एनएफएचएस-5 के सर्वे के आधार पर कहा है। उनको बिना समझे कुछ नहीं कहना चाहिए।

शाह के बयान पर उमा भारती ने बोला था हमला

अशोक शाह के स्तनपान वाले बयान पर पूर्व सीएम उमा भारती ने ट्वीट कर हमला बोला था। उमा ने ट्वीट करते हुए लिखा था -'वरिष्ठ अधिकारी का बेहद असंगत व हास्यास्पद कथन देखा। मुख्यमंत्री जी महिलाओं के सम्मान के लिए सजग व संवेदनशील हैं। जब मैंने फोन पर बात करके सीएम को यह बात बताई, तो वह इस कथन से असहमत व आश्चर्यचकित थे। मुख्यमंत्री की बात से लगा कि समारोह में बहुत शोर के कारण वह इस बात को सुन नहीं पाए' मुझे लगता है कि सीएम इस कथन को ठीक करने का रास्ता स्वयं निकाल लेंगे। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि "हमारी योजना के कारण अब 42% महिलाएं अपनी बेटियों को दूध पिलाती हैं, जबकि 2005 से पहले वह 15% था। अगर यह कथन सही छपा है, तो यह बेटी विरोधी, माता विरोधी व मध्यप्रदेश की मातृशक्ति की छवि खराब करने वाला है। अधिकारियों को बयान के प्रति सचेत व जिम्मेवार रहना चाहिए। अमीर हो या ग़रीब, बेटा हो या बेटी, बच्चे के जन्मते ही हर मां अपने बच्चे को दूध पिलाती ही है। लाखों में एक केस में कई कारणों से ऐसा नहीं होता होगा। आखिर सारी महिलाएं बेटियां ही हैं, वो जिंदा कैसे रह गईं?

पूर्व मंत्रियों ने भी बोला था शाह पर हमला

अशोक शाह के बेटियों को स्तनपान न कराने वाले बयान पर मप्र सरकार में महिला बाल विकास मंत्री रहीं कुसुम महदेले और रंजना बघेल भी सवाल उठा चुकीं हैं। कुसुम महदेले ने 4 नवंबर के ट्वीट में लिखा था एसीएस शाह महिला बाल विकास , विभाग का बयान अत्यन्त आपत्ति जनक है।भारत की शत प्रतिशत माताएं अपनी बेटियों को स्तन पान करती हैं अर्थात अपना दूध पिलाती हैं। इतने बड़े अधिकारी का इतना इतना असंगत बयान! आश्चर्य है।

शाह के इस बयान पर हुआ था बवाल

भोपाल में बुधवार को रविन्द्र भवन में आयोजित लाडली लक्ष्मी योजना 2.0 लॉन्चिंग कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग के प्रमुख सचिव अशोक शाह भी मौजूद थे। उन्होंने कहा- 'मेरा सभी माताओं से हाथ जोड़कर निवेदन है कि कृपया आप परिवार में इस बात पर विशेष ध्यान दें कि हमारी बालिकाएं पीछे क्यों रह जाती हैं? इसका कारण है कि 2005 में सिर्फ 15% माताएं बेटियों को दूध पिलाती थीं। आज थोड़ी खुशी है, लेकिन पूरी नहीं। आज 42% माताएं अपनी बेटियों को दूध पिलाती हैं। आप आगे आओ, सरकार आपके आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण के लिए साथ खड़ी है। मैं ये नहीं कहता कि बेटों को दूध न पिलाओ, मैं ये कहता हूं कि बेटियों को भी पिलाना चाहिए, ये प्रण लेना पड़ेगा।'

पिता को जिंदा करने के लिए नवजात की बलि देने की कोशिश

मासूम का अपहरण करने वाली महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में एक महिला ने कथित तौर पर अपने पिता को जिंदा करने के लिए मानव बलि देने की कोशिश के तहत एक दो महीने के बच्चे का अपहरण कर लिया. पुलिस ने महिला को गिरफ्तार कर बच्चे को उसके चंगुल से छुड़ा लिया है. बेहद सनसनीखेज मामला दिल्ली के अमर कॉलोनी इलाके का है. पुलिस ने बताया कि गुरुवार (10 नवंबर) की शाम करीब चार बजे थाना अमर कॉलोनी में सूचना मिली कि दिल्ली के गढ़ी इलाके से करीब दो महीने के मासूम को एक अज्ञात महिला ने अगवा कर लिया है. सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज किया और आरोपी की तलाश शुरू कर दी. जांच के दौरान बच्चे की मां ने पुलिस को बताया कि आरोपी महिला से उसकी मुलाकात सफदरजंग अस्पताल में हुई थी. महिला ने खुद को जच्चा-बच्चा देखभाल के लिए काम करने वाली एक एनजीओ के सदस्य के रूप में पेश किया था. पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम श्वेता बताया,

कांग्रेस में कई लोग बनना चाहते हैं मुख्यमंत्री

बोलीं हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह

शिमला, 12 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष प्रतिभा सिंह कहा, वीरभद्र जी की कमी खल रही है. इस बार लोग बदलाव चाहते हैं. कांग्रेस पुरानी पेंशन योजना लेकर चुनाव मैदान में है. महंगाई से लोग परेशान हैं. घर बनाने से लेकर गैस सिलेंडर तक महंगा हो गया है. जीएसटी हर चीज पर लग रहा है. कांग्रेस की सरकार के समय भी महंगाई आई थी, लेकिन तब वीरभद्र जी ने 100 करोड़ रुपये सरकारी खजाने से देकर लोगों को महंगाई से राहत दिलाई थी. हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान प्रतिभा सिंह ने कहा, बीजेपी की जयराम सरकार विफल रही है. कांग्रेस में कई लोग मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं. मैं बहुत महत्वाकांक्षी नहीं हूं अगर हम जीते तो विधायक और आलाकमान तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा? बीजेपी ने मोदी जी से लेकर पूरी मशीनरी उतार दी थी. हिमाचल के लोग पढ़े-लिखे हैं और मुद्दों पर वोट करते हैं. मैं लोगों से अपील करती हूं कि वोट करें और कांग्रेस की सरकार बनाएं. आपको बता दें कि प्रतिभा सिंह हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता वीरभद्र सिंह की पत्नी हैं. कांग्रेस ने इस बार हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव की बागडोर प्रतिभा सिंह के हाथ में दे रखी है.

वीरभद्र सिंह का 2021 में निधन हो गया था. हिमाचल में आज 55 लाख से अधिक मतदाता 68 निर्वाचन क्षेत्रों में 412 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला कर रहे हैं. राज्य में आज हो रहा चुनाव बीजेपी और कांग्रेस के लिए साख की लड़ाई है. वहीं आम आदमी पार्टी की दावेदारी से ये मुकाबला थोड़ा दिलचस्प होता नजर आ रहा है.

17 साल पहले खोया था बेटा

अब सुप्रीम कोर्ट ने जांच के लिए एसआईटी गठित करने का दिया आदेश

भोपाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। शनिवार को सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को 17 पहले खोए लड़के की जांच के लिए एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट में अपने 17 साल पहले गायब हुए बेटे की जांच करने के लिए याचिका दायर की थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस अजय रस्तोगी और सीटी रविकुमार की बेंच ने मध्य प्रदेश सरकार को एसआईटी की टीम गठित करने का आदेश दिया है। न्यायालय ने बताया कि, हमने राज्य सरकार को आगे की जांच के लिए एसआईटी गठित करने के लिए निर्देश दिया है, जांच की रिपोर्ट को भी कोर्ट में पेश किया जाए, जांच आईजी की निगरानी में की जाएगी कोर्ट के अनुसार, कोर्ट द्वारा इस मामले में संज्ञान लिया गया है, याचिकाकर्ता ने अपने 17 साल पहले खोए बेटे के लिए याचिका दायर की थी, जिस तरह से इस मामले में जांच की गई है, उसे संतोषजनक नहीं कहा जा सकता है कोर्ट ने आगे बताया कि,आखिरी रिपोर्ट जो अवलोकन के लिए रखी गई है, वह भी कागजी ही है, पड़ोस के गांवों में तलाशी के लिए सर्च वारंट जारी किया गया लेकिन इस मामले में अब तक कुछ नहीं हुआ है।

31 साल पुरानी चोरी मामले में 2 गिरफ्तार

एक आरोपी बन गया था आश्रम में प्रवचनकर्ता

फरीदाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अलीपुर इलाके में 31 साल पहले हुई चोरी की घटना के आरोप में हरियाणा के फरीदाबाद से दो भगोड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक अदालत के रिकॉर्ड में मृत घोषित हो चुका था। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान अर्जुन सिंह (62) और चरण सिंह (51) के रूप में हुई है जो फरीदाबाद के रहने वाले हैं। एक आरोपी आश्रम में प्रवचनकर्ता हो गया था।उन्होंने बताया कि अदालती कार्यवाही के दौरान अर्जुन को मृत घोषित कर दिया गया था। पुलिस ने कहा कि उसे फरीदाबाद के ददिसिया गांव के एक वन क्षेत्र में चार घंटे तक चले अभियान में पकड़ा गया। दिल्ली की तीस हजारी अदालत ने 15 जुलाई 1998 को दोनों को भगोड़ा घोषित किया था। उनकी तलाश तब शुरू हुई जब बवाना थाने ने जिले के भगोड़े अपराधियों की सूची पर काम किया।

एलजी और बीजेपी ने दिल्ली वालों की जिंदगी बनाई नर्क

केजरीवाल बोले- पार्टी का ब्रांड एंबेसडर बना सुकेश चंद्रशेखर

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जिसमें सुकेश चंद्रशेखर, उपराज्यपाल और पीएम नरेंद्र मोदी के रोड शो को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एलजी साहब और बीजेपी रोज दिल्ली की जनता को तीर मार रहे हैं। उन्हें परेशान कर रहे हैं। रोज उनके काम रोक रहे हैं, उनकी जिंदगी खराब कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी उनके जख्मों पर मरहम लगाते हैं। मैं उनके परिवार का हिस्सा बनकर उनकी मदद करने की कोशिश करता हूं। 17 हजार लोग जो योग करते थे उन्हें रोक दिया गया।

बीजेपी का ब्रांड एंबेसडर बना सुकेश

बीजेपी का नया स्टार प्रचारक है सुकेश चंद्रशेखर। वो उन्हीं की तरह भाषा बोल रहा है। बीजेपी वाले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहते हैं कि केजरीवाल का लाई डिटेक्टर टेस्ट होना चाहिए, अब वो भी कहने लगा है। वो बीजेपी में शामिल होने के लिए पूरी तरह ट्रेन हो गया है। ये लोग उसे किसी भी दिन शामिल करवा सकते हैं। उसे इन्हें स्टार प्रचारक बनाना चाहिए। आजकल मोदीजी की सभा में भीड़ भी नहीं आ रही है। सुकेश को देखकर भीड़ आएगी क्योंकि उसके पास सुनाने के लिए बहुत सी मनोहर कहानियां हैं।

पांच काम बताए बीजेपी

केजरीवाल ने कहा कि मैं बीजेपी से पूछना चाहता हूं कि वो 15 साल के एमसीडी शासन में किए कोई पांच काम बता दे। लोग नकारात्मक राजनीति पसंद नहीं करते बल्कि उन्हें काम पसंद करते हैं। जो नए एलजी साहब आए हैं उन्होंने लोगों की जिंदगी नर्क करने की कोशिश की है। लोग इसे पसंद नहीं कर रहे हैं। आप काम रोकते जा रहे हैं। जनता सब देख रही है। हम काम कर रहे हैं। आप न खुद काम करते हैं और ना लोगों को करने देते हैं। केवल दूसरों को गालियां देते हैं। आप बताइए 15 साल में क्या किया और पांच साल में क्या करोगे।

सीजन में पहली बार चार डिग्री तक गिरा तापमान

भोपाल, ग्वालियर, इंदौर समेत प्रदेशभर में बढ़ी ठंडक

भोपाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में करीब एक सप्ताह बाद तापमान गिरकर जमीन पर आ गया है। बादलों के जाते ही रात का पारा सिकुड़ने लगा है। शुक्रवार की रात प्रदेश में इस सीजन पहली बार एक साथ तापमान गिरने वाली रही। प्रदेश के अधिकांश इलाकों में रात का पारा 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। सबसे ज्यादा मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान में गिरावट आई है। मौसम वैज्ञानिक अशफाक हुसैन ने बताया कि अभी दो दिन तक इसी तरह तापमान रहेगा, इसके बाद तापमान में कुछ बढ़ोतरी होगी। अगला वेस्टर्न डिस्टर्बेंस 13 नवंबर से आएगा। इससे दिन और रात का पारा चढ़ेगा।

9 दिन बाद तापमान लुढ़का

मध्यप्रदेश में 9 दिन से रात का पारा 15 से ऊपर और दिन में यह 30 से ऊपर चल रहा था। शुक्रवार को दिन के बाद रात का तापमान भी लुढ़का है। कहीं-कहीं तो यह 3 से 4 डिग्री तक लुढ़क गया। भोपाल में गुरुवार रात का पारा 17.5 डिग्री सेल्सियस था, जो शुक्रवार रात 14.5 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इसी तरह पारे में ग्वालियर में 3 और इंदौर में 2 डिग्री सेल्सियस की गिरावट रही। दतिया, गुना, रायसेन, राजगढ़, दमोह और नौगांव में भी 2 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान लुढ़का है।

मैदानी इलाकों में ज्यादा ठंडक

बादलों के कारण दिन और रात के समय तापमान नीचे नहीं आ पा रहा था। बादलों के जाते ही मौसम में बदलाव हुआ है। इसका सबसे ज्यादा असर मैदानी इलाकों में पड़ा है। मैदानी इलाकों जैसे- जुबलपुर, बैतूल, भोपाल, दमोह, दतिया, गुना, ग्वालियर जैसे इलाकों में तापमान नीचे आया है, लेकिन पहाड़ी इलाके जैसे पचमढ़ी में रात का पारा करीब डेढ़ डिग्री तक चढ़ गया। अगले तीन दिन तक रात का पारा 12 से 14 और दिन में यह 32 डिग्री के नीचे रहेगा।

13 से फिर बदलेगा मौसम

वैज्ञानिक हुसैन ने बताया कि 13 नवंबर से नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आ रहा है। इससे एक बार फिर तापमान में बढ़ोतरी होगी। रात का पारा 14 से ऊपर चला जाएगा, जबकि दिन में 32 या उससे ऊपर जा सकता है। इससे हल्की गर्मी का एहसास हो सकता है, लेकिन सुबह और शाम के समय हल्की सी ठंड का एहसास बना रहेगा।

भोपाल में बैंक का रिकवरी मैनेजर अगवा:1 करोड़ रुपए फिरौती मांगी, मरा समझ जंगल में फेंका

भोपाल, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजधानी में आईसीआईसीआई बैंक के रिकवरी मैनेजर के अपहरण की वारदात सामने आई है। किडनैपर ने मां को फोन कर 1 करोड़ की फिरौती मांगी। रकम नहीं मिलने पर मैनेजर पर जानलेवा हमला किया। जब वह बेहोश हो गया तो उसे मरा समझकर रातीबड़ के जंगल में फेंककर फरार हो गए। पुलिस ने अब तक इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक 33 वर्षीय राहुल राय कटारा हिल्स क्षेत्र में रहते हैं। वे एमपी नगर स्थित आईसीआईसीआई बैंक में रिकवरी मैनेजर हैं। शुक्रवार सुबह 10 बजे वे बैंक पहुंचे और करीब 10:20 बजे वे बैंक से निकल गए। दोपहर में उनकी मां के पास राहुल के मोबाइल से कॉल आया। मां से 1 करोड़ की फिरौती मांगी गई। राहुल की मां ने एमपी नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसी बीच डायल 100 पर मिली सूचना के बाद राहुल को घायल अवस्था में रातीबड़ से सीहोर रोड पर जंगल में मिले। पीड़ित अभी बोलने की हालत में नहीं है। हम दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रहे है। फिरौती मांगी गई या नहीं, इसकी भी जांच कर रहे हैं।

केरल के राज्यपाल को

चांसलर पद से हटाने के लिए अध्यादेश, उन्हीं के पास भेजा गया

तिरुवनन्तपुरम, 12 नवंबर (एजेंसियां)। केरल पिनाराई विजयन सरकार ने राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को यूनिवर्सिटीज के चांसलर पद से हटाने के लिए अपना अध्यादेश मंजूरी के लिए शनिवार को राजभवन भेज दिया। राजभवन के सूत्रों ने इसकी पुष्टि की कि राज्यपाल को यूनिवर्सिटीज के चांसलर के पद से हटाने और प्रमुख शिक्षाविदों को इस पद पर नियुक्त करने संबंधी अध्यादेश राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान की मंजूरी के लिए राजभवन को प्राप्त हुआ है। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि इस बात की संभावना नहीं है कि आरिफ मोहम्मद खान जल्द ही अध्यादेश पर कोई फैसला लेंगे, क्योंकि इस मुद्दे पर उनके और राज्य सरकार के बीच विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। पिनराई विजयन के नेतृत्व वाली सरकार ने बुधवार को इस संबंध में अध्यादेश लाने का फैसला किया था, जिसका कांग्रेस और बीजेपी दोनों ने विरोध किया था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि मंत्रिमंडल के फैसले का मकसद केरल में यूनिवर्सिटीज को 'कम्युनिस्ट केंद्रों' में बदलना है।

लव ट्रायंगल: प्यार की खातिर गुजरात से इंदौर पहुंची जज की बेटी

प्रेमिका के साथ 'दूसरी' को देख किया बवाल

इंदौर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। लव ट्रायंगल की बात आते ही आपके जहन में एक ही बात आती है कि या तो लड़कियों के बीच किसी लड़के ने एंट्री कर दी या फिर लड़कों के बीच लड़की ने। लेकिन इंदौर के विजय नगर में अनोखा मामला सामने आया है। यहां तीन लड़कियों के बीच लव ट्रायंगल देखने को मिला है। प्यार में पागल गुजरात की युवती इंदौर की लड़की के लिए अपना पूरा सामान लेकर थाने आ धमकी और आते ही उसने विजयनगर क्षेत्र में रहने वाली युवती की शिकायत भी की। कई घंटों तक हंगामा मचाने के बाद वह पुलिस से कहती रही कि इंदौर की इसी लड़की ने मुझसे कई दिनों तक प्यार किया और अब उस प्यार से इनकार कर रही है। हम एक साथ रहते थे और उसने मुझे धोखा दे दिया। तीनों लड़कियों की शिकायत सुनने के बाद पुलिस ने सभी को समझाइश देकर थाने से रवाना किया। वहीं गुजरात की रहने वाली युवती अभी इंदौर में ही रह रही है और लगातार अपने प्यार को हासिल करने की कोशिश में है। देर रात विजयनगर थाने पर गुजरात की रहने वाली 22 साल की सीमा (परिवर्तित नाम) थाने पहुंची। उसने इंदौर में रहने वाली 23 साल की ज्योति (परिवर्तित नाम) पर यह आरोप लगाया कि वह दोनों लंबे समय से एक दूसरे से प्यार करते हैं, और एक साथ ही रहना चाहते हैं। दोनों ने साथ में जीने मरने की कसम खाई थी। सीमा गुजरात के एक जज की बेटी बताई जा रही है और इस प्रेम प्रसंग के बाद देर रात वह अपना सामान लेकर थाने पहुंची थी, लेकिन पुलिस की समझाइश के बाद वह ज्योति से यह कहते नजर आई कि मैं अभी इंदौर में रहूंगी और तुझे हासिल करूंगी।

तीनों को है आपस में प्रेम

वहीं इस पूरे लव ट्रायंगल में तीसरी युवती भी ज्योति को पाना चाहती है और उसके साथ रहना चाहती है।

आयुर्वेद के जनक : धन्वंतरी

अतुल कुमार

आयुर्वेद के प्रचार प्रसार से एलोपैथी के सामने एक वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति तेज़ी से खडी हो रही है । यद्यपि आयुर्वेद 5000 साल पुरानी हमारी ही चिकित्सा पद्धति है लेकिन ब्रिटिश राज में एलोपैथी को मिले शासकीय प्रश्रय ने उसे बढावा दिया जिससे आयुर्वेद के चलन में होते हुए भी उसकी अनदेखी हुई । विद्वानों के अनुसार यह तीन मूल प्रकार की ऊर्जा या कार्यात्मक सिद्धांतों की पहचान करता है इसे त्रिदोष सिद्धांत कहते हैं ।वात ,पित्त और कफ़ यह तीनों संतुलित रहते हैं तो शरीर तंदरुस्त रहता है । यह पद्धति शरीर ,मन और चेतना का संतुलन बनाए रखने में एक साथ काम करती हैं । आयुर्वेद स्वस्थ रखता है और दोषों को जड से उखाडता है ।चिकित्सा की इस पुरानी पद्धति का आज हर तरफ प्रसार हो रहा है ।क्योंकि इसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाने की शक्ति विद्यमान है ।दीपावली पर्व का शुभारंभ इसके जनक धन्वंतरी की जयंती धनतेरस से होता है । अच्छा स्वास्थ्य किसी धन से कम नहीं होता यह बात हमेशा याद रखनी होगी । विशेषकर महामारी से उबरने के बाद ।लेकिन धनतेरस पर्व को जितना गहनों , वस्तुओं और अन्य नयी खरीददारियों से जोडा गया उतना आयुर्वेद के जनक धन्वंतरी से नहीं । खानापूर्ती के लिये कुछ बुद्धीजीवी और वैद्य उनकी पूजा या याद करते हैं ।ऐसा क्यों ! जिनका स्मरण या पूजा हमेशा होनी चाहिये उनको सिर्फ पर्व के समय कुछ लोगों द्वारा पूजना अजीब सा लगता है ! जन साधारण द्वारा क्यों नहीं ?

आयुर्वेद का अहम भाग योग को माना गया दोनों पद्धतियां लोगों को हेल्दी और फिट बना चंगा रख रही हैं , कई असाध्य रोगों का इलाज हो रहा है और एलोपैथी ट्रीटमेंट के सरेंडर करने के बाद लोग बेज़ार हो इसे ही क्यों अपना रहे हैं ! क्यों नहीं पहले ! सोचिये ? बीते तीन दशकों में हास्पिटल्स और डाक्टरों ने अपनी मार्केटिंग की पहले मौखिक रूप में बाद में इश्तहारों के माध्यम से ।ऐसा आयुर्वेद और उसके चिकित्सकों ने नहीं किया । उनके पास इतने संसाधन भी नहीं । ऐलोपैथी के सम्मुख आयुर्वेद का विचित्र नज़रिया बना दिया गया । जबकि आयुर्वेद सबसे पुरानी और सक्षम चिकित्सा पद्धति है जिसका जन्म भारत में ही हुआ ।आयुर्वेद अर्थात वह विज्ञान जिसके ज्ञान से जीवन को बढाया जा सकता है ।लंबी उम्र की कामना करना मानव स्वभाव है।

समूचे आयुर्वेद की अवधारणा मूलतः धन्वंतरी से जुडी है ।उन्हें एक पौराणिक देवता माना गया जो एक हाथ में अमृत और दूसरे में आयुर्वेद को लिये हैं ।धन्वंतरी का अर्थ देवताओं का चिकित्सक माना गया ।वह आयुर्वेद के प्रवर्तक व स्वास्थ्य के अधिष्ठाता देवता हैं इसलिये विश्व में पूजनीय हैं ।पुराणों के अनुसार भगवान विष्णु ने जगत कल्याण के लिये 24 अवतार लिये जिनमें धन्वंतरी 12वें अंशावतार हैं ।अर्थात वह श्री हरि के रूप हैं । उन्हें आयुर्वेद के प्रणेता और वैद्यक शास्त्र का देवता माना गया ।"रामायण " और "महाभारत " में भी उनका उल्लेख मिलता है ।आयुर्वेद के आदि ग्रंथ " सुश्रुत संहिता " " चरक संहिता ' " काश्यप संहिता " और " अष्टांग हृदय " में उनका संदर्भ मिलता है ।भगवान विष्णु ने उन्हें वरदान दिया कि आयुर्वेद के प्रवर्तक और उसके शास्त्रों के जनक होगे ।अतः यह चिकित्सा पद्धति लोक मानस को ईश्वर से प्राप्त प्रसाद के रूप में मानी गयी ।इसकी संपूर्ण औषधियां प्रकृति प्रदत्त हैं अतः इनको प्रकृति मित्र मान इनकी उपयोगिता को सर्व कल्याणकारी माना गया ।

मान्यता है कि उनकी पूजा करने से व्यक्ति को निरोगी काया मिलती है साथ ही परिवार से दुख और दारिद्र खत्म होता है ।पुराणों के अनुसार धन्वंतरी की उत्पत्ति समुद्र मंथन से हुई समुद्र से अमृत का कलश ले निकले जिसके लिये देवों और और असुरों में युद्ध हुआ इसका संदर्भ शास्त्रों में विस्तार से मिलता है । विश्व की सभी वनस्पतियों का अध्ययन कर उसके गुण दोषों को समझा इनको

जानने के बाद धन्वंतरी संहिता लिखी जो आयुर्वेद का मूल ग्रंथ है तपस्वी साधक की तरह सभी वनस्पतियों का अध्ययन कर उसे औषधि का रूप दिया ।उसमें जन सेवा और कल्याण की भावना को सर्वोपरि रखा बाद में चरक ने इस परंपरा को बढाया ।भगवान धन्वंतरी की चार भुजाएं हैं ।एक हाथ में आयुर्वेद ग्रंथ ,एक हाथ में औषधि कलश एक हाथ में जडी बूटी और एक हाथ में शंख है ।इन्हीं से सुश्रुत ने आयुर्वेदिक चिकित्सा की शिक्षा प्राप्त की ।मान्यतानुसार जब वह प्रकट हुए तब उनके हाथ में पीतल का अमृत कलश था यही कारण है कि उनकी जयंती पर आम लोग बर्तन खरीदते हैं ।

आंतरिक शक्ति , ज्ञान और विवेक के धन से शरीर रूपी कलश को भर लिया जाए तो मन में उत्साह और उमंग के दीप स्वतः प्रज्वलित होंगे और व्यक्ति की निगेटीविटी खत्म होगी ।वैचारिक चिंतन को भी वरीयता देते हुए निरोगी रहने के लिये अच्छा सोचने , चुगली ,निंदा ,अहंकार और ईर्ष्या से हमेशा दूर रहने की सलाह दी इससे मन ,मस्तिषक और विचार दूषित नहीं होंगे ।इंद्रीय शक्ति को बढाने के लिये स्वस्थ्य सोच विचार को महत्वपूर्ण माना ।उनके अनुसार इससे शरीर और मन की रक्षा होगी ।ब्रिटिश राज इस चिकित्सा पद्धति को अवैज्ञानिक मान उसकी उपेक्षा करता ।स्वंत्रता प्राप्ति के बाद कई वैद्यों ने मिल इसके पुनर्जागरण का काम किया ।तब कोलकाता ,मुंबई ,हरिद्वार ,इंदौर और बनारस आदि में आयुर्वेद के प्रसिद्ध संस्थान काम करते ।छठवें दशक में गुजरात और केरल में नियोजित कालेजों और विश्वविद्यालयों का विस्तार हुआ ।जन मानस में भी इसकी ख्याति फैली ।आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों में इसकी प्रगति उत्साहवर्धक है लोग इसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं क्योंकि इसने कई असाध्य रोगों को उपचार से ठीक किया । पश्चिमी देशों में भी पिछले कुछ वर्षों में इसका प्रसार हुआ ।

आयुर्वेदिक इलाज कैंसर की रोकथाम के लिये भी बहुत जाना जाता हैं ।इसकी औषधियों का व्यक्ति के शरीर पर कोई विपरीत असर नहीं पडता यही कारण है कि लोग इस पर विश्वास कर इसे अपना रहे हैं । कई अचूक दवाएं भी इसमे हैं जो लोगों को निरोगी बना रही हैं ।इतिहासकारों का मानना है कि इसकी अधिकतर जानकारी अथर्ववेद में मिलती है । पहला संहिताबद्ध दस्तावेज चरक संहिता है । शास्त्रों के अनुसार जिस व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो गयी है और दवा का असर नहीं हो पाता है तो धन्वंतरी की विधिवत पूजा से लाभ हो सकता है ।तमिलनाडु के वेल्लोर ज़िले के वालाजपेठ क्षेत्र में भगवान धन्वंतरी का मंदिर स्थित है मंदिर का नाम श्री धन्वंतरी आरोग्य पीडम है ।प्रत्येक वर्ष धनत्रयोदशी पर हज़ारों भक्त रोग मुक्त होने की कामना ले यहां आते हैं ।यहां स्थित कुंड में कई प्रकार की औषधियों ,जडी ,बूटियों ,और फल फूल सेआहुति दी जाती है ।इस अवसर पर किये जाने वाले हवन का महत्व अधिक है क्यों कि यह दीर्घायु और स्वस्थ्य रहने के लिये किया जाता है ।

धन्वंतरी आयुर्वेद जगत के प्रणेता और वैधक शास्त्र के दाता हैं ।धराधाम पर आयुर्वेद को अवतरित कर आयुर्वेद रूपी अमृत कलश को मनुष्य के सुख ,हित और स्वास्थ्य को ठीक रखने का अमूल्य उपहार दिया ।कुछ विद्वानों की मान्यता है कि देवता गण इनकी चिकित्सा शक्ति को देख घबरा गये और सोचने लगे कि यदि एक एक कर सभी मृत मनुष्यों को जीवित करने लगेंगे तो सृष्टि का नियम बदल जाएगा और प्रकृति का संतुलन बिगड जाएगा अतः छल कपट द्वारा इन्हें गायब कर सागर में छिपा दिया। लेकिन मानव कल्याण के लिये वह समुद्र मंथन में फिर से प्रकट हुए ।धन्वंतरी से पहले आयुर्वेद गुप्त था । उनसे इस विद्या को विश्वामित्र के पुत्र सुश्रुत ने सीखा ।सुश्रुत दुनिया के पहले सर्जन थे ।पुराणों में धन्वंतरी प्रथम और द्वितीय का भी यदा कदा उल्लेख मिलता है मनुष्य को प्रकृति पुत्र की मान्यता दे उसे सदा उससे जुडे रहने का ज्ञान दिया । बताया जाता है कि ई पू 7000 वर्ष पूर्व वह हुए ।उनको पूजने का मंत्र "ओम नमो भगवते वासुदेवाय धन्वंतराय अमृत कलश हस्तय सर्व माया विनाशाय त्रैलोक्यनाथाय श्री महाविष्णवे नमः " प्रचलित है ।उनका वाहन कमल है । वास्तव में आयुर्वेद जिस गति से आज विकसित हो रहा है उसे देख हैरानी होती है क्योंकि कई मेडिकल स्टोर या हाल भी आयुर्वेदिक दवाइयां बेच रहे हैं बीते डेढ दशक में इस पद्धति ने बहुत लोकप्रियता पायी ,यद्यपि घरेलू इलाजों , नुस्खों और मौसमी इलाजों के उपायों में इसी का दबदबा शुरू से रहा । उदाहरणार्थ सर्दी में च्यवनप्राश सालों से लोग खाते आये लेकिन उसकी ख्याति आज बहुत नज़र आती है । निःसंदेह आयुर्वेद घरेलू जीवन का हिस्सा बन गया है ।योग के प्रचार प्रसार से भी इसे बल मिला और मिलेगा । क्योंकि एलोपैथी इलाज मंहगा हो आमजन की पहुंच से दूर हो रहा है। आयुर्वेद के रूप में धन्वंतरी ने उपचार के जिस कोषागार को सौंपा वह ईश्वर प्रदत्त तो है ही जिसमें निरोगी काया और दीर्घ आयु का प्रसाद है।

काव्य कुंज

मेरा बचपन

चंद्रप्रकाश शर्मा
हैदराबाद

बचपन सा कुछ था, पर याद नहीं
लिखी भी हमने कहीं कोई किताब नहीं
छत पर लेटे सुनते थे चंदा की कहानी
मन के भीतर सब है पर जबानी कुछ याद नहीं
वह बात बात पर तू तू मैं मैं करना
फिर एक ही थाली में बैठकर खाना खाना
वो मंजर आंखों में है पर किस्से याद नहीं
बचपन सा कुछ था पर याद नहीं
वो घर छोटा था पर बहुत अपना था
भाई साहब सारा मोहल्ला अपना था
हर त्यौहार मानो की जलसा ही जलसा
नए कपड़े, नहीं पतंग नए रंग नई उमंग
ऐसा सब कुछ था पर उसकी रंगत याद नहीं
वो बाजू के घर की टूटी साइकिल
जिस पर बैठ हम थे बादशाह
वह किसी की तो थी , पर किसकी थी याद नहीं
बचपन सा कुछ था पर याद नहीं
मम्मी पापा के संग कुछ भी लेने जाते
वो आंटी हमारे गालों को खींच फिर टॉफी देते
वो फ्री की टॉफी अच्छी थी पर किसने दि याद नहीं
बचपन सा कुछ था पर याद नहीं
ट्रेन का लंबा सफर यूं ही कट जाता था
हर कोई आते जाते हमें प्यार कर जाता था
वह खुशी के पल अच्छे थे पर सफर याद नहीं
बचपन सब कुछ था पर याद नहीं

खिड़कियों में बैठा हुआ देश !

श्रवण गर्ग

जब नहीं होता देश सड़कों पर
वह कहीं भी नहीं होता
अपने ही घरों में भी नहीं !
फ़र्क़ है झरोखों,खिड़कियों
से देखने सड़कें
और देखने सड़क से
झरोखे और खिड़कियां
सिर्फ़ अंधेरा ही रिसता है बाहर
खिड़कियों की नसों से
डर का, कायरता का !
आकाश में खोदी गईं खंदकें हैं खिड़कियाँ
चुराकर मुँह अंदर
ताकने बाहर का संताप सुराख़ों से !
हिम्मत का काम है उतरना नीचे
पाटना सीढ़ियाँ, आना ज़मीन पर
खोलना बंद दरवाज़ा घर का
रखना पैर बाहर नंगी ज़मीन पर
करना सामना उन चेहरों का
नहीं आतीं नज़र जिनकी
तनी मुट्ठियाँ, चिपके हुए पेट,
बुझी आत्माएँ खिड़कियों से !
सड़क से ही पड़ता है दिखाई
है बाक़ी अभी अंधेरा कितने घरों में
खिड़कियों से नहीं चलता पता
हो गईं हैं सड़कें कितनी उदास
चले गए हैं लोग कितने
ख़ाली करके बस्तियाँ और शहर !
हो गया है ज़रूरी अब
करना सड़कों को आबाद
बना देना खिड़कियों को सुनसान
झांकती रहती हैं जो सड़कों की ओर
फहराती रहती हैं कांपते हुए हाथ
नायकों की तलाश में-
खलनायकों, तानाशाहों की ओर
बरसाती है पुष्प और मालाएँ
अहंकारी माथों पर उनके !
इसके पहले कि हों जाएँ
सड़कें खुद तब्दील सीढ़ियों में
हो गया है ज़रूरी बहुत
खिड़कियों का सड़क हो जाना !

नर भी प्रेम का साक्षी हो सकता है

कुमुद बाला,
हैदराबाद

कभी - कभी कुछ ऐसे मंज़र आते हैं सामने
कि सहसा अपनी आँखों पर विश्वास नहीं होता
नारी हमेशा से अबला की संज्ञा से विभूषित है
और नर पाषाण हृदय के व्यक्तित्व वाला
किंतु कभी - कभी दिल कह उठता है -
नर - नारी के पवित्र प्रेम का साक्षी -
हवन कुंड की अग्नि के साथ
नर भी हो सकता है।
बड़ी बिल्डिंग में काम करने वाला वह मज़दूर
अपनी पत्नी के साथ रोज़ काम पर आता
शनिवार को पैसे लेकर पत्नी संग बैठ
हिसाब - किताब करता
एक दिन जब पूछा तो उसने बताया
-
बच्चे गाँव मे माता - पिता के साथ रहते
और स्कूल जाते हैं
बिटिया भी स्कूल जाती है।
प्रधानमंत्री पेंशन योजना में पति - पत्नी के नाम
वह पैसे भरता है
बिटिया के लिए अलग विशेष एकाउंट है
दोनों बच्चों के लिए भी अलग एकाउंट है
माता - पिता और खेती के लिए भी अलग पैसे भेजता
जो बच जाते उनसे गुजारा करते दोनों
और बेहद खुश रहते
उसके हिसाब - किताब और प्रेम की मिसाल
मिलना मुश्किल है
इसलिए कभी - कभी दिल कह उठता है -
नर - नारी के पवित्र प्रेम का साक्षी -
हवन कुंड की अग्नि के साथ
नर भी हो सकता है।
और वह पानीपुरी वाला
20 वर्षों से बेच रहा है पानीपुरी
पत्नी रहती है प्रयागराज में बच्चों के साथ
पत्नी का एडमिशन पहले करवाया
धीरे - धीरे बच्चे भी स्कूल जाने लगे
प्राइवेट से पत्नी ने ग्रेजुएशन कर लिया
दो साल की कड़ी मिहनत के बाद
पत्नी आई ए एस हो गयी
खुशी - खुशी वह घर गया
पत्नी उसे लेकर ऑफिस गयी और
आरती कर अपनी कुर्सी पर बिठाया
क्योंकि असली हक़दार तो वह पानीपुरी वाला था
इसलिए कभी - कभी दिल कह उठता है -
नर - नारी के पवित्र प्रेम का साक्षी -
हवन कुंड की अग्नि के साथ
नर भी हो सकता है।

ख़ुशी.. तुम हो कहाँ?

डॉ. डी. डी.
देसाई

मुश्किलों के पहाड़ हैं मेरे हिस्से,
आँसूओं के दर्या हैं मेरे हिस्से,
सोचा तकलीफ़ों से घिरा हूँ मैं ही
जब नजरें दौड़ाई दूर तलक,
तो ये मेरा वहम निकला.....।
पढ़ने – लिखने वाले नन्हे सिपाही..
बस्ते के बोझ तले दबे हैं।
सूट बूट मे घूमते कॉलेज के लाल,
दिखावटी चोंचलों तले दबे हैं।
सीमा पर तैनात भारत माता के लाल,
साजिशों के अंदेशे तले दबे हैं।
देशसेवा या स्वार्थ का गठबंधन
नेता राजानैतिक हाथकंडों तले दबे हैं।
जो अकेले हैं ओ तानाहाई मे दुखी हैं
जो रिश्ते मे हैं ओ भी दुखी हैं।
जो शादीशुदा हैं उनके हाल से तो,
भगवान भी वाकिफ हैं।
आख़िर हे ख़ुशी.... तुम हो कहाँ..?
किसके आंगन मे सजी बैठी हो?
सडक पर देखा, झोपडियों मे देखा,
महालों मे देखा, घर-घरौंदो मे देखा।
तुम कहीं नहीं दिखी.......
हर कोई किसी न किसी बोझ तले
चाहे अनचाहे दबा बैठा हैं।
सब के सब दुखी हैं...
हे ख़ुशी...आख़िर तुम हो कहाँ ?

मक़सद में....

दर्शन सिंह
हैदराबाद

मैं हस रहा हूँ फ़क़ीर होते हुए भी
वह मुस्करा भी न पाया,अमीर होते हुए
ताउम्र चलते ही रह गया नाक की सीध में
आंखें खोली,शून्य,बेहतरीन कबीर ..हुए
यह भी मेरा,वह भी मेरा,जो दिखे सब मेरा
अर्थी पर पड़ा अकेला, जागीर होते हुए
दशहरा,न जाने कितने पुतले फूंक डाले
रावण पूछ..तुममे..राम,शातिर होते हुए
अपने सपने तुम स्वयं चुनो,और बुन लो
लहरों के विपरीत बहो,प्रचंड समीर.. हुए
तुम विजय गर्जना के नायक,क्या.. लौरी से
सिद्ध इस जीवन के, उड़े चलो छोटी लकीर..
दुनिया बदली जिसने भी,..इंकार मिला
अपमानों का हार मिला,दस्तगीर होते हुए
दिलों में बेताबियाँ लेकर चल रहे तो जिंदा हो
हरेक पल नया समय,देखेंगी..महावीर होते..
घुटनों बल जीने बजाए,खड़ा होकर मरना..
हवा झोंकों जैसा रहना सिखों तनवीर होते..
मक़सद में सच्चाई है तो सीना ठोकर कहो
झुकना होगा दुनिया तुमको बलबीर होते..

मलयज

गीता अग्रवाल
हैदराबाद

दिल करीब मलयज सुगंध
शिवालय एहसास कराती है।
मस्तक पर जब लगाऊं
शीतलता प्रदान कर जाती है।।
काश मलय पर्वत हो आवास,
वृक्ष को देख पाती मैं,
नागों से लिपटे वृक्ष मलयज के दर्शन कर पाती मैं,
विष के संपर्क में आने पर भी जो अपने गुण न छोड़े
काश कुसंगति के असर से कभी भी न भरमाती मैं।
मलयज धूप फैलती जब जब सांस तृप्त हो जाती है।
दिल करीब मलयज सुगंध,शिवालय एहसास कराती है।।
मलयज से जब मूर्ति बनाई कारीगर भी धन्य हुआ,
जब घिसा मलयज लकड़ी को,तन मन सुगंधित हुआ,
मलयज लेप से सुंदर काया,मलयज सा तन प्राप्त हुआ
हवन सामग्री में चढ़कर ,घर में सुख का वास हुआ।
दुनिया सफेद से शिव,विष्णु पूजा,लाल मां पर चढ़ाती है।
दिल करीब मलयज सुगंध,शिवालय एहसास कराती है।
मस्तक पर जब लगाऊं शीतलता प्रदान कर जाती है।।

चाय

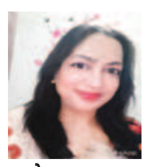

रेणुका अग्रवाल

हुई सुबह,तो नींद खुली,
तब चाय की तलब लगी।
बड़ी शान से बेड टी पीते,
साथसाथ अख़बार भी पढ़ते ।
सर्दी में कड़क चाय। गर्मी में सादी चाय।
सावन में मध्यम चाय। शाम चार बजे दम चाय।
दादी को गिलास भर चाहिये। दादा जी को 3 कप चाहिये।
चाय न हुई अमृत हो गया,जो आया बेवक़्त पी गया।
ये सुबह शाम की चाय। उपवास में बहुत काम आये।
भोजन नहीं करना है तो, चलो फ़िर से चाय पी जाये।
चाय कभी भी पी सकते हो। चाय बिन नहीं जी सकते हो।
सोहनलाल चायमसाला, बेचे शहर में पंसारी वाला।
अदरक पुदीना दाल चीनी। लौंग इलायची भर दिनी।
सोंठ भी चाय में डलती है। तुलसी भी कब रुकती है।
सर दर्द है चाय पिलो। बुख़ार है चाय पिलो।
जी मिचलाया चाय पिलो। भई चाय के संग ही जी लो।
बिस्किट चाय की हमसफ़र है। बिके ट्रेन में डगर डगर है।
चाय वाला,चाय वाला,सुन सुन के अब होती सहर है।
पिताजी चाय भगवान को, रोज़ भोग लगाते,
उसके बाद ही हम सब चाय की,चुसक चुसक चुसकी ले पाते।
पेट दर्द हुआ, चाय में जिंदा तिलिस्मात डालो।
झट से इस दवाई को पी लो। आराम हो गया, स्कूल जाओ।
टीचर को ये नुस्ख़ा बताओ।
चाय को चाय मत कहो। ये सबकी मैय्या हो गई।
इसकी लत जिसे लग चुकी, ये सबकी सैयाँ हो गई।

चक्रधारी

टी तारासिंह
हैदराबाद

ये खेल है चक्रधारी का
सब उसके आदेश से होता
पंछी उडते फल फूल पेड लहराते
चांद सूरज चमकते दिन रात होते
ऋत आती जाती कोयल गीत गाते
कलियां खिलती जीवन में बहार लाती
बादल गरजे बिजुरी चमकती बरसात होती
किसान बिज बोये किसमत आजमाये
भटकेगा मुसाफिर दिनभर रोटी के लिए
इंसान लडेगा जमी के लिए धन के लिए
अपनो से लडेगा अपने हक के लिए लडेगा
जिसके पास पैसा है उसके पास जन्नत है
बिगडते है रिश्ते यहाँ धोखा खाकर
अमीर से गरीब हो जाते धोखा खाकर
जब याद आते उनहे चक्रधारी
हाथ जोड़कर मांगते जिंदगी बहाली का
मांगते रहते मन्नते ही मन्नते।।

"मनुज"

हेमंत सुराना

माना की दिल में नमी नहीं,
जज्बातों की कमी नहीं
सीधे बात बताते नहीं,
खुद के लिए जीते नहीं
हालातों से लड़ते सही,
फिक्र सभी की करते सही
पिता, पति, भाई या बेटा,
हर रूप इन्होंने निभाया सही
टूटते, डूबते, उभरते, बहते,
सुख दुख साथ ही चलते
खुशियाँ कम, अरमान बहुत,
उम्मीद कम, आँसू बहुत
परिवार को आँच आए नहीं,
चिंता में खुद को जगाते सही
बखूबी मजबूरियाँ उठाते सही,
बखूबी ख्वाहिशों को दबाते सही
कहते हुए रुक जाते सही,
दर्द अपने दफनाते सही
बातों में शक्ति, कंधों में मजबूती,
कामयाबी सबसे बाँटते सही
फरिश्ते ने ऐसे इंसान बनाए सही,
फरिश्ते ने ऐसे इंसान बनाए सही ।

टूटा मेरा दिल...

ओमकार सर्डीवाल

अब तेरी छोटी बड़ी लाइने मुझको ना भाए...
हर बात पर दिल फेक आशिक बन्ना मुझे ना भाए,
करें प्यार तू, करें दिलदार तू,
तेरा अब यूं चुपके-चुपके देखना मुझे ना भाए,
अब तेरी छोटी बड़ी लाइने मुझको ना भाए...
बातें बनाए, कसमें खाए,
तेरी बातों में अब मुझको फरेब नजर आए,
नजरे चुराए, पलकें झुकाए,
भीनी सी मुस्कान दे जाए,
अब तेरी छोटी बड़ी लाइने मुझको ना भाए...
आजा देख तू, कितना सच है तू,
आजा देख तू, कितना सच है तू,
सुहाने मौसम में भी अब तू काला चश्मा लगाए,
आंखों से आंखें ना जाने तू अब क्यों ना मिलाए...
अब तेरी बातें मुझको सताए,
झूठे तेरे वादे मुझको रुलाए,
देख-देख-देख क्या हाल कर जाए,
अब तेरी छोटी बड़ी लाइने मुझको ना भाए...
प्यार की बातें तुझ पर अब ना भाए,
यूं देखना मुझको अब प्यार ना हो पाए,
झूठा तेरा प्यार,टूटा मेरा दिल,
बिखरे टुकड़े देख, तेरी हया, मर-मर जाए,
हर बात पर अब दिल फेक आशिक जो बन ना पाए,
अब तेरी छोटी बड़ी लाइने मुझको ना भाए...

बेटियां

गजानन पाण्डेय

घर की आन होती हैं बेटियां
माँ - बाप का अभिमान होती हैं बेटियां
दुख - सुख में साथ निभाती हैं बेटियां
दो कुलों की शान बढाती हैं बेटियां ।
शिक्षा से संस्कार देती हैं बेटियां
त्याग व सेवा का पाठ सिखाती हैं बेटियां
अपनी प्रतिभा से नाम करती हैं बेटियां
देश की आन - बान - शान बढाती हैं बेटियां
वे ख़ुशनसीब हैं जिनके होती हैं बेटियां ।

कोई मुझ-सा चाहे तो बताना

मोनिका राज
माधेपुरा, बिहार

मौन रहकर निभा जाये सभी रिश्तों को
जो मुझ-सा कोई चाहे तुम्हे तो बताना
यूँ तो बातों ही बातों में लोग जान देते होंगे
कोई एक आह पर जान दे दे तो बताना
तेरे संग होने भर से भूल जाऊं ये जहां
जो होगा कोई मुझ-सा दीवाना तो बताना
होंगे गरचे लाखों तेरे चाहने वालों की तादात
पर कोई तुम्हें मुझ-सा चाहे, तो बताना
तेरी मुस्कान पर मर-मिटती होगी यह दुनिया
सब लुटाकर तेरी मुस्कान कोई लाये तो बताना
नहीं दावा है कि मशहूर हैं एक हम ही आशिक़ी में
फिर भी, मुझ-सा कोई आशिक मिले तो बताना
सौदा करके खुद का तेरी खुशियाँ लाये हैं हम
हो यदि कोई मुझ-सा सौदागर तो बताना
तुम्हे पाने कि ख़्वाहिश रखते होंगे लाखों भी
कोई मुझ-सा तुम्हे छू जाये तो बताना
जिस्म के तो क़रीब आ सकता कोई भी
मुझ-सा रूह में उतर आये तो बताना
लाख टूटे हों फिर भी लब से मुस्काना
कोई मुझ-सा तुम्हे चाहे तो बताना

किनारे की चाहत

लवली आनंद,
बिहार

आज मेरे दिल के करीब
मेरे हमनवाब नही, फिर भी मेरे लिए वो
बेहद अज़ीज है, इतने क़रीब है वो मेरे लिए,
जितना कि हम उनके लिए,
अज़ीज....हाँ बेहद अज़ीज...!
मानो जैसे आखो का पलकें झपकना,
मानो जैसे दिल को धड़कना,
हाँ बिल्कुल वैसे ही जैसे मन से गुनगुनाना,
और उनका एहसास
मेरे मन को गुदगुदाना,
पर आज मेरे दिल के करीबी
मेरे हुमनवाब नही, फिर भी मेरे लिए वो
बेहद अजीज है।
वो मेरे लिए इतने अजीज है,
जितना अंबर की बूंदो के लिए
ये प्यासी धरा,जैसे सागर को किनारे की चाहत।।

स्वतंत्र वार्ता
काव्य कुंज ब्लॉग
AGA. Publications. Ltd.
396, Lower Tankbund,
Hyderabad-500080

स्वतंत्र वार्ता साप्ताहिकी
हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम

राजीव गांधी को पीएम नहीं बनने देना चाहता था प्रभाकरण

12 मई 1991 को धनु नाम की एक लड़की ने तमिलनाडु में एक बैठक को संबोधित करने पहुंचे पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के पैर छुए। 9 दिन बाद, यानी 21 मई 1991 को उसी धनु ने तमिलनाडु के ही श्रीपेरंबदूर में देश के एक और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के पैर छुए तो एक बड़ा बम धमाका हुआ, जिसमें राजीव की मौत हो गई। धनु एक मानव बम थी, जिसे लिट्टे ने राजीव की हत्या के लिए चुना था। 11 नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने राजीव गांधी की हत्या के 6 दोषियों को रिहा करने का आदेश दिया। इस मामले के सातवें दोषी पेरारिवलन को सुप्रीम कोर्ट ने इस साल मई में ही रिहा कर दिया था। जानते हैं कि देश के पूर्व पीएम राजीव गांधी की हत्या आखिर कैसे और क्यों हुई?

4 जून 1987 को सुबह के 8 बजे थे। भारतीय वायुसेना के पांच एएन-32 मालवाहक विमानों ने आगरा एयरबेस से बैंगलोर के लिए उड़ान भरी। उनके साथ 6 मिराज-2000 युद्धक विमान भी थे। शाम करीब 3 बजे भारत के विदेश मंत्री नटवर सिंह ने दिल्ली में श्रीलंका के राजदूत को तलब करके चेतावनी दी कि हमारे विमान शाम 4 बजे जाफना के लोगों के लिए खाने-पीने के सामान के साथ कपड़े, टेंट और दवाएं गिराएंगे। अगर श्रीलंकाई सेना ने इन्हें रोकने की कोशिश की तो हम पूरी ताकत से जवाब देंगे। एएन-32 तब भारत के सबसे बड़े मालवाहक विमान थे और मिराज सबसे ताकतवर हवाई लड़ाके। इसके बाद तय वक्त पर पांचों एएन-32 ने घूम-घूमकर जाफना पर राहत सामग्री गिराई और श्रीलंकाई सेना चुपचाप बैठी रही। यह वही समय था जब पाकिस्तान, सिंगापुर और दक्षिण अफ्रीका से मिले हथियारों के बूते ताकतवर हुई श्रीलंकाई सेना ने अल्पसंख्यक तमिलों के गढ़ जाफना को घेर लिया था। सिंघली भाषा बोलने वाले बहुसंख्यकों के अत्याचारों से परेशान होकर तमिलों ने हथियार उठा रखे थे। वे अलग देश की मांग कर रहे थे और उनकी अगुआई कर रहे थे लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी लिट्टे के लड़ाके। प्रभाकरण लिट्टे का ताकतवर नेता था।

तब के भारत के प्रधानमंत्री राजीव गांधी के इस एक्शन से डरे श्रीलंका के राष्ट्रपति जेआर जयवर्धने ने कूटनीति का एक जाल फेंका और 29 जुलाई 1987 को श्रीलंका में शांति लाने के नाम पर भारत-श्रीलंका के बीच एक समझौता किया। समझौते के तहत भारतीय सेना को दोनों पक्षों के बीच शांति बनाए रखने और तमिल गुटों से हथियार डलवाने थे, लेकिन लिट्टे इसके लिए राजी नहीं हुआ। धीरे-धीरे श्रीलंकाई सेना और लिट्टे के बीच की ये जंग भारतीय सेना और लिट्टे के बीच की जंग में बदल गई। सैकड़ों भारतीय जवान शहीद हुए और सैकड़ों घायल हो गए।

राजीव की सत्ता में वापसी की आहट से डर गई थी लिट्टे

इधर, बोफोर्स घोटाले की छाया में हुए 1989 के आम चुनावों में कांग्रेस हार गई और राजीव गांधी सत्ता से बाहर हो गए। बीजेपी के समर्थन से जनता दल पार्टी की सरकार बनी और वीपी सिंह प्रधानमंत्री बन गए। 1990 में वीपी सिंह ने श्रीलंका से शांति सेना वापस बुला ली। अक्टूबर 1990 में अयोध्या के करीब कारसेवकों पर गोलीबारी किए जाने के विरोध में बीजेपी ने वीपी सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद कांग्रेस के समर्थन से चंद्रशेखर प्रधानमंत्री बने, लेकिन चंद्रशेखर की सरकार अल्पमत की थी, इसलिए मई 1991 तक देश में आम चुनावों की आहट आने लगी। उस समय माना जा रहा था कि राजीव गांधी का सत्ता में आना तय है। इसी आहट ने लिट्टे के नेता प्रभाकरण को डरा दिया। उसे लगा कि राजीव की वापसी, श्रीलंका में भारतीय सेना की वापसी होगी।

राजीव की हत्या के लिए लिट्टे का 'ऑपरेशन वेडिंग'

राजीव के हत्या को लिट्टे ने 'ऑपरेशन वेडिंग' नाम दिया था। लिट्टे प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण ने नवंबर 1990 में राजीव की हत्या की योजना बनाई।

'नेशनल फ्रंट सरकार (वीपी सिंह सरकार) गिरने से पहले ही लिट्टे ने ये मन बना लिया था कि राजीव को सत्ता में लौटने से रोकना है भले ही इसके लिए उनकी हत्या ही करनी पड़े।' लिट्टे ने महसूस किया कि पीएम बन जाने पर राजीव को टारगेट बना पाना असंभव होगा, इसलिए उन्हें तब निशाना बनाया जाए जब उनकी सुरक्षा की स्थिति विपक्ष के नेता की थी और चुनाव प्रचार से उन पर हमला आसान हो गया था।'

...21 मई 1991 यानी राजीव की हत्या का दिन राजीव गांधी की हत्या करने वाली लिट्टे की आत्मघाती हमलावर धनु नाम की महिला थी। राजीव को मारने से पहले धनु ने दो बार इसका ड्राई रन, यानी रिहर्सल किया था। पहली बार उसने दिवंगत नेता जयललिता की एक रैली में इसकी प्रैक्टिस की।

दूसरा रिहर्सल उसने राजीव की हत्या से ठीक 9 दिन पहले तमिलनाडु में ही पूर्व पीएम वीपी सिंह और डीएमके नेता करुणानिधि की एक रैली के दौरान किया था। धनु ने इस रैली में पहुंचकर वीपी सिंह के पैर छुए थे। धनु रिहर्सल से ये देखना चाहती थी कि क्या बड़े नेता के मंच के पास, यानी हाई सिक्योरिटी वाले डी एरिया में उनके पैर छुए जा सकते हैं। पैर छूने के दौरान नेता को माला पहनाने और इसी दौरान बम का बटन दबाकर धमाका करने की योजना थी।

21 मई 1991 को रात के करीब 10 बजे राजीव गांधी तमिलनाडु की राजधानी मद्रास (अब चेन्नई) से 40 किलोमीटर दूर स्थित श्रीपेरंबदूर में एक रैली को संबोधित करने पहुंचे। रैली में महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग गैलरियां थीं। राजीव पहले पुरुषों की गैलरी की ओर गए और फिर महिलाओं की गैलरी की तरफ बढ़े।

'तमिलनाडु पुलिस की महिला दरोगा अनुसुइया को 21 मई को श्रीपेरंबदूर में राजीव की रैली में उनके मंच के सामने यानी D एरिया की सुरक्षा की जिम्मेदारी मिली थी। वहां वीआईपी पास लिए कुछ लोग खड़े थे। वहां ढीला-ढाला सलवार सूट पहने, बड़ा सा चश्मा लगाए और हाथों में चंदन की माला लिए खड़ी एक लड़की को देखकर अनुसुइया को अजीब लगा तो उन्होंने राजीव के आने से पहले उसे भीड़ में पीछे की ओर धकेल दिया। राजीव के आने पर वो लड़की फिर से आगे आ गई। अनुसुइया ने उस लड़की का हाथ पकड़ लिया, लेकिन तभी राजीव गांधी की आवाज आई, 'चिंता मत कीजिए, सबको आने दीजिए' और अनुसुइया के हाथों की पकड़ ढीली पड़ गई।' कुछ ही देर बाद वो लड़की राजीव के पास पहुंची और उन्हें चंदन की माला पहनाई और उनके पैर छूने के लिए झुकी और इसी दौरान अपने कपड़ों के अंदर पहनी हुई बम वाली बेल्ट का बटन दबा दिया और तेज धमाके के साथ चारों तरफ खून बिखर गया। वो लड़की लिट्टे की मानव बम धनु थी और उसने राजीव के पास पहुंचकर खुद को बम से उड़ा लिया था। इस धमाके में राजीव और मानव बम धनु समेत 14 लोगों की मौत हो गई। राजीव 1984 में 40 साल की उम्र में देश के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने थे। राजीव देश के ऐसे दूसरे प्रधानमंत्री थे, जिनकी हत्या हुई थी। इससे पहले 1984 में उनकी मां इंदिरा गांधी की पीएम पद पर रहने के दौरान उनके ही बॉडीगार्ड्स ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

कौन थे राजीव गांधी के हत्यारे?

राजीव की हत्या करने वाले लिट्टे के कोर ग्रुप में आठ कोर मेंबर थे। इनके साथ एक फोटोग्राफर भी था। आठ लोगों के कोर ग्रुप में मानव बम धनु, शिवारसन, मुरुगन, अरिवु, शुभा और तीन स्थानीय लोग भाग्यनाथन, नलिनी और पद्मा शामिल थीं। घटनास्थल पर पांच लोग मौजूद थे-धनु, शिवारसन, नलिनी, शुभा और एक फोटोग्राफर हरिबाबू। हरिबाबू धमाके के समय तस्वीरें खींच रहा था और धमाके में धनु के साथ मारा गया था, बाकी तीन लोग वहां से भाग निकले थे। घटनास्थल पर मौजूद लोगों में से केवल नलिनी ही जिंदा पकड़ी गई। बाकी के लोगों ने आत्महत्या कर ली थी। शिवारसन ने खुद को गोली मार ली थी, जबकि बाकियों ने सुरक्षा एजेंसियों के उन तक पहुंचने से पहले ही साइनाइड चाटकर सुइसाइड कर लिया था।

फोटोग्राफर हरिबाबू की धमाके में मौत हो गई थी, लेकिन उसके खींचे फोटोग्राफ 24 मई 1997 को मामले की जांच के लिए गठित एसआईटी के लिए अहम सबूत साबित हुए। हरिबाबू ने राजीव की हत्या से ठीक पहले तक इस साजिश में शामिल शिवारसन और मानव बम धनु की हर गतिविधियों की तस्वीरें खींची थीं।

26 दोषियों को सजा और फिर रिहाई

इस मामले में 1998 में चेन्नई की एक कोर्ट ने 26 लोगों को मौत की सजा सुनाई। 1999 में सुप्रीम कोर्ट ने 26 में से 19 लोगों को रिहा कर दिया। कोर्ट ने तीन लोगों- जय कुमार, रॉबर्ट पायस और रविचंद्रन की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला और चार लोगों नलिनी, उसके पति मुरुगन, संथान और एजी पेरारिवलन की मौत की सजा बरकरार रखी गई।

2000 में सोनिया गांधी और तमिलनाडु सरकार की अपील पर राज्यपाल ने नलिनी की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया था। 2014 में सुप्रीम कोर्ट ने बाकी तीन दोषियों-मुरुगन, संथान और एजी पेरारिवलन की मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदल दिया। 2006 में पेरारिवलन ने अपनी आत्मकथा 'एन अपील फ्रॉम द डेथ रो' में दावा किया कि उस पर दबाव डालकर झूठा बयान दिलवाया गया था।

2013 में सामने आया कि जिस बयान की वजह से पेरारिवलन को सजा हुई, वो झूठा था। पेरारिवलन का बयान लेने वाले सीबीआई के पूर्व इंवेस्टिगेशन एसपी वी त्यागराजन ने 2013 में एक इंटरव्यू में कहा कि पेरारिवलन ने ये कभी नहीं कहा था कि वह ये जानता था कि उसने जो बैटरी खरीदी थी उसका इस्तेमाल राजीव को मारने के लिए बनाए जाने वाले बम में किया जाएगा। त्यागराजन ने माना था कि उन्होंने पेरारिवलन का बयान बदल दिया था। 18 मई 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने पेरारिवलन की रिहाई का आदेश दिया था। अब 11 नवंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में 30 साल से ज्यादा सजा काट चुके छह अन्य दोषियों नलिनी, संथान, मुरुगन, रॉबर्ट पायस, जयकुमार और आरपी रविचंद्रन को भी रिहा कर दिया है।

राजीव की हत्या के सात दोषी: किसने क्या किया था?

नलिनी मुरुगन

चेन्नई की रहने वाली नलिनी ग्रैजुएट थी। राजीव गांधी की हत्या के सातों दोषियों में से केवल वही हत्या के समय घटनास्थल पर मौजूद थी।

नलिनी राजीव की हत्या से ठीक पहले मानव बम धनु के साथ मौजूद थी।

1999 में सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा बरकरार रखी। 2000 में तमिलनाडु के राज्यपाल ने फांसी की सजा उम्रकैद में बदली। नवंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने रिहा किया।

मुरुगन

मुरुगन नलिनी का पति है। ये कई श्रीलंकाई युवकों के साथ भागकर चेन्नई पहुंचा था।

ये नलिनी के भाई का दोस्त था और उसके घर पर कुछ दिन रहा था। नलिनी पहली बार मरुगन से शिवारसन के जरिए मिली थी।

सुप्रीम कोर्ट ने 1999 में मौत की सजा बरकरार रखी, 2014 में आजीवन कारावास में बदला, 2022 में रिहा किया।

आरपी रविचंद्रन

एक भारतीय नागरिक जोकि 1980 के दशक से ही LTTE से करीबी संबंध थे। रविचंद्रन पर आरोप था कि वह कई बार समुद्री रास्ते के जरिए श्रीलंका गया था।

1999 में उसकी मौत की सजा को सुप्रीम कोर्ट ने आजीवन कारावास में बदला, नवंबर 2022 में रिहा किया।

संथान

एक श्रीलंकाई नागरिक था। संथान 1991 में राजीव गांधी की हत्या की साजिश की अगुआई करने वाले शिवारसन के साथ गृह युद्ध झेल रहे श्रीलंका से भागकर भारत आ गया था।

सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक हत्या में संथान की डायरेक्ट और सक्रिय भूमिका थी।

2014 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला और नवंबर 2022 में किया रिहा।

रॉबर्ट पायस

एक और श्रीलंकाई नागरिक 1990 में अपनी पत्नी और बहन के साथ भारत आया था। उसके LTTE के साथ संबंध थे। माना जाता है कि पायस के शिवारसन से करीबी लिंक थे।

कोर्ट ने साजिश में उसकी भूमिका मानी थी। 1999 में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला, नवंबर 2022 में किया रिहा।

जय कुमार

ये रॉबर्ट पायस का रिश्तेदार था और उसके साथ ही भारत पहुंचा था। इस पर हत्या की साजिश में गंभीर रुप से शामिल होने के आरोप थे। इसके भी शिवारसन के साथ करीबी संबंध थे।

1999 में सुप्रीम कोर्ट ने इसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला और नवंबर 2022 में रिहा किया।

पेरारिवलन

जून 1991 में 19 साल की उम्र में अरेस्ट हुआ था। इसके ऊपर शिवारसन के लिए बम में लगने वाली बैटरी खरीदने के आरोप थे।

इसने दावा किया था कि उसे नहीं पता था कि बैटरी क्यों खरीदी गई थी

सुप्रीम कोर्ट ने 2014 में इसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला, मई 2022 में रिहा किया।

सानिया और शोएब में ज्यादा अमीर कौन?

भारतीय महिला टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा और उनके पाकिस्तानी क्रिकेटर पति शोएब मलिक इन दिनों चर्चा में हैं। सानिया मिर्जा और शोएब मलिक की शादी टूटने की चर्चा सुर्खियों में है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सानिया मिर्जा शोएब मलिक से अलग रह रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह भी कहा जा रहा है कि सानिया और शोएब के बीच तलाक हो चुका है। हालांकि सानिया मिर्जा और शोएब मलिक की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। सानिया और शोएब के अलगाव की बात कितनी सही है, इसका पता तो आधिकारिक घोषणा से ही हो पाएगा। लेकिन ये दोनों खिलाड़ी अपने देश समेत दुनियाभर में मशहूर हैं। दोनों ही अपने अपने देश के दिग्गज खिलाड़ी हैं। शोएब मलिक करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं लेकिन सानिया मिर्जा भी कमाई के मामले में पीछे नहीं हैं। शोएब मलिक और सानिया मिर्जा की कुल संपत्ति, घर , गाड़ी और कमाई कितनी है इस बारे में जानें सबकुछ।

सानिया मिर्जा की कमाई

भारतीय टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा महज टेनिस खेलकर मोटी कमाई कर लेती हैं। सानिया मिर्जा सालाना करोड़ों कमा लेती हैं। सानिया मिर्जा की सालाना अनुमानित आय करीब तीन करोड़ रुपये है। खेल के अलावा सानिया कई ब्रांड एंडोर्समेंट के जरिए भी कमाई करती हैं। वह ब्रांड एंडोर्समेंट के लिए 25 करोड़ रुपये चार्ज करती हैं। वहीं कई सारे टाप ब्रांड्स से भी जुड़ी हुई हैं। सानिया का खुद का एक टेनिस अकादमी भी है।

सानिया मिर्जा का आलीशान घर

टेनिस खिलाड़ी सानिया मिर्जा हैदराबाद की रहने वाली हैं। उनका हैदराबाद में आलीशान घर है। इसके अलावा दुबई में भी उनका घर है। सानिया के हैदराबाद वाले घर की कीमत लगभग 13 करोड़ रुपये बताई जाती है। इस समय सानिया दुबई स्थित अपने घर पर रह रही हैं।

सानिया मिर्जा का कार कलेक्शन

खिलाड़ियों को लग्जरी गाड़ियों का बहुत शौक होता है। सानिया के पास भी करोड़ों की गाड़ियां हैं। सानिया के कार कलेक्शन में रेंज रोवर, मर्सिडीज बेंज, ऑडी, बीएमडब्ल्यू सीरीज की गाड़ियां शामिल हैं।

सानिया मिर्जा की नेट वर्थ

भारत के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ियों में शामिल सानिया मिर्जा की कुल संपत्ति की बात करें, तो वह करीब 25 मिलियन डॉलर यानी लगभग 200 करोड़ की संपत्ति की मालकिन हैं।

शोएब मलिक की कुल संपत्ति

सानिया मिर्जा की तरह ही उनके पति शोएब मलिक भी पाकिस्तान के टॉप खिलाड़ियों में शामिल हैं। शोएब मलिक की दौलत भी सानिया मिर्जा के लगभग बराबर ही है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शोएब की नेटवर्थ 28 मिलियन डॉलर यानी करीब 228 करोड़ रुपये बताई जाती है। उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा खेल से आता है। साथ ही ब्रांड एंडोर्समेंट से भी शोएब कमाई कर लेते हैं।

बहुत कठिन है डगर शिक्षा की

भारत के पहले शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम गुलाम मुहियुद्दीन, जो मौलाना अबुल कलाम आजाद के नाम से ख्यात हैं, की स्मृति में तत्कालीन 'मानव संसाधन विकास' मंत्रालय ने 2008 से प्रत्येक वर्ष इनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। शिक्षा के संस्थानीकरण के प्रयासों में तमाम विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों और स्कूलों की स्थापना में उनके योगदान और समर्थन को रेखांकित करने के साथ ही उनके धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी चिंतन से प्रभावित शिक्षा दर्शन और शिक्षा समाजशास्त्र को भी नए सिरे से पढ़े जाने की आवश्यकता है।

भारत के पहले शिक्षा मंत्री होने के नाते आजाद से अपेक्षित था कि वे इस बात की विवेचना और नेतृत्व करते कि एक शिक्षित भारतीय नागरिक कैसा होगा और उसकी क्या चारित्रिक संकल्पनाएं होंगी? औपनिवेशिक शिक्षा के माडल से लदी भारतीय शिक्षा-व्यवस्था का भारतीयकरण कैसा होगा और दुनियावी दौड़ में बने रहने के लिए कितना भारतीय और कितना आधुनिक बने रहने की संभावना है। नए-नए आजाद हुए भारत की संकल्पना में उस राष्ट्रवादी भारतीय को गढ़े जाने की जटिलता भी थी, जो बतौर नागरिक माटी और मनुजता से जुड़ा हो। नए भारत को दुनिया के शीर्ष पर लाने की कवायद में विज्ञान और विज्ञानजनित पद्धति के सहारे ही तमाम रोगों का रामबाण या नमक सुलेमानी बनाना भी मौलाना आजाद की ही जिम्मेदारी थी।

यह सवाल हर समय में बना रहता है कि कालजयी और पारंपरिक ज्ञान या आधुनिक ज्ञान के बीच क्या पढ़ाया जाए, जो मनुष्य को मनुज होने का भाव दे। ऐसी कौन-सी शिक्षा हो, जो अपने धर्म के प्रति आस्था के साथ-साथ दूसरे के धर्म के प्रति सम्मान भी सिखाए। ऐसा कौन-सा पाठ्यक्रम हो, जो जातीय गौरव बनाम जातीय अभिशाप के बीच मानवता को तिरोहित न करता हो। ऐसी कौन-सी शिक्षा-व्यवस्था हो, जो वर्गीय, वर्णीय, लैंगिक, भाषाई, प्रांतीय, राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय विभेदों को चिह्नित करने का दृष्टिकोण देते हुए उन्हें मिटा न पाने की अवस्था में कम से कम उन्हें भोथरा करने का सजग प्रयास तो करे।

भारतीय समाज के नए राष्ट्रीय स्वरूप में किस तरह के स्कूल, कालेज या विश्वविद्यालय खोले जाएं, जो उत्कृष्ट ज्ञान को सर्वसुलभ बनाएं। सौ फीसद नामांकन हासिल करने और शिक्षा गुणवत्ता की चुनौती आजाद के लिए भी उतनी ही विकट थी, जितनी आज आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के क्रम में वर्तमान शिक्षा मंत्री के समक्ष है। अल्पसंख्यकों, दलितों और लड़कियों की शिक्षा के लिए आवश्यक प्रयासों के प्रभावकारी सुझावों की लंबी सूची तमाम शिक्षा आयोगों द्वारा दिए जाने और उन पर आधे-अधूरे अमल किए जाने से इसकी दशा और दिशा बहुत उत्साहवर्द्धक नहीं है। नए आर्थिक उदारवाद के सघन संक्रमण और राजनीतिक अर्थशास्त्र की इच्छाशक्ति की कमी के बाद सबसे ज्यादा संकट हाशिये के लोगों की शिक्षा पर ही आ रहा है।

इसी तरह स्कूली अध्यापकों से लेकर विश्वविद्यालय स्तर के अध्यापकों तक को 'सरकारी कर्मचारी' मानने, उनके वेतनमान और तमाम अन्य सुविधाओं को लेकर जद्दोजहद औपनिवेशिक शिक्षा के युग में ही शुरू हो गई थी। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में ही लगभग अठारह हजार पदों में से छह हजार पद रिक्त हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष विश्वविद्यालय में कुल अध्यापकों में साठ फीसद तदर्थ अध्यापक हैं।

यह स्थिति देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों की है। स्कूली स्तर पर यह और भी भयावह है, जहां सरकारी आंकड़ों के अनुसार देश की राजधानी में चौंसठ हजार पदों में से पैंतीस हजार ही नियमित रूप से नियुक्त अध्यापक हैं। बाईस हजार अतिथि अध्यापकों के साथ भी आवश्यक कुल संख्या के दस फीसद अध्यापक कम ही रह जाते हैं। अतिथि और तदर्थ अध्यापक, पैरा टीचर और शिक्षा मित्र, जैसे शब्द अपने आप में अध्यापक, अध्यापन, ज्ञान निर्मिति और हमारे विश्व गुरु बनने की संकल्पना और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनने की चेष्टा पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। इस प्रकार बिना 'सरकारी कर्मचारी' माने अध्यापकों को राजकीय वेतन और प्रोत्साहन दिया जाना असंभव-सा प्रतीत होता है। इसी विमर्श की चिंता में अध्यापक के मूक तानाशाह बन जाने को कृष्ण कुमार शिक्षा में औपनिवेशिक देन कहते हैं। शिक्षा विमर्श में आज के दिन हमें इस सबसे प्रमुख कड़ी के बारे में सोचने की आवश्यकता है। प्रत्येक शिक्षा-व्यवस्था अपनी वैधता, मूल्यांकन करने की क्षमता और योग्यता को चिह्नित करने की क्षमता से प्राप्त करती है। इस व्यवस्था में जांचने से अधिक छांटने पर अधिक बल दिया जाना सहज है। नई राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसियों की स्थापना और तीसरी कक्षा में ही बोर्ड की परीक्षा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का सुझाव इंगित करती है। शिक्षा संबंधी तमाम चिंताओं में सबसे महत्त्वपूर्ण चिंता है राज्य द्वारा शिक्षा के लिए वित्तीय आबंटन और शिक्षा के मद में 'खर्च' की। शिक्षा के समवर्ती सूची में होने की अवस्था में शिक्षा पर खर्च का फुटबाल मैच केंद्र और राज्यों के बीच निरंतर एक नया प्रहसन उत्पन्न करता है। राष्ट्रीय बजट में लगातार शिक्षा के प्रति वित्तीय आबंटन में आ रही गिरावट शिक्षा के प्रति राज्य के सरोकार को रेखांकित करती है।

वर्ष 2021-22 का बजटीय प्रावधान पिछले वर्ष के मुकाबले छह फीसद की कटौती करता है और इस साल के जीडीपी का पौने तीन फीसद शिक्षा पर खर्च करने की योजना प्रस्तुत करता है। वित्तवर्ष 2021-22 में शिक्षा का कुल बजट लगभग 93,224 करोड़ है, जो कुल बजट का लगभग पौने तीन फीसद है। इस बजट में उच्चतर शिक्षा विभाग को 38350 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जो कुल शिक्षा बजट का लगभग इकतालीस फीसद है। हालांकि वित्तवर्ष 2020-21 में शिक्षा का कुल बजट 99311 करोड़ रुपए था, जिसमें उच्चतर शिक्षा विभाग का बजट 39466 करोड़ रुपए था।

इस प्रकार तुलनात्मक रूप से देखें तो शिक्षा बजट में लगभग साढ़े छह फीसद (6,087 करोड़ रुपए) और उच्चतर शिक्षा में लगभग पौने तीन फीसद (1115 करोड़ रुपए) की कमी की गई है। इसलिए मानव को संसाधन मान कर उसके विकास में होने वाले खर्च को 'निवेश' मानने वाला मानव संसाधन विकास मंत्रालय और शिक्षा को संसाधन से अधिक मान मानवीय गुणों को परिष्कृत मानने वाला शिक्षा मंत्रालय दोनों ही शिक्षा के प्रति वित्तीय आबंटन को लेकर वित्त मंत्रालय की कृपा दृष्टि नहीं ले पा रहे हैं।

शिक्षा के प्रति कृपा कहां अटकी हुई है, इसकी पड़ताल में रोजाना एक नया दस्तावेज जारी हो रहा है, पर शोध और शिक्षा पर वित्तीय कृपा न मौलाना आजाद के समय में हुई और न आज हो पा रही है। सकल घरेलू उत्पाद का छह फीसद शिक्षा पर खर्च हो, ऐसा सुझाव कोठारी आयोग ने सन 1966 में दिया था। 2011-12 के वित्तीय बजट में सर्वाधिक ऊंचाई चार फीसद हासिल करने के बाद इसमें लगातार हुई गिरावट इसे पौने तीन फीसद के आसपास ले आई है।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने के क्रम में मौलाना आजाद के चित्र के सामने द्वीप प्रज्वलन और रस्मी जलपान के बाद नामांकन, पाठ्यक्रम, मूल्यांकन, अध्यापक प्रशिक्षण और शिक्षा को वित्तीय आबंटन की चिंता का राष्ट्रीय विमर्श जनित हो, ऐसा प्रयास तमाम शिक्षा संस्थानों और शिक्षाविदों से अपेक्षित है, अन्यथा मौलाना अबुल कलाम आजाद की मृत्यु की खबर के साथ ही यह छपना कि इससे कैबिनेट में एक जगह खाली हो गई और जिसके लिए तमाम नेताओं ने आपसी होड़ शुरू कर दी है, मौलाना आजाद के अवदान के साथ-साथ शिक्षा और शिक्षा-व्यवस्था के प्रति हमारी तात्कालिक और समकालिक चिंता को रेखांकित करता है।

पूजा-पाठ के साथ सेहत का ध्यान रखने का समय

अगहन मास में बढ़ने लगती है ठंड, रोज सुबह करें मेडिटेशन और खान-पान का रखें ध्यान

हिन्दी पंचांग का नवां महीना अगहन चल रहा है। इस महीने से शीत ऋतु यानी ठंड बढ़ने लगती है। मौसम परिवर्तन का समय है, ऐसे में खान-पान और अन्य कार्यों में सावधानी रखनी जरूरी है, वर्ना स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें हो सकती हैं। ये महीना धर्म-कर्म के साथ ही सेहत के लिए भी बहुत खास है। अगहन यानी मार्गशीर्ष मास में श्रीकृष्ण की पूजा खासतौर पर की जाती है, क्योंकि श्रीकृष्ण ने खुद भागवत कथा में इस माह को खुद का स्वरूप बताया है। इस महीने में मथुरा, गोकुल, वृंदावन, गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करने का विशेष महत्व है।

रोज सुबह जल्दी उठें और मेडिटेशन करें

अगहन महीने में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए और मेडिटेशन भी जरूर करें। इसके लिए शांत और पवित्र जगह का चयन करें। आसन बिछाकर बैठ जाएं और आंखें बंद करके अपने इष्टेदव का ध्यान करें। ध्यान करने से मन शांत होता है और नकारात्मक विचार खत्म होते हैं। इसके साथ ही खान-पान के संबंध में भी सतर्क रहें। संतुलित आहार लें और ऐसी चीजों से बचें, जिन्हें पचाने में अधिक समय लगता है।

रोज चढ़ाएं सूर्य को जल

अगहन मास में सूर्य पूजा करने का विशेष महत्व है। रोज सुबह सूर्योदय से पहले उठ जाना चाहिए और स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाना चाहिए। इस काम से धर्म लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं। सूर्य को जल चढ़ाने से मन शांत होता है, आलस्य दूर होता है, आंखों की रोशनी बढ़ती है। इस समय में सूर्य से मिलने वाली धूप सेहत के लिए फायदेमंद होती है।

भविष्य पुराण में श्रीकृष्ण ने सांब को बताया है सूर्य पूजा का महत्व

भविष्य पुराण के ब्राह्म पर्व में श्रीकृष्ण अपने पुत्र सांब को सूर्य पूजा का महत्व बता रहे हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं कि सूर्य एकमात्र प्रत्यक्ष देवता हैं। जो व्यक्ति श्रद्धा-भक्ति के साथ सूर्य पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सूर्य की पूजा के प्रभाव से ही मुझे भी दिव्य ज्ञान की प्राप्ति हुई है।

ये है सूर्य को जल चढ़ाने की सरल विधि

तांबे के लोटे में जल भरें। जल में चावल, फूल डालकर सूर्य को अर्घ्य अर्पित करें। जल अर्पित करते समय सूर्य मंत्र का जप करें। सूर्य देव के मंत्र ऊँ सूर्याय नमः का जप करें।

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में बुढ़िया माई मंदिर और तरकुलहा देवी मंदिर दोनों ही बहुत लोकप्रिय मंदिर है, इन दोनों मंदिरों में दूर दराज से श्रद्धालु बड़ी संख्या में श्रद्धा और प्रेम भाव के साथ देवी और माता के दर्शन के लिए आते है।

: तरकुलहा देवी मंदिर एक तो डुमरी रियासत के बाबू बंधू सिंह की वजह से भी काफी लोकप्रिय है।

: दूसरा कारण नदी के तट पर बहुत अधिक तरकुल (ताड़) के पेड़ का होना हैं, जो मंदिर की सुन्दरता को और अधिक निखार देते हैं। तो चलिए जानते हैं गोरखपुर स्थित तरकुलहा **देवी मंदिर की कहानी...**

काफी समय पहले से तरकुलहा देवी मंदिर के आसपास जंगल हुआ करता था, जहां पर गुलामी के दौर में डुमरी रियासत के बाबू बंधू सिंह रहा करते थे। वे नदी के किनारे पर तरकुल (ताड़) के पेड़ के नीचे पिंडियां स्थापित कर देवी की उपासना करते थे। तरकुलहा देवी बाबू बंधू सिंह कि इष्ट देवी थी। कहा जाता है बाबू बंधू गुरिल्ला लड़ाई में बहुत अच्छे थे, और जब कभी अंग्रेज इस जंगल से गुजरते थे ऐसे में बाबू बंधू उन्हें मार देते थे और अंग्रेजों के सिर को काटकर तरकुलहा देवी के चरण में समर्पित कर देते थे।

बाबू बंधू सिंह गिरफ्तारी : लेकिन कामयाब न हुए अंग्रेज

बाबू बंधू सिंह द्वारा लगातार अंग्रेजों के सिर को काटकर चढ़ाने की वजह से अंग्रेजों ने उन्हें एक दिन गिरफ्तार कर लिया था, फिर अदालत में उनकी पेशी हुई। जिसमें उनको फांसी की सजा सुनाई गई, इसके बाद 12 अगस्त 1857 को गोरखपुर के अली नगर चौराहे पर सभी लोगों के सामने बाबू बंधू जी को अंग्रेजी हुकूमत ने फांसी पर लटका देने का आदेश दे दिया, लेकिन अंग्रेज कामयाब न हुए।

देवी मां का चमत्कार

दरअसल बंधू देवी मां के भक्त थे और देवी मां के चमत्कार की वजह से ही उन्हें 7 बार फांसी देने के बावजूद अंग्रेज कामयाब न हो सके। इसके बाद बाबू बंधू सिंह देवी मां से खुद मन्नत मांगी देवी मां मुझे जाने दें। तब कहीं जाकर देवी मां ने उनकी प्रार्थना स्वीकार किया और 7वीं बार जो फांसी दी गई उसमें अंग्रेजो को कामयाबी प्राप्त हुई।

तरकुलहा देवी मंदिर गोरखपुर-

: गोरखपुर का तरकुलहा देवी मंदिर एकमात्र ऐसा मंदिर है, जहां पर प्रसाद के रूप में मटन दिया जाता है।

: गोरखपुर के तरकुलहा देवी मन्दिर में बाबू बंधू सिंह ने अंग्रेज के सिर से बलि की परम्परा चालू की थी।

: आज भी यह परम्परा तरकुलहा देवी मंदिर गोरखपुर में निभाया जा रहा है।

: अब यहां इंसान की सिर जगह बकरे के सिर की बलि चढ़ाई जाती है।

: यहां मांस को मिटटी के बर्तन में पकाया जाता है।

: प्रसाद के रूप में मिटटी के बर्तन को दिया जाता है, यह परम्परा वर्षों से चली आ रही है।

जीवन में अपना ली चाणक्य की ये नीतियां तो नहीं होंगे कभी असफल

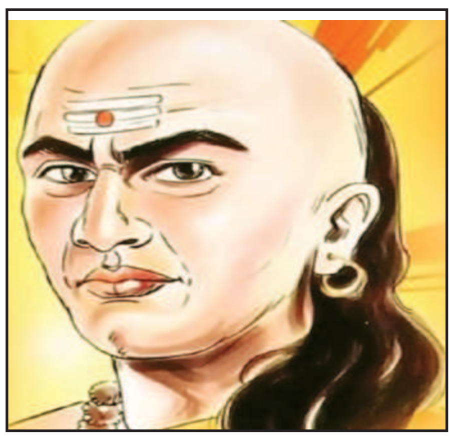

चाणक्य ने अपनी नीतियों में मानव जीवन को लेकर कई तरह की बातें बताई हैं। उनकी नीतियों पर आधारित शास्त्र को चाणक्य नीति कहा जाता है। चाणक्य नीति पुराने समय में जितनी सफल थीं। वर्तमान में भी उतनी ही कारगर हैं। उनकी नीतियों का अनुसरण कर कई लोगों ने सफलता हासिल की है। आज भी चाणक्य की कुछ ऐसी ही नीतियों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अपनाकर गरीब से गरीब व्यक्ति भी अमीर बन सकता है।

ज्ञान- चाणक्य अपनी नीतियों में कहते हैं कि इंसान का सबसे बड़ा दुश्मन उसका अज्ञान होता है। ऐसे में सबसे पहले इस अज्ञान का नाश करना चाहिए और जीवन में ज्ञान का दीपक जलाना चाहिए। ज्ञान हर दुख व कष्ट को दूर करने में सहायक होता है। इससे सफलता की नई राह मिलती है।

दान-चाणक्य नीति के अनुसार, आपकी आमदनी कितनी भी हो, उसमे से कुछ न कुछ हिस्सा दान और पुण्य कार्यों में लगाना चाहिए। ऐसा करने से दरिद्रता का नाश होता है और इंसान सफलता की सीढ़ी चढ़ने लगता है।

धर्म ग्रंथ- आचार्य चाणक्य के अनुसार, पौराणिक काल से इंसान के पास कई धर्म ग्रंथ मौजूद हैं। इनमें ज्ञान से लेकर मनुष्य जीवन के कष्टों को दूर करने के कई तरह की बातें लिखी गई हैं। ऐसे में धर्म ग्रंथ अवश्य पढ़ने चाहिए। इनमें दी गई बातों से विचार शुद्ध होते हैं, साथ ही जीवन में चल रहे दुखों का अंत करने में काफी हद तक सहायक साबित होते हैं।

ईमानदारी-चाणक्य नीति के अनुसार, समय या परिस्थिति कैसी भी हो, इंसान को हमेशा ईमानदारी के रास्ते पर चलना चाहिए। जो व्यक्ति ईमानदारी से अपना काम करते हैं और किसी को धोखा नहीं देते, मां लक्ष्मी उनसे प्रसन्न होती हैं और हमेशा अपनी कृपा बनाए रखती है।

चारों युगों को ऐसे समझें, जानें इसके लक्षण और प्रभाव

क्या आपको पता है कि हर युग में ईश्वर का जन्म जरूर होता है। यदि आप नहीं जानते तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मान्यताओं के अनुसार कलयुग हो या सतयुग या फिर द्वापरयुग ही क्यों न हो हर युग में किसी न किसी ईश्वर का जन्म अवश्य होता है।

आपने सनातन धर्म में चारों युगों के वर्णन और ब्रह्मा जी के आयु के विषय में पहले भी सुना या पढ़ा है। ऐसे में आज हम पंडित सुनील शर्मा से चतुर्युगी व्यवस्था की प्रकृति के विषय में थोड़ा और विस्तार से जानेंगे।

1- सतयुग

कुल समयः 4800 दिव्य वर्ष या 1728000 मानव वर्ष।

पापः 0 भाग

पुण्यः 20 भाग

मनुष्यों की औसत आयुः 100000 वर्ष

मनुष्यों की औसत उंचाईः 21 हाथ

पात्रः स्वर्णमय

द्रव्यः रत्नमय

प्राणः ब्रम्हांडगत

तीर्थः पुष्कर

स्त्रियाँः पद्मिनी एवं पतिव्रता

सूर्यग्रहणः 32000 बार

चंद्रग्रहणः 5000 बार

वर्णः 4, सभी अपने धर्म में लीन रहते थे।

ब्राह्मणः चतुर्वेदी (4 वेद पढने वाले)।

चरणः 4 (1200 दिव्य वर्ष x 4)

अवतारः 4

मत्स्य,हयग्रीव,कूर्म,वराह,नृसिंह

सत्ययुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष है। मनुष्य की आयु प्रारम्भ में दस लाख वर्ष होती है। अन्त में एक लाख वर्ष होती है। मनुष्य की ऊंचाई 21 हाथ यानि लगभग 100 से 150 फुट होती है। {उस समय मनुष्य के हाथ (कोहनी से बड़ी ऊंगली के अंत तक) की लंबाई लगभग 5 फुट होती है।} {वर्तमान में कलयुग में मनुष्य के एक हाथ की लंबाई लगभग डेढ़ (1)) फुट है। पहले के युगों में लंबे व्यक्ति होते थे। उनके हाथ की लंबाई भी अधिक होती थी।}

2- त्रेतायुग

कुल समयः 3600 दिव्य वर्ष या 1296000 मानव वर्ष।

पापः 5 भाग

पुण्यः 15 भाग

मनुष्यों की औसत आयुः 10000 वर्ष

मनुष्यों की औसत उचाईः 14 हाथ

पात्रः रजत (चांदी) के

द्रव्यः स्वर्ण

प्राणः अस्थिगत

तीर्थः नैमिषारण्य

स्त्रियांः पतिव्रता

सूर्यग्रहणः 3200 बार

चंद्रग्रहणः 500 बार

वर्णः 4, सारे अपने-अपने कार्य में रत थे।

ब्राह्मणः त्रिवेदी (3 वेद पढने वाले)।

चरणः 3 (1200 दिव्य वर्ष x 3)

अवतारः 3

वामन,परशुराम,श्रीराम

त्रेतायुग की अवधि 12 लाख 96 हजार वर्ष होती है। मनुष्य की आयु प्रारम्भ में एक लाख वर्ष होती है, अंत में दस हजार वर्ष होती है। मनुष्य की ऊंचाई 14 हाथ यानि लगभग 70 से 90 फुट होती है।

3- द्वापरयुग

कुल समयः 2400 दिव्य वर्ष अथवा 864000 मानव वर्ष।

पापः 10 भाग

पुण्यः 10 भाग

मनुष्यों की औसत आयुः 1000 वर्ष

मनुष्यों की औसत उचाईः 7 हाथ

पात्रः ताम्र

द्रव्यः चांदी

प्राणः त्वचागत

तीर्थः कुरुक्षेत्र

स्त्रियांः शंखिनी

सूर्यग्रहणः 320 बार

चंद्रग्रहणः 50 बार

वर्णः 4, व्यवस्था दूषित हो गयी थी।

ब्राह्मणः द्विवेदी (2 वेद पढने वाले)।

चरणः 2 (1200 दिव्य वर्ष x 2)

अवतारः 1

श्रीकृष्ण

द्वापरयुग की अवधि 8 लाख 64 हजार वर्ष होती है। मनुष्य की आयु दस हजार प्रारम्भ में होती है। अंत में एक हजार रह जाती है। मनुष्य की ऊंचाई 7 हाथ यानि 40.50 फुट होती है।

4- कलियुग

कुल समयः 1200 दिव्य वर्ष या 432000 मानव वर्ष।

पापः 15 भाग

पुण्यः 5 भाग

मनुष्यों की औसत आयुः 1000 वर्ष से शुरु हई,जो आगे चल कर 20 वर्ष तक रह जानी है।

मनुष्यों की औसत उचाईः 3.5 हाथ

पात्रः मिटटी

द्रव्यः ताम्र

मुद्राः लौह

तीर्थः गंगा

प्राणः अन्नमय

वर्णः चार, सभी अपने कर्म से रहित होंगे।

ब्राह्मणः 1 वेद पढ़ने वाले होंगे, अर्थात ज्ञान का लोप हो जाएगा।

चरणः 1 (1200 दिव्य वर्ष x 1)

अवतारः 2

भगवान बुद्ध,कल्कि

कलयुग की अवधि 4 लाख 32 हजार वर्ष होती है। मनुष्य की आयु एक हजार वर्ष से प्रारम्भ होती है, अंत में 20 वर्ष रह जाएगी और ऊंचाई साढ़े तीन हाथ यानि 10 फुट होती है। अंत में यह 3 फुट रह जाएगी।

आज बुध करेगा वृश्चिक राशि में प्रवेश

आपकी राशि के लिए कैसा रहेगा आने वाला समय

रविवार, 13 नवंबर को बुध ने तुला से वृश्चिक राशि में प्रवेश करेगा। वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल है। इस राशि में बुध की स्थिति अच्छी नहीं मानी जाती है। ये ग्रह 2 दिसंबर तक वृश्चिक में रहेगा और इसके बाद धनु में प्रवेश करेगा।

मेष राशि- बुध की वजह से परेशानियों में बढ़ोतरी हो सकती है। निराशा से बचें। ज्यादा प्रयास करने होंगे, तभी सफलता मिल सकती है।

वृषभ राशि- आपकी राशि पर बुध ग्रह का विशेष असर नहीं हो रहा है। पुरानी मेहनत के अनुसार फल प्राप्त करेंगे। इस समय की गई मेहनत का फल आने वाले समय में मिल सकता है।

मिथुन राशि- इस राशि के लिए बुध ग्रह की स्थिति अच्छी रहने वाली है। घर-परिवार और समाज में वातावरण अनुकूल रहेगा। धन लाभ होगा। सेहत का ध्यान रखेंगे तो बेहतर रहेगा।

कर्क राशि- आपके लिए वृश्चिक राशि का बुध प्रभावशाली रहेगा। काम समय पर पूरे होते जाएंगे। मान-सम्मान के साथ ही कामयाबी भी मिलेगी। धन लाभ मिलने के योग बनेंगे।

सिंह राशि- इन लोगों के लिए सतर्क रहकर काम करने का समय है। छोटी सी लापरवाही बड़ा नुकसान करा सकती है। चिंताएं बढ़ेंगी। विवादों से बचेंगे तो अच्छा रहेगा।

कन्या राशि- इन लोगों को बुध की वजह से बड़ी सफलता मिल सकती है। नया काम मिल सकता है। प्रसन्नता रहेगी। बाधाएं दूर कर पाएंगे।

तुला राशि- बुध की वजह से आपके लिए समय पक्ष का रहेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। शुभ समाचार मिल सकते हैं। नौकरी में लाभ हो सकता है।

वृश्चिक राशि- अब बुध इसी राशि में रहेगा। इस वजह से बुध लाभ की स्थिति बना सकता है। नौकरी में बड़ी सफलता मिल सकती है। जो लोग नए काम की शुरुआत करना चाहते हैं, उनके लिए समय पक्ष का रहेगा।

धनु राशि- धनु राशि वाले लोग अब थोड़े सतर्क रहें। बुध दिक्कतें बढ़ा सकता है। धन संबंधी कामो में समस्याएं आ सकती हैं। निवेश करना चाहते हैं तो जोखिम लेने से पहले किसी विशेषज्ञ से बात जरूर करें।

मकर राशि- बुध के कारण काम का बोझ बढ़ सकता है।

घर-परिवार की मदद से बड़ी जिम्मेदारी ठीक से निभा पाएंगे। नए संपर्क से बड़ा लाभ मिल सकता है।

कुंभ राशि- बुध ग्रह आपके लिए लाभ की स्थिति बना सकता है। आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। पुराने समय से अटके कामों में गति आ सकती है।

मीन राशि- बुध की वजह से बड़े-बड़े काम भी आसानी से पूरे होते जाएंगे। परिवार में शुभ प्रसंग आने की संभावना है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

शादी के 6 साल बाद बेटी को दिया जन्म, बेटी का नाम रखा देवी

बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु मां बन गई हैं। एक्ट्रेस ने 12 नवंबर को लिटिल प्रिंसेस को जन्म दिया है। करण सिंह ग्रोवर और बिपाशा लंबे समय से इस मोमेंट का इंतजार कर रहे थे। दोनों अपनी बेबी को लेकर काफी एक्साइटेड थे, आखिरकार शादी के 6 साल बाद कपल का इंतजार खत्म हुआ।

बिपाशा ने की बेटी के जन्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट

बिपाशा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बेटी के आने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी है। पोस्ट शेयर करते हुए बिपाशा ने लिखा- 'देवी बसु सिंह ग्रोवर प्यार और मां के आशीर्वाद की हमारे घर एक पवित्र अत्मा है'।

पूरी हुई बेटी की चाहत

बेबी के जन्म से पहले ही बिपाशा ने बॉम्बे टाइम्स को दिए इंटरव्यू के में इस बात का खुलासा किया था कि वो चाहती हैं कि उनके घर बेबी गर्ल का जन्म हो। मीडिया से बातचीत में बिपाशा ने कहा- 'जब भी बच्चे की बात आती थी, तो वो और करण हमेशा चाहते हैं कि घर पर बेटी का जन्म हो। इतना ही नहीं हम अपने बेबी को शी ही बुलाते हैं।

अगस्त में की थी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट

बिपाशा बसु ने इस साल अगस्त में अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी फैंस के साथ साझा की थी। तब से लेकर अभी तक बिपाशा ने सोशल मीडिया पर अपने प्रेग्नेंसी के दिनों की कई फोटो साझा कर चुकी हैं। बिपाशा ने कई मैटरनिटी शूट्स कराए हैं, साथ ही कपल ने प्रेग्नेंसी फेज के दौरान कई वीडियोज भी शेयर किए हैं, जिन्हें यूजर्स ने बेहद पसंद किया है। बता दें, काफी समय से बिपाशा और करण की प्रेग्नेंसी की खबरें सोशल मीडिया पर छाई हुई थीं। हालांकि, कपल ने कभी इस बात पर कोई रिएक्ट नहीं किया था।

अप्रैल 2016 में हुई थी कपल की शादी

बिपाशा और करण की शादी 30 अप्रैल 2016 में की थी। करण और बिपाशा की मुलाकात 'अलोन' के सेट पर हुई थी। कुछ समय तक एक दूसरे को डेट करने के बाद आखिरकार करण और विपाशा ने शादी का फैसला लिया। बता दें कि बिपाशा करण की 3 पत्नी हैं, इससे पहले करण ने टीवी एक्ट्रेस जेनिफर विंगेट और श्रद्धा निगम के साथ शादी की थी, लेकिन दोनों ही शादियां महज कुछ समय तक ही चल पाई।

कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रही है ये फेमस एक्ट्रेस, बयां किया अपना दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मॉडल रोजलिन खान को लेकर एक बुरी खबर सामने आ रही हैं. इन दिनों एक्ट्रेस कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रही हैं, बीते शुक्रवार रोजलिन ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि अगरे 7 महीनों तक उनकी कीमोथेरेपी चलेगी. अपनी एक लंबी-चौड़ी पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा, 'कैंसरमुश्किल लोगों की जिंदगी आसान नहीं होती ये कहीं पढ़ा थालेकिन अब मुझे पता है कि यह मेरे जैसे लोगों के लिए है भगवान अपने सबसे मजबूत सैनिकों को सबसे कठिन लड़ाई देता है..'

रोजलिन ने आगे लिखा, 'यह मेरे जीवन का एक अध्याय हो सकता है, विश्वास और आशा रखते हुए हर झटका मुझे मजबूत बनाता है..यह भी होगा मेरे पास प्यारे लोग हैं जो मेरे लिए प्रार्थना कर रहे हैं..जो होता है अच्छे के लिए होता है और वो अच्छा मैं हूं.' पोस्ट के साथ रोजलिन ने हॉस्पिटल से अपने एक फोटो भी शेयर की है, जिसमें वो बेड पर बैठी नजर आ रही हैं. कैंसर के बारे में बताते हुए रोजलिन ने लिखा, 'गर्दन और पीठ में गंभीर दर्द के अलावा कोई संकेत नहीं थे और मैंने इसे जिमनास्टिक से होने वाला दर्द और पीठ पर मांसपेशियों का खिंचाव समझा.'

रोजलिन ने बताया कि उन्हें कैंसर के बारे में जल्दी पता चल गया. उन्होंने अपने ब्रांड्स को भी टैग करते हुए कहा कि वो हर महीने के दूसरे सप्ताह में शूट करने के लिए फ्री रहेंगी, क्योंकि आने वाले 7 महीनों तक उनकी कीमोथेरेपी चलेगी. हर कीमोथेरेपी के बाद एक वीक का रेस्ट भी जरूरी है. उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि आपको गंजे मॉडल के साथ काम करने के लिए साहस की जरूरत पड़ेगी.

अनन्या पांडे ने आर्यन खान को बर्थडे विश किया

बचपन की तस्वीर शेयर कर दी बधाई, कहा- मेरा पहला और सबसे अच्छा दोस्त

अनन्या पांडे ने आर्यन खान को उनके 25वें जन्मदिन पर बधाई दी है। अनन्या ने सोशल मीडिया अकांउट पर अपनी और आर्यन की बचपन की एक फोटो पोस्ट करते हुए जन्मदिन की बधाई दी है। आर्यन और अनन्या एक दूसरे के बचपन के फ्रेंड हैं और दोनों को अक्सर एक साथ स्पॉट किया जाता है। अनन्या ने एक चैट शो में आर्यन को अपना क्रश भी बताया था। हालांकि बीच में एक वीडियो सामने आई थी जहां एक इवेंट में आर्यन, अनन्या को इग्नोर करते हुए दिखे थे। वीडियो के सामने आने के बाद ये अनुमान लगाया जा रहा था कि आर्यन और अनन्या के बीच रिश्ते शायद अब ठीक नहीं है।

अनन्या पांडे ने सोशल मीडिया अकांउट पर अपनी और आर्यन की बचपन की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- मिसिंग बेबी आर्यन। मेरे पहले और सबसे अच्छे दोस्त को जन्मदिन की बधाई। अनन्या ने इस तस्वीर के साथ दिल वाली इमोजी भी लगाया। इस थ्रो-बैक पिक्चर में अनन्या पिंक ड्रेस में दिख रही हैं जबकि आर्यन औरेंज कलर की टी-शर्ट और वाइट पैंट में उनके साथ खड़े नजर आ रहे हैं।अनन्या पांडे ने फिल्ममेकर करण जौहर के चैट शो कॉफी विद करण में एक बार आर्यन को अपना क्रश बताया था। जब करण ने अनन्या से आर्यन के बारे में पूछा था तो जवाब में अनन्या ने कहा था ₹हां, वह क्यूट है और एक समय पर वो मेरा क्रश भी था।₹ करण ने आगे पूछा कि उन्होंने इस बात को आगे क्यों नहीं बढ़ाया तो जवाब में अनन्या ने कहा कि ये बात आप आर्यन से ही पूछो।

अनन्या को आखिरी बार विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म लाइगर में देखा गया था। दोनों एक साथ कॉफी विद करण के एक एपिसोड में साथ नजर आए थे। हालांकि उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी। अनन्या अपनी अपकमिंग फिल्म 'खो गए हम कहां' में सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वो आयुष्मान खुराना के साथ ड्रीम गर्ल 2 में भी दिखेंगी।

आधी रात 'बिग बॉस' के घर से बाहर निकलीं अर्चना गौतम की फीस उड़ा देगी आपके होश

बिग बॉस 16 सीजन अपने छठे हफ्ते में पहुंच गया है और सीजन के सभी कंटेस्टेंट ने घर में अपनी असलियत का खुलासा कर दिया है. इस बीच 'शुक्रवार का वार' से पहले ही अर्चना गौतम को 'बिग बॉस' का घर छोड़कर जाना पड़ा क्योंकि उन्होंने हिंसा का प्रयोग किया. इसकी सजा के तौर पर बिग बॉस ने अर्चना को तुरंत आधी रात घर से बाहर कर दिया गया. बिग बॉस के इस फैसले से एक तरफ जहां फैंस हैरान हैं, वहीं कुछ दर्शकों को उम्मीद भी है कि अर्चना शो में धमाकेदार तरीके समबैक करेंगी. बिग बॉस 16 की शुरुआत से ही अर्चना शो की चहेती कंटेस्टेंट बनी हुई थीं.

अर्चना के गेम की तारीफ खुद सलमान खान कर चुके हैं, ऐसे में फैंस को एक बार फिर उनके शो में लौटने की उम्मीद है. अब ये तो आने वाला समय ही बताएगा कि अर्चना की सच में बिग बॉस हाउस में वापसी होती है, या उनका सफर यहीं तक था. इस बीच शो में अर्चना की फीस को लेकर काफी चर्चा हो रही है. वो 5 सप्ताह शो में रही थीं, जिसके एवज में उन्हें मोटी रकम दी गई. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अर्चना को हर सप्ताह 3 लाख रुपये फीस के तौर पर दिए जाते थे.

अब तक इन कंटेस्टेंट्स ने जीती बिग बॉस की ट्रॉफी

बिग बॉस 16 का प्रीमियर 1 अक्टूबर को हुआ था. तब से लेकर अब तक अर्चना को शो में 5 सप्ताह हो गए थे, इस बीच वो कई बार नॉमिनेट भी हुईं. अगर 5 सप्ताह की उनकी फीस को टोटल किया जाए तो ये करीब 15 लाख रुपये होते हैं.

अर्चना ने शो से अब तक 15 लाख रुपये कमा लिए हैं, लेकिन संभावना जताई जा रही है कि वो शो में वापसी कर सकती हैं. बिग बॉस से उनकी पॉपुलैरिटी बढ़ गई है और शो से बाहर आने के बाद उन्हें मीडिया के सामने भी नहीं देखा गआ।

बचपन में नीति टेलर के दिल में था छेद:बोलीं- मैं एम्यूजमेंट पार्क में नहीं जा सकती थी

'झलक दिखला जा 10' के मंच पर टीवी एक्ट्रेस नीति टेलर ने अपनी जिंदगी के बारे में अहम खुलासा किया। दरअसल नीति कोरियोग्राफर पार्टनर आकाश थापा के साथ 'सात समंदर पार' गाने पर परफॉर्म करते हुए एक लिफ्टिंग सीन के दौरान फिसलकर गिर गईं। हालांकि इसके बाद भी उनके डांस को जजेस माधुरी दीक्षित नेने, टेरेंस लेविस (गेस्ट जज) और नोरा फतेही से काफी तारीफें मिलीं। लेकिन परफॉर्मेंस के अंत में उनके गिरने पर जजेस निराश हुए।

नीति को इस वीकेंड मिले सबसे कम स्कोर

शूटिंग के दौरान, टेरेंस लेविस ने याद दिलाया कि कंटेस्टेंट-कोरियोग्राफर की ये जोड़ी बेहतरीन परफॉर्मेंसेस देती आ रही है, लेकिन लिफ्ट्स को पुल करने के लिए ताकत चाहिए। माधुरी दीक्षित नेने ने कहा कि परफॉर्मेंस एनर्जेटिक था, लेकिन क्लाइमैक्स में मूव्स का तालमेल नहीं बैठा। नीति को डांस के मुकाबले का 'ब्लैक हॉर्स' बताते हुए, नोरा फतेही ने भी निराशा जाहिर की, क्योंकि इस जोड़ी में बहुत क्षमता है। ऐसे में तीनों जजेस ने नीति को 10 में से 8 नंबर दिए और इस वीकेंड नीति का परफॉर्मेंस सबसे कम स्कोर वाला रहा।

बचपन में था नीति के दिल में छेद

जजेस के कमेंट्स सुनने के बाद नीति टेलर ने अपनी लाइफ के बारे में खुलासा करते हुए कहा, 'बचपन में मेरे दिल में एक छेद था और मुझे डांस समेत कई काम करने को मना किया गया था, क्योंकि ऐसा करने से मेरे दिल को नुकसान पहुंच सकता था।

मैं एम्यूजमेंट पार्क्स में नहीं जा सकती थी, फ्लाइट्स नहीं ले सकती थी और ऐसा कुछ नहीं कर सकती थी, जो रोमांच से भरपूर हो। जब मैं ठीक हुई, तब खुशी से नाची और तब से मैं डांस कर रही हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं इस शो में अपने एडवेंचर को जी रही हूं।'

डेढ़ महीने में ही नीति का डांस बहुत बेहतर हुआ है- जजेस

बहादुर होने के लिए जजेस से सम्मान पाने के बाद नीति ने अगले हफ्ते के एपिसोड में और ज्यादा जोश के साथ स्टेज पर अपना जलवा बिखेरने का वादा किया। जजेस ने कहा कि डेढ़ महीने में ही नीति का डांस बहुत बेहतर हुआ है और वो सबसे दमदार प्रतियोगियों में से एक बनकर उभरी हैं।

कहां है बोल्ड प्रेग्नेंसी फोटोशूट का ट्रेंड शुरू करने वाली एक्ट्रेस श्वेता साल्वे, बदल गया है 'टीवी बहू' का लुक

जी टीवी के लोकप्रिय शो 'हिप-हिप हुर्रे' की मशहूर एक्ट्रेस श्वेता साल्वे को लोग आज भी मिस करते हैं. इस शो से श्वेता ने घर-घर अपनी पहचान बनाई, लेकिन अब वो टीवी इंडस्ट्री से कहीं खो सी गई हैं. 'हिप-हिप हुर्रे' श्वेता साल्वे का डेब्यू टीवी शो था, इसके बाद उन्हें 'लेफ्ट राइट लेफ्ट' से काफी पॉपुलैरिटी मिली. इस शो में उन्होंने डॉक्टर रितु मिश्रा का किरदार निभाया था. ग्लैमर की दुनिया से दूर श्वेता उस वक्त खबरों में आईं जब वो प्रेग्नेंट हुईं. प्रेग्नेंसी फोटोशूट का ट्रेंड इन दिनों कई एक्ट्रेसेस फॉलो करती हैं. आप कह सकते हैं कि इसकी शुरुआत श्वेता ने की थी. श्वेता ने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान कई तरह के बोल्ड फोटोशूट करवाए थे.

श्वेता ने 2016 में एक बेटी आर्या को जन्म दिया. इन दिनों श्वेता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं, वो अक्सर अपने पति के साथ फोटोज शेयर करती रहती हैं. बेबी बंप फोटो के साथ प्रेग्नेंसी अनाउंस करने से लेकर मैटरनिटी फोटोशूट की कुछ झलकियां पोस्ट करने तक, श्वेता के इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें देखी जा सकती हैं. श्वेता, आज अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं. उनका जन्म 12 नवंबर, 1984 को हुआ था. सोशल मीडिया पर अपने मैटरनिटी फोटोशूट को लेकर श्वेता को काफी ट्रोल होना पड़ा था.

इंस्टाग्राम तस्वीर पोस्ट करने के बाद उस समय वो गूगल में भी ट्रेंड करने लगी थी, उन्हें लोगों ने घर के अंदर रहने और अपने बच्चे की देखभाल करने की सलाह दी. प्रेग्नेंसी के दौरान अपनी बोल्डनेस के लिए उन्हें बेरहमी से ट्रोल किया गया था, हालांकि इसका उन पर कोई असर नहीं हुआ.

अपने एक इंटरव्यू में श्वेता ने कहा था, "मुझे बोल्ड और फ्लॉन्ट जैसे शब्द बेहद खुश करते हैं. मैं गोवा में समुद्र तट पर रहती हूं, और जब मैं तैरने जाती हूं तो मैं तस्वीरें शेयर करती हूं, इसलिए मैं आगे भी स्विमिंग सूट पहनूंगी. प्रेग्नेंसी के दौरान शराब पीने और स्मोकिंग के लिए भी उनकी खूब आलोचना हुई थी.

हेरा फेरी 3 में अक्षय की जगह कार्तिक आएंगे नजर

परेश रावल ने किया कन्फर्म, फैंस ने कहा- ये खबर वर्ल्ड कप की हार से भी ज्यादा दुखदायी

एक्टर परेश रावल ने इस बात को कन्फर्म कर दिया है कि हेरा फेरी 3 में अब कार्तिक आर्यन नजर आएंगे। अक्षय कुमार के फिल्म छोड़ने के बाद हेरा फेरी 3 में कार्तिक आर्यन की एंट्री ऑफिशियल हो गई है। कहा जा रहा है कि अक्षय का हेरा फेरी फ्रेंचाइजी को छोड़ने का मुख्य कारण फिल्म की स्क्रिप्ट में क्लियारिटी का न होना था। अब मेकर्स ने उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर कार्तिक को कास्ट करने की तैयारी कर ली है। हालांकि फैंस को ये बात रास नहीं आ रही है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने तंज कसते हुए कहा है कि ये खबर वर्ल्ड कप में मिली हार से भी ज्यादा दुखदायी है।

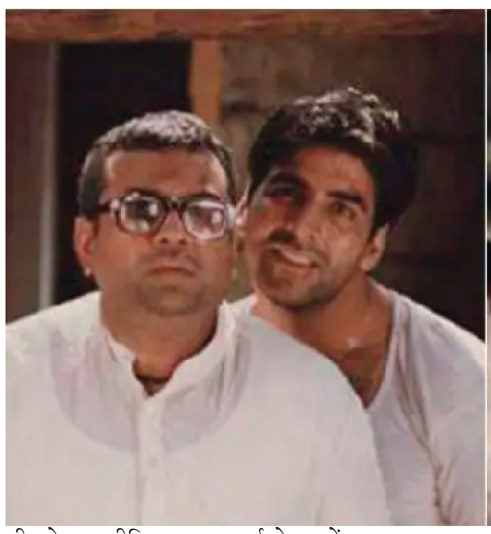

फैंस ने कहा- नो अक्षय नो हेरा फेरी

हाल में ही सोशल मीडिया पर एक यूजर ने परेश रावल को टैग करते हुए पूछा -₹परेश रावल सर, क्या ये सच है कि कार्तिक आर्यन हेरा फेरी 3 कर रहे हैं?" तो इसके जवाब में परेश रावल ने लिखा- ₹हां यह सच है।₹ इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर यूजर्स के कमेंट की बाढ़ आ गई। एक यूजर ने लिखा-नो अक्षय, नो हेरा फेरी₹ वहीं एक यूजर ने रिएक्ट करते हुए लिखा₹ये तो वर्ल्ड कप में मिली हार से भी ज्यादा दुख देने वाली खबर , एक यूजर का कहना है फिल्म में तीनो का होना जरूरी है, अक्षय के बिना तो हेरा फेरी 3 के बारे में सोचा भी नहीं जा सकता।

2000 में रिलीज हुई थी हेरा फेरी

2000 में आई फिल्म हेरा फेरी में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मुख्य भूमिका में थे।

प्रियदर्शन के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को कॉमेडी जॉनर की ऑल टाइम ग्रेट फिल्मों में गिना जाता है। इसका सेकेंड पार्ट फिर हेरा फेरी 2006 में रिलीज हुआ था जिसे भी ऑडियंस ने काफी पसंद किया गया था। अब जल्द ही इसका तीसरा पार्ट लाने की तैयारी की जा रही है।

कार्तिक जल्द ही फ्रेडी में आएंगे नजर

भूल भुलैया 2 की बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सक्सेस के बाद कार्तिक जल्द ही डिज्नी प्लस हॉटस्टार स्टार पर रिलीज होने वाली फिल्म फ्रेडी में दिखाई देंगे। इसके अलावा वो कृति सेनन के साथ शहजादा और कियारा आडवाणी के साथ सत्य प्रेम की कथा में नजर आएंगे। इसके अलावा वो आशिकी 3 में नजर आएंगे।

क्या 'ब्रह्मास्त्र' में रणबीर कपूर की 'मां' बनी हैं दीपिका पादुकोण?

बॉलीवुड की सुपरहिट फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर धूम मचा रही हैं. फिल्म के पहले पार्ट 'शिवा' में रणबीर कपूर के ऑनस्क्रीन माता-पिता (अमृता और देव) को लेकर एक कहानी बताई गई, जिसका खुलासा 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट दो देव' होगा. इस बीच फिल्म ने फैंस के बीच सस्पेंस छोड़ दिया है कि आखिर पार्ट दो में कौन होगा जो रणबीर कपूर के माता-पिता का किरदार निभा रहा है. 'ब्रह्मास्त्र' के ओटीटी पर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म का एक क्लिप शेयर कर दावा किया जा रहा है कि फिल्म में दीपिका पादुकोण हैं, जो रणबीर कपूर की मां 'अमृता' का रोल प्ले कर रही हैं. थिएटर रिलीज के समय फैन ने इंटरवल के बाद फ्लैशबैक सीन में दीपिका पादुकोण की झलकियां देखीं थीं, हालांकि उस समय लोगों को डाउट था. लेकिन ब्रह्मास्त्र के ओटीटी प्रीमियर के बाद फैंस को यकीन हो गया है कि दीपिका पादुकोण सीक्वल में अमृता की भूमिका निभाएंगी. दीपिका की कई तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि यह ब्रह्मास्त्र का एक सीन है. ब्रह्मास्त्र में अमृता के रूप में दीपिका की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं.

एक यूजर ने ब्रह्मास्त्र के ओटीटी वर्जन का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, 'ब्रह्मास्त्र में दीपिका पादुकोण का 'अमृता' के रूप में 'देव पार्ट 2 का बेसब्री से इंतजार है.' एक अन्य ने लिखा, ये देखिए 'ब्रह्मास्त्रः पार्ट वन शिवा' में दीपिका पादुकोण की पहली झलक. अयान मुखर्जी द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के पार्ट दो को लेकर फैंस में अब क्रेज बढ़ता जा रहा है. दीपिका पादुकोण के अलावा फिल्म में देव किरदार के रूप में एक्टर रणवीर सिंह के होने की उम्मीद भी जताई जा रही हैं. हालांकि ये तो फिल्म रिलीज के बाद ही पता चल पाएगा कि आखिर ब्रह्मास्त्र के सीक्वल में कौन है रणबीर कपूर के ऑनस्क्रीन माता-पिता।

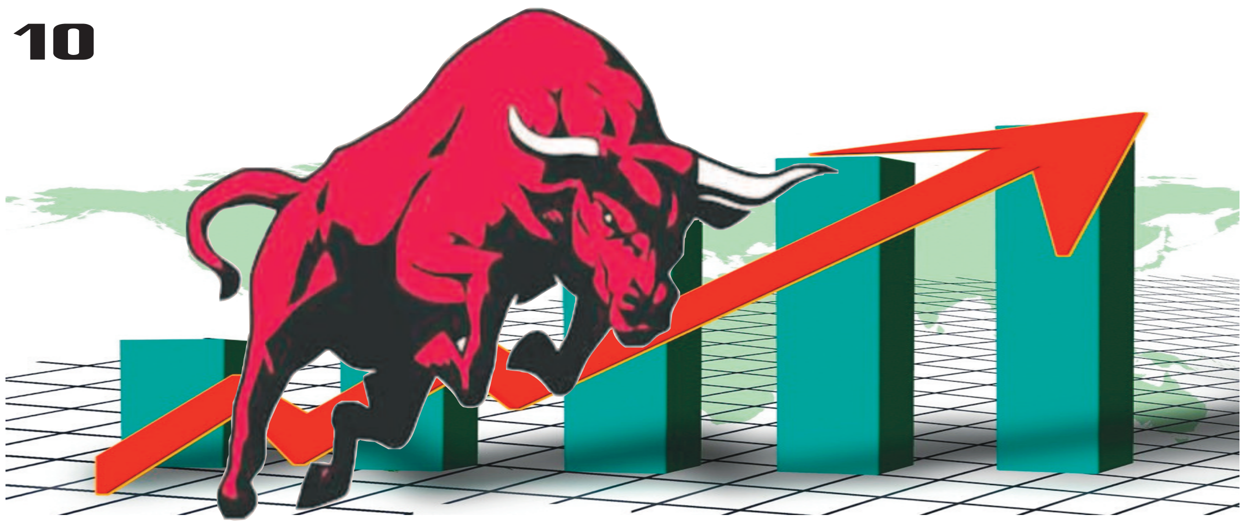

उड़ान से पहले जेट एयरवेज को झटका, एयरलाइन को 308 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। प्राइवेट सेक्टर की एयरलाइन कंपनी जेट एयरवेज तीन साल बाद एक बार फिर उड़ान की तैयारी में जुटी है। इस बीच, एयरलाइन को सितंबर तिमाही के नतीजों में तगड़ा नुकसान हुआ है। जेट एयरवेज की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सितंबर तिमाही में 308.24 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ है। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 305.76 करोड़ रुपये का लॉस दर्ज किया था। इस लिहाज से घाटे में मामूली बढ़ोतरी हुई है।

आय की डिटेलः चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में जेट एयरवेज की कुल आय एक साल पहले की समान अवधि के 45.01 करोड़ रुपये से घटकर 13.52 करोड़ रुपये रह गई। सितंबर तिमाही में जेट एयरवेज का कुल खर्च भी बढ़कर 321.76 करोड़ रुपये हो गया। आपको बता दें कि जेट एयरवेज का परिचालन तीन साल से अधिक से बंद है। कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत जालान फ्रिट्स गठजोड़ एयरलाइन के लिए विजेता बोलीदाता के रूप में उभरा था। पिछले साल जून में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने गठजोड़ की समाधान योजना को मंजूरी दे दी थी। हालांकि, जेट एयरवेज अबतक परिचालन शुरू नहीं कर पाई है।

कंट्रोल में क्यों नहीं आ रही वमहंगाई? आरबीआई गवर्नर ने बताई वजह, जल्द राहत की उम्मीद

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय रिजर्व बैंक की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में महंगाई कंट्रोल में नहीं है। हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट 2022 में केंद्रीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने महंगाई बढ़ने के कारणों का जिक्र किया है। इसके साथ ही उन्होंने रुपया, डिजिटल करेंसी, विदेशी मुद्रा भंडार समेत इकोनॉमी से जुड़े अहम मुद्दों पर बात की। महंगाई क्यों नहीं कंट्रोलः शक्तिकांत दास ने बताया कि दुनियाभर की इकोनॉमी तनाव के दौर से गुजर रही है। उन्होंने इस हालात के लिए मुख्यतौर पर 3 वजह को जिम्मेदार ठहराया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि कोविड महामारी, यूक्रेन-रूस के बीच जंग और वित्तीय बाजार की वजह से उभरे

संकट की वजह से भारत समेत दुनियाभर की इकोनॉमी स्ट्रेस में है। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक वर्तमान में देश की जीडीपी ग्रोथ के आंकड़े ठीक हैं। वैश्विक स्तर के मुकाबले भारत की इकोनॉमी का ग्रोथ तेजी से हो रहा है। महंगाई के आंकड़े भी अब धीरे-धीरे कंट्रोल हो रहे हैं। अक्टूबर के आंकड़ों से राहत की उम्मीदः उन्होंने उम्मीद जताई कि सितंबर के मुकाबले अक्टूबर के महंगाई आंकड़े राहत देने वाले होंगे। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि अक्टूबर में खुदरा मुद्रास्फीति 7% से कम होने की संभावना है। शक्तिकांत दास ने यह भी कहा कि अगर लगातार तीन तिमाहियों के लिए मुद्रास्फीति 6% से ऊपर है, तो इसे मौद्रिक नीति की विफलता है। रिजर्व बैंक अधिनियम के तहत अगर मुद्रास्फीति के लिये तय लक्ष्य को लगातार तीन तिमाहियों तक हासिल नहीं किया गया है, तो आरबीआई को केंद्र सरकार को रिपोर्ट देकर उसका कारण और महंगाई को रोकने के लिये उठाये गये कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी देनी होगी। मौद्रिक नीति रूपरेखा के 2016 में प्रभाव में आने के बाद से यह पहली बार इस तरह की नौबत आई है कि केंद्र सरकार को रिपोर्ट देनी पड़ेगी। -शक्तिकांत दास ने कहा कि इस समय भी हमारा विदेशी मुद्रा भंडार बहुत अच्छी स्थिति में है। वैश्विक स्तर पर बदलती परिस्थितियों की वजह से रुपया कमजोर हुआ और केंद्रीय रिजर्व बैंक के हस्तक्षेप की जरूरत थी। - आरबीआई गवर्नर ने कहा कि दुनिया बदल रही है, जिस तरह से व्यापार किया जाता है वह बदल रहा है। आपको समय के साथ तालमेल बिठाना होगा। कागज के नोटों की छपाई, छपाई की लागत, कागज खरीदना, रसद, भंडारण आदि में खर्चें ज्यादा हैं। आगे चलकर डिजिटल करेंसी कम खर्चीली होगी। सीमा पार लेनदेन और सीमा पार भुगतान के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण होगा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-हेमन्त दिशाशूल- पश्चिम -पान खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी **- 24-50** तकउपरान्त, षष्ठी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष, रविवार **Nov 13**
नक्षत्र -आर्द्रा **- 10 - 16 -** तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - साध्य **- 22 - 48 -** तक उप-शुभ
करण- कौलव **-11 - 36 -** तक,उप- तैतिल
विशेषः- श्री मायानन्द चैतन्य जं.
व्रत -त्योहार - वृश्चिक मे बुध ~ २१~१९ से

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- तुला	में	कन्या..02-23	बजे
चंद्र- मिथुन	में	तुला- 04-29	बजे
मंगल मिथुन	में	वृश्चिक06-39	बजे
बुध- तुला	में	धनु---08-52	बजे
गुरु- मीन	में	मकर- 10-58	बजे
शुक्र- वृश्चिक	में	कुंभ- 12-49	बजे
शनि- मकर	में	मीन...14-27	बजे
राहु- मेष	में	मेष-- 16-03	बजे
केतु- तुला	में	वृष-- 17-48	बजे
		मिथुन.19-49	बजे
		कर्क...22-00	बजे
		सिंह...00-13	बजे

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल **16:15** से **17:40** तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र **Hyd,Sec**

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उत्पात	**06:23 - 07:46**	अशुभ	शुभ	**17:40 - 19:15**	शुभ
चंचल	**07:46 - 09:11**	शुभ	अमृत	**19:15 - 20:50**	शुभ
लाभ	**09:11 - 10:35**	शुभ	चंचल	**20:50 - 22:25**	शुभ
अमृत	**10:35 - 12:00**	शुभ	रोग	**22:25 - 00:01**	अशुभ
काल	**12:00 - 13:25**	अशुभ	काल	**00:01 - 01:36**	अशुभ
शुभ	**13:25 - 14:50**	शुभ	लाभ	**1:36 - 03:11**	शुभ
रोग	**14:50 - 16:15**	अशुभ	उत्पात	**03:11 - 04:46**	अशुभ
उत्पात	**16:15 - 17:40**	अशुभ	शुभ	**04:46 - 06:19**	शुभ

रोटी महंगी हुई:गेहूं के दाम आसमान पर,व्यापारियों को मुनाफा होगा,किसान की फसल आते ही दाम घट जाएंगे

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाज़ार साल के उच्चतम स्तर पर चला गया है। रुपए में भी डॉलर के मुक़ाबले काफ़ी सुधार हुआ है। लेकिन पीड़ा की बात यह है कि गेहूं के दाम भी उच्चतम स्तर पर पहुँच गए हैं। 2842 रु. क्विंटल। पीड़ा इसलिए कि इस देश ने कभी किसानों का भला सोचा ही नहीं। कह सकते हैं कि ऐसी मानसिकता ही विकसित नहीं हो पाई। पेट्रोल और डीज़ल के दामों में आग लग जाए, हमें कोई चिंता नहीं होती। मितव्ययिता तक नहीं बरतते। उतना ही घूमते-फिरते हैं। उतनी ही रेस लगाते फिरते हैं लेकिन गेहूं के दाम बढ़ते ही हमें दिक़्क़त होने लगती है। जबकि इस मूल्यवृद्धि से किसान का कोई लेना देना ही नहीं होता। उसे तो इसका फ़ायदा भी नहीं मिलता। आज जब गेहूं के भाव आसमान पर हैं तब उसने गेहूं बोया है। अक्सर दीवाली के बाद ही देश में गेहूं बोया जाता है। तीन महींने में फसल आ जाएगी। तब तक गेहूं सस्ता हो जाएगा। किसान तो वही दो हज़ार

रुपए क्विंटल के भाव में ही इसे बेच पाएगा। उसका खाद, दवा आदि सब कुछ महँगा हो जाएगा, इसकी चिंता किसी को नहीं है। सरकार को तो बिलकुल नहीं। अभी जो दामों में बढ़ोतरी हुई है उसका फायदा तो केवल व्यापारी को ही होना है। जो होकर रहेगा। दरअसल, रिपोर्ट बताती है कि इस बार सरकार का गेहूं स्टॉक लगभग आधा रह गया है। ज़ाहिर है व्यापारियों के पास बेइंतहा गेहूं रखा होगा। कालाबाजारी जम कर होगी। अनाज को साल-छह महीने रोके रखने की उनमें क्षमता भी होती है।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — आज आप आय के नये-नये स्त्रोतों पर विचार करेंगे और कार्य के विस्तार के बारे में भी विचार करेंगे।माता का सहयोग प्राप्त होगा।संतान के लिये दिन उत्तम है।गुरुजनों से मुलाकात हो सकती है और उनका आशीर्वाद लेना आपके लिये लाभकारी रहेगा।दोपहर बाद किसी अप्रिय समाचार मिलने से मन अशांत रह सकता है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आज के दिन की गई यात्रा कुछ कष्टकारी हो सकती है,हो सके तो यात्रा का विचार कल पर टालें।यदि आप नौकरी करते हैं तो बॉस आज आपके कार्य से प्रसन्न रहेंगे।इससे आप नई ऊर्जा के साथ कार्य प्रणाली में और अच्छे से सुधार करेंगे। पेट संबंधित समस्याएं आज आपको परेशान कर सकती हैं।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — यदि अविवाहित हैं तो आज के दिन सगाई संबंधित बातों के लिये दिन शुभ नहीं है, कुछ समय के लिए रुक जाना बहतर रहेगा। छोटे-बड़े बहन-भाइयों के निर्णयों से आप सहमत रहेंगे। माता के स्वास्थ्य में कुछ उतार-चढ़ाव दिखाई दे सकता है।रुपया-पैसा कहीं उलझ सकता है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — काम-काज का दबाव आज के दिन बहुत अधिक रहेगा,कहीं तो बहुत अधिक सफलता मिलने के संकेत हैं तो कहीं काम भी अटक सकते हैं।यदि आप नौकरी करते हैं तो मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि तथा आपके कार्यों को सराहना मिलेगी और यदि व्यावसायिक हैं तो आज समय अच्छा जाएगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — आज घर-परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।आज के दिन छोटी-मोटी दावत में भी धन खर्च हो सकता है।गलत लोगों तथा गलत संगत से दूरी बनाये रखना हितकारी रहेगा।संतान के लिये समय शुभ है तथा संतान की प्रतिभा को देखने का अवसर आज आपको प्राप्त होगा।ऋण भुगतान के लिये अब कुछ धन अर्जित करेंगे।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — घर-परिवार में आज के दिन अशांति का माहौल बना रह सकता है।आप यह तय नहीं कर पायेंगे कि कौन सही है तथा कौन गलत है।लोन आदि लेने का विचार जो काफी दिनों से आपके मन में चल रहा था उस पर आज के दिन आप पुन: विचार करेंगे तथा बात आगे बढ़ाने के लिये कोई सहयोगी ढूढ़ेंगे।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — आज प्रात: से ही आप में आत्मविश्वास उच्च कोटि का रहेगा। पूर्व सोचे हुए कार्यों को पूर्ण करने में जुट जायेंगे। संतान को लेकर आपकी योजनाएं सही दिशा में हैं इससे संतान को आगे लाभ प्राप्त होगा।यदि आप व्यवसाय में हैं तो नीजि यात्रा को भी आप व्यवसाय से जोड़ लेंगे तो भी लाभ प्राप्त होगा।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — आज आप स्वयं द्वारा किये गये कार्यों पर संदेह करेंगे तथा उन कार्यों पर पुन:विचार करेंगे। आज माता का सहयोग भी आपको प्राप्त हो सकता है। ऋण लेने का दबाव भी आप पर बना रहेगा।जिस कारण छोटी-छोटी बातों पर आप ध्यान नहीं दे पायेंगे।दोपहर बाद आज किसी खास व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — काम-काज में तेजी आयेगी। आज के दिन धन की कमी भी नहीं अखरेगी।आय का कोई नया स्रोत भी खुल सकता है। कार्यक्षेत्र में आप कुछ कूटनीति का प्रयोग कर सकते हैं।जिससे आपको अपना मन चाहा निर्णय लेने में सहयोग मिलेगा।आज आप अपने स्वाभिमान के कारण आप अपने करीबी लोगों को तकलीफ दे सकते हैं।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) — कई बाधाओं के होते हुए भी आज आप काम-काज में लगे रहेंगे। किसी भी अड़चन को हटाने के लिये बहुत परिश्रम करेंगे।तथा काफी हद तक सफल भी रहेंगे।वाहन सुविधा बढ़ेगी।भूमि तथा भवन के निवेश को लेकर आप विचार कर सकते हैं।यदि आप प्रेम-संबंध में हैं तो एक-दूसरे के साथ अधिक समय निकालेंगे।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — आज कहीं बाहर से धन प्राप्ति के योग हैं।अटका हुआ पैसा भी आज प्राप्त हो सकता है।छोटे भाई-बहन के लिए दिन अति शुभ है।आज के दिन यात्रा करना ठीक नहीं।आज अपने ही लोगों को लेकर मन में कहीं आशंकाएं उत्पन्न कर लेंगे।शाम होते-होते मन बैचने रह सकता है।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — आज किसी कार्य में मन नहीं लगा पाएंगे तथा मन बैचेन रहेगा। आर्थिक दबाव बना रह सकता है। धन अर्जित करने के लिए आप नये-नये स्रोतों पर विचार करेंगे। चाहे वो गलत ही क्यों न हों। यदि आप प्रेम संबंध में हैं तो आज के दिन आप अपनी बात समझाने में असमर्थ रहेंगे।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

हिंदुजा बंधुओं ने खत्म किया आपसी झगड़ा

एक लेटर से शुरू हुआ था विवाद

नई दिल्ली।हिंदुजा परिवार का व्यवसाय बैंकिंग, केमिकल और स्वास्थ्य सेवा सहित क्षेत्रों तक फैला हुआ है और दुनिया भर में लगभग 2,00,000 लोगों को रोजगार देता है। हिंदुजा ग्रुप के प्रमुख ब्रांड में अशोक लीलैंड, हिंदुजा बैंक और इंडसइंड बैंक शामिल हैं।ब्रिटेन के हिंदुजा बंधुओं के बीच चल रहा पारिवारिक विवाद खत्म हो गया है। जानकारी के मुताबिक उन्होंने आपस में एक गोपनीय

समझौता किया है। यह मामला 86 वर्षीय श्रीचंद हिंदुजा द्वारा अपने भाइयों जीपी हिंदुजा, पीपी हिंदुजा और एपी हिंदुजा के खिलाफ अदालत में लाया गया था। यह दो जुलाई 2014 के एक लेटर की वैधता और प्रभाव से संबंधित था।

इस लेटर में स्पष्ट तौर पर कहा गया था कि किसी भी एक भाई के पास मौजूद संपत्ति सभी भाइयों की मानी जाएगी। इस लेटर में किसी भी भाई को अपने दूसरे भाई को वसीयत प्रबंध नियुक्त करने का भी अधिकार दिया गया था। इस लेटर पर हिंदुजा परिवार के चारों भाई-श्रीचंद हिंदुजा, जीपी हिंदुजा, पीपी हिंदुजा और एपी हिंदुजा के साइन भी थे।

अनिल अंबानी की कंपनी का नुकसान घटा

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंन्फ्रास्ट्रक्चर ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इन आंकड़ों के अनुसार बीती तिमाही में करीब 162 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

हालांकि इस बीच राहत देने वाली खबर यह है कि बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयरों में अच्छी खरीदारी हुई है। सितंबर तिमाही में कंपनी की आमदनी में एक वर्ष पहले की तुलना में नुकसान में गिरावट आई है और यह 162.5 करोड़ रह गया है। पिछले वर्ष इसी तिमाही में कपनी को 306.04 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। दूसरी तिमाही में कंपनी की आमदनी पहले की इसी अवधि की तुलना में 5760.32 करोड़ रुपये से बढ़कर 6411.42 रुपये हो गई। दूसरी तिमाही में कंपनी का खर्च एक वर्ष पहले की समान अवधि के 5,902.71 रुपये से बढ़कर 6,395.09 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इन्फ्रा के शेयरों में शुक्रवार को तेजी दिखी। शुक्रवार को कंपनी के शेयर 1.85 प्रतिशत की मजबूती के साथ 146.10 रुपये पर कारोबार कर रहा था। बता दें कि बीते 2 सितंबर को कंपनी के शेयरों के भाव 201.35 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गए थे जो कि पिछले 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर है।

एक कंपनी खरीदने को अनिल अग्रवाल ने लगा दी ताकत

10 साल बाद मिली सफलता

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। वैसे तो दिग्गज अरबपति अनिल अग्रवाल ने देश-विदेश में कई कंपनियों का अधिग्रहण किया है लेकिन एक ऐसी भी कंपनी थी जिसे खरीदने में उन्हें 10 साल लग गए। वेदांता के फाउंडर अनिल अग्रवाल ने इस किस्से के बारे में बताया। समिट के दौरान अनिल अग्रवाल ने बताया कि वह करीब 10 साल से जापान की कंपनी अवानस्ट्रेट को खरीदने की कोशिश कर रहे थे। इस डील के लिए वह हर साल जापान भी जाते थे। अनिल अग्रवाल आगे कहते हैं कि जापान

में कंपनी की बिक्री सही नहीं मानी जाती है। करीब 3 साल पहले अनिल अग्रवाल ने अवानस्ट्रेट के अधिग्रहण के लिए सफलता हासिल कर ली। इस कंपनी के ताइवान, कोरिया और जापान में 2500 से ज्यादा कर्मचारी हैं।

आपको बता दें कि अवानस्ट्रेट मदर ग्लास बनाती है। हाल ही में वेदांता ने ताइवान की फॉक्सकॉन के साथ मिलकर गुजरात में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले प्रोडक्शन प्लांट लगाने का ऐलान किया है।

रिजर्व बैंक ने बाबाजी दाते बैंक बंद किया

ग्राहक नहीं निकाल सकेंगे पैसे

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। आरबीआई ने एक और बैंक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। केंद्रीय बैंक ने इस बैंक के कारोबार को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश दिया है। आरबीआई ने जिस बैंक के खिलाफ कार्रवाई की है उसका नाम बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक लिमिटेड है। यह बैंक महाराष्ट्र के यवतमाल का है। आरबीआई के अनुसार बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं बची हैं। इसे देखते हुए ही यह फैसला लिया गया है। बैंक के आंकड़ों का जिक्र करते हुए आरबीआई ने कहा है कि लगभग 79 जमाकर्ता, जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (डीआईसीजीसी) के तहत

अपनी पूरी जमा राशि पाने के हकदार हैं। डीआईसीजीसी ने 16 अक्टूबर 2022 तक पहले ही कुल बीमित जमा राशि का 294.64 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। आरबीआई ने कहा है कि बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द होने के बाद उसे बैंकिंग व्यवसाय करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। उसके जमा राशि लेने और भुगतान करने पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया गया है। शुक्रवार 11 नवंबर 2022 को कारोबार बंद होने के बाद बाबाजी दाते महिला सहकारी बैंक का लाइसेंस रद्द करने की घोषणा करते हुए रिजर्व बैंक ने कहा है कि बैंक के पास पर्याप्त पूंजी और कमाई की संभावनाएं नहीं हैं। रिजर्व बैंक ने कहा है कि बैंक अपनी वर्तमान वित्तीय स्थिति के साथ अपने वर्तमान जमाकर्ताओं को पूर्ण भुगतान करने में असमर्थ होगा और अगर बैंक को अपना कारोबार आगे बढ़ाने की अनुमति दी जाती है तो यह जनहित में नहीं होगा।

एलन मस्क का ट्विटर: हफ्ते में 80 घंटे काम, नो वर्क फ्रॉम होम, नो फूड, कर्मचारियों के लिए मस्क का नया फरमान

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क ने हाल ही में 50 फीसदी से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया और फिर कुछ को काम पर वापस बुलाया गया।अब बाकी बचे ट्विटर कर्मचारियों को अतिरिक्त काम का दबाव बनाया जा रहा है। कहा जा रहा है कि ट्विटर के नए बॉस मस्क ने कर्मचारियों को हफ्ते में 80 घंटे काम करने के लिए चेताया है। साथ ही ये भी दावे कि जा रहे हैं कि कर्मचारियों को मिलने वाला फ्री फूड यानी मुफ्त खाने की सुविधा भी खत्म की जाएगी। वहीं वर्क फ्रॉम होम की सुविधा को भी बंद कर दिया गया है। बता दें कि ट्विटर ने शुक्रवार को ब्लू टिक

सब्सक्राइबर सेवा को भी रोक दिया है। एलन मस्क ने फरमान जारी करते हुए कहा है कि जो भी कर्मचारी ऑफिस नहीं आएगा, यह मान लिया जाएगा कि उसने इस्तीफा दे दिया है। अभी हाल ही में ट्विटर ब्लू वेरिफिकेशन को लेकर मस्क ने कर्मचारियों को अल्टीमेटम देते हुए पेड वेरिफिकेशन की डेडलाइन को जल्द पूरा करने का आदेश दिया था। साथ ही मस्क का यह भी कहना था कि अगर अधिकारी अपनी डेडलाइन को पूरा नहीं करते हैं, तो उनकी छुट्टी कर दी जाएगी। दरअसल मस्क को तमाम बदलाव के बीच कंपनी के दिवालिया होने की चिंता सता रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, कर्मचारियों के साथ हुई मीटिंग में एलन मस्क ने कहा है कि ट्विटर के दिवालिया होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मस्क ने दो हफ्ते पहले ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था और उसके बाद ही कई क्रेडिट एक्सपर्ट्स ने कहा था कि इस महंगे सौदे का सीधा असर ट्विटर की वित्तीय स्थिति पर पड़ेगी। वित्तीय स्थिति को ठीक करने के लिए मस्क पेड वेरिफिकेशन फीचर को लेकर आए थे। हालांकि, ट्विटर ने शुक्रवार को फिलहाल ब्लू टिक सब्सक्राइबर सेवा को भी रोक दिया। मस्क के ट्विटर खरीदने से पहले तक ब्लू टिक सिर्फ सेलिब्रिटीज, पत्रकारों, नेताओं आदि को ही मिलता था और ट्विटर इन खातों को प्रमाणित करता था। मस्क के नए नियम के अनुसार अब एक फोन, क्रेडिट कार्ड और हर महीने 8 डॉलर खर्च करने की क्षमता रखने वाला कोई भी शख्स ब्लू टिक हासिल कर सकता है। अमेरिका में जैसे ही यह नियम लागू हुआ कई फर्जी खाताधारकों ने 8 डॉलर का भुगतान कर ब्लू टिक हासिल कर लिया और इसके बाद इन खातों से फेक ट्वीट किए गए।

ट्विटर और फेसबुक के बाद अब अमेजन में छंटनी की तैयारी, हायरिंग स्थगित

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ट्विटर और मेटा में छंटनी के बाद अब दुनिया की सबसे बड़ी ऑनलाइन रिटेल स्टोर कंपनी अमेजन के कर्मचारियों पर भी नौकरी जाने का खतरा मंडरा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेजन भी अपने कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रहा है। कंपनी ने नए कर्मचारियों की भर्ती पहले से बंद कर रखी है। कंपनी की आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए हायरिंग की प्रक्रिया फिलहाल स्थगित है। बता दें कि इससे पहले फेसबुक की पैतृक कंपनी मेटा अपने 11000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा चुकी है। खबरों के अनुसार अमेरिकी प्राद्योगिकी और ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने बढ़ती आर्थिक मंदी की आशंका के बीच गैरलाभकारी खर्चों को कम करना शुरू कर दिया है। अमेजन के एक शीर्ष कार्यकारी की तरफ से भेजे गए इंटरनल मेमो के अनुसार कंपनी ने पिछले हफ्ते ही हायरिंग रोकने की घोषणा की थी। इसके बाद कयास लगने शुरू हो गए हैं कि कंपनी अपने कर्मचारियों की संख्या में भी कटौती कर सकती है। अमेजन में करने वाले एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर जेमी झांग ने लिंक्डइन पर अपने कनेक्शन की सूचना देते हुए बताया कि उन्हें कंपनी से निकाल दिया गया है। एक अन्य पूर्व कर्मचारी के एक में भी यह बात कही गई कि कंपनी की पूरी रोबोटिक्स टीम को पिंक चिट दी गई थी। बता दें कि लिंक्डइन के आंकड़ों के मुताबिक, कंपनी के रोबोटिक्स डिवीजन में कम से कम 3,766 लोग कार्यरत हैं। उनमें से कितने लोगों को हटाया गया है यह अब तक स्पष्ट नहीं है।

देश के आखिरी गांव में अलग कानून:4 शादियां कर सकती है महिला

देश का आखिरी गांव छितकुल

देश का आखिरी बस स्टैंड
यहां दिन में सिर्फ दो बसें आती हैं। एक बस रिकांग पिओ और दूसरी चंडीगढ़ जाती है।

आखिरी पोस्ट ऑफिस
छितकुल के पोस्ट ऑफिस में सिर्फ दो लोग काम करते हैं। यहां 15 साल पहले आखिरी चिट्ठी आई थी।

आखिरी स्कूल
यहां पहली से 10वीं तक की पढ़ाई हो सकती है। स्कूल में सिर्फ 21 बच्चे पढ़ते हैं। इनके लिए भी एक ही टीचर है।

आखिरी ढाबा
ये ढाबा टूरिस्ट स्पॉट बन चुका है। इसकी दीवारों पर यहां खाना खा चुके सेलेब्रिटी की फोटो लगी हैं।

टोपी बताती है पत्नी के साथ कमरे में कौन

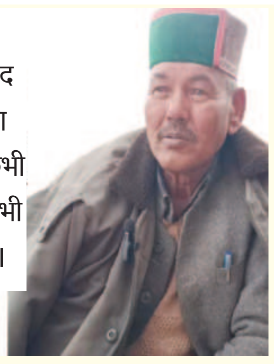

गांव में होने वाले विवाद पंचायतों में ही सुलझा लिए जाते हैं। कभी-कभी कोई बडा मामला हो तभी पुलिस यहां आती है।

शंकर लाल

भारत-चीन युद्ध से पहले हम यहां से बकरी, जौ, आटा वहां ले जाते थे और वहां से हमें नमक, ऊन और परमीना शॉल जैसी चीजें मिलती थीं।

जिया लाल

हिंदू धर्म की तरह दूल्हा-दुल्हन सात फेरे नहीं लेते। दूल्हा गोल्ड से बने तरमौर नाम का गहना पहनाकर महिला को अपनी पत्नी बनाता है।

सुभाष नेगी
गांव प्रधान

गांव में 471 वोटर हैं। पिछली बार यहां 72% वोटिंग हुई थी। इस बार इससे ज्यादा की उम्मीद है। मौसम अच्छा है इसलिए तैयारी में कोई दिक्कत नहीं हुई है ।

राकेश चंद नेगी
सेक्टर ऑफिसर

शिमला, 12 नवंबर (एजेंसियां)। हिमाचल में आज विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग है। बीते 2 महीने से राज्य में चुनाव प्रचार की धूम थी और अब 8 दिसंबर को आने वाले रिजल्ट का इंतजार है। यहीं एक गांव ऐसा भी है, जो इस शोर-शराबे से दूर है। ये भारत का आखिरी गांव कहलाता है। देश का आखिरी बस स्टैंड, आखिरी स्कूल, आखिरी पोस्ट ऑफिस और आखिरी ढाबा भी यहीं है। चीन-तिब्बत की सीमा पर मौजूद इस गांव में 471 वोटर हैं, लेकिन यहां के रीति-रिवाज बिल्कुल हटकर हैं। देवी को पूजने वाले इस गांव में एक महिला दो या दो से ज्यादा पुरुषों से शादी कर सकती है। यही नहीं बेटियों को पैतृक संपत्ति में हिस्सा नहीं दिया जाता। बाहरी लोगों की परछाई खाने पर पड़ जाए तो उसे फेंक दिया जाता है। ये कहानी है भारत-तिब्बत ओल्ड रोड पर सांगला से 28 किलोमीटर दूर बसे खूबसूरत छितकुल गांव की। यहां से तिब्बत-चीन बॉर्डर करीब 60 किलोमीटर दूर है। पहले बॉर्डर के उस पार आना-जाना भी होता था, लेकिन 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद से सब बंद है।

दुनिया की सबसे खतरनाक सड़कों का सफर

दिल्ली से 602 किलोमीटर का लंबा सफर कर मैं छितकुल पहुंचा। सर्दियां शुरू हो चुकी हैं, पास के पहाड़ों पर बर्फ नजर आने लगी है। शिमला से नारकंडा, रामपुर, सराहन, वांगटू, करच्छम, सांगला होते हुए और दुनिया की कुछ सबसे खतरनाक सड़कों से गुजरते हुए मैं देश के आखिरी बस स्टॉप पर उतरता हूं।

बस के ड्राइवर शर्मित कुमार बताते हैं- यह देश का आखिरी बस स्टॉप है और यह दिन की आखिरी बस है। इसके 18 घंटे बाद ही अगली बस आएगी।

यहां आना बेहद जोखिम भरा है, सड़कें इतनी संकरी हैं कि जरा सी चूक और आप कई सौ फीट गहरी खाई में गिर जाएंगे। बर्फबारी के मौसम में मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। सड़कों पर बर्फ की चिकनी परत जम जाती है, जिससे टायर फिसलते हैं और अचानक ब्रेक लगाना पड़े तो जान ही निकल जाती है।

महिला को 4 शादियों की आजादी, 4 भाई बनते हैं पति

छितकुल की अनसुनी परंपराओं के बारे में बातचीत के लिए सबसे पहले मैं गांव के प्रधान सुभाष नेगी के पास पहुंचा। नेगी चुनाव की तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। परंपराओं से जुड़े मेरे सवालों का रुककर जवाब देते हैं। सुभाष नेगी बताते हैं- छितकुल की संस्कृति, रहन-सहन, खान-पान और कई कानून भी देश के दूसरे हिस्सों से बिल्कुल अलग हैं। यहां देश के बाकी हिस्सों की तरह हिंदू मैरिज एक्ट और सक्सेशन एक्ट (उत्तराधिकार कानून) लागू नहीं होता। महिलाओं को 4 शादियां करने की आजादी है। ज्यादातर मामलों में महिलाएं एक ही परिवार के 2 या 4 भाइयों से शादी करती हैं। ऐसा होना जरूरी नहीं है, लेकिन अक्सर ऐसा ही होता है। ये महिला अपने सभी पतियों के साथ एक ही घर में रहती है।

500 साल पुराना माथी मंदिर

गांव में बना मंदिर करीब 500 साल पुराना है। इसमें बाहरी लोगों की एंट्री बैन है। गांववालों का दावा है कि बद्रीनाथ, द्वारका, जगन्नाथ पुरी और रामेश्वरम के बाद यह देश का 5वां धाम है।

ये परंपरा कहां से आई?

मेरे इस सवाल का जवाब पास खड़े पूर्व उप प्रधान अरविंद नेगी देते हैं- माना जाता है कि महाभारत काल के दौरान पांडव जब अज्ञातवास पर थे, तब वे यहां आए थे। सर्दियों के दौरान गांव की एक गुफा में द्रौपदी और कुंती के साथ उन्होंने कुछ वक्त बिताया था। बाद में यहां के स्थानीय लोगों ने भी कई पतियों वाली परंपरा को अपना लिया। इसे स्थानीय भाषा में घोटुल प्रथा भी कहते हैं।

4 पति एक पत्नी के साथ मैनेज कैसे करते हैं?

इसके जवाब में अरविंद मुस्कुराते हुए बताते हैं- शादी के बाद अगर कोई भाई पत्नी के साथ कमरे में है, तो वह कमरे के दरवाजे के बाहर अपनी टोपी रख देता है। जो इस बात की पहचान है कि पति-पत्नी एकांत चाहते हैं। ऐसे में उसके दूसरे पति कमरे में नहीं जा सकते।

शादी में बलि दी जाती है, 7 फेरे भी नहीं लेते

अरविंद को बीच में टोकते हुए प्रधान सुभाष नेगी बोलना शुरू करते हैं- हमारे यहां शादी की भी अलग परंपरा है। यहां देवी-देवता की मर्जी से ही शादी होती है। शादी से पहले यहां मंदिर में बलि दी जाती है। इसके बाद देवता को घर लाया जाता है। दुल्हन के घर जाने से पहले पुजारी नदी और नालों के पास बुरी शक्तियों को भगाने की पूजा करते हैं। शादी से ठीक पहले दूल्हा-दुल्हन मंदिर में पूजा के लिए जाते हैं। दहेज लेने और देने दोनों पर रोक है।

संपत्ति में बेटियों को हिस्सा नहीं मिलता

इस गांव के लोग सक्सेशन एक्ट (उत्तराधिकार कानून) को भी नहीं मानते। सुभाष नेगी के मुताबिक छितकुल की परंपरा के मुताबिक लड़की का पिता की संपत्ति पर कोई हक नहीं होता, न ही उसे हिस्सा दिया जाता है। जिस परिवार में सिर्फ लड़कियां है, वहां सिर्फ कुंवारे होने तक ही लड़कियों को पिता की संपत्ति के इस्तेमाल का अधिकार दिया जाता है। शादी के बाद सारी प्रॉपर्टी सबसे नजदीकी रिश्तेदारों को ट्रांसफर कर दी जाती है। पोलिनिरी सिस्टम (एक से ज्यादा लाइफ पार्टनर होना) के कारण एक पिता के निधन के बाद दूसरे पिता को संपत्ति ट्रांसफर हो जाती है और उसके निधन के बाद उसके बच्चे को प्रॉपर्टी मिलती है।

खाने पर बाहरी की परछाई पड़ी तो फेंक देते हैं

गांव के प्रधान सुभाष और अरविंद चुनाव की तैयारियों के लिए निकल जाते हैं, तो मैं गांव में अकेले घूमने निकलता हूं। गांव के मुख्य चौक से थोड़ा आगे बढ़ने पर एक शादी का पंडाल नजर आता है। यहां चेतराम नेगी खाने-पीने का अरेंजमेंट देख रहे थे। मैं जैसे ही कैमरा निकालकर फोटो लेने लगता हूं तो चेतराम भड़क जाते हैं। कहते हैं- बाहरी लोगों के लिए गांव में सख्त नियम हैं। खाना बनाने के दौरान अगर बाहरी व्यक्ति उसे छू देता है या उसकी परछाई भी खाने पर पड़ जाती है तो वह खाना फेंक दिया जाता है। वजह है कि यह खाना सबसे पहले उनकी कुल देवी को चढ़ाया जाता है, इसके बाद ही उसे कोई खा सकता है। शादी में पूरे गांव को निमंत्रण दिया जाता है। लड़की के परिवार के लिए पूरे गांव को खाना खिलाना जरूरी होता है।

अदालत-पुलिस की जरूरत नहीं

गांव के ही शंकर लाल बताते हैं कि छितकुल के लोग पुलिस और अदालतों पर ज्यादा भरोसा नहीं रखते हैं। 59 साल उम्र होने के बावजूद वे आज तक पुलिस स्टेशन या अदालत नहीं गए। बॉर्डर एरिया होने के कारण पुलिस सिर्फ पेट्रोलिंग के लिए ही आती है। छितकुल में भेड़-बकरी पालन और खेतीबाड़ी ही इनकम का बड़ा सोर्स है। हालांकि पिछले कुछ साल के दौरान यहां टूरिज्म बढ़ने के बाद कई होटल और होमस्टे भी खुले हैं। यहां सबसे ज्यादा टूरिस्ट अप्रैल से सितंबर के बीच ही आते हैं।

चीन के पास भी है 'मदर ऑफ ऑल बम'

जिनपिंग के जखीरे का सबसे ताकतवर हथियार

शिन्हुआ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। चीन के विशालकाय हवा से गिराए जाने वाले रहस्यमय बम का नया लुक सामने आया है। पिछली रिपोर्ट्स में कहा गया था कि यह एक थर्मोबैरिक टाइप हो सकता है जो अमेरिकी वायु सेना के जीबीयू-43/बी मैसिव ऑर्डिनेंस एयर ब्लास्ट बम के समान है, जिसे 'मदर ऑफ ऑल बम' के रूप में भी जाना जाता है। बम का नया लुक एक क्लिप में देखा गया है जो एक बड़े वीडियो का हिस्सा है। इस वीडियो को हाल ही में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स ने चीन की सोशल मीडिया वेबसाइट वीबो पर अपलोड किया है। पूरा वीडियो 11 नवंबर 1949 को पी लाफ की स्थापना की 73वीं वर्षगांठ के अवसर पर शेयर किया गया है।

अनगाइडेड बमों जैसा डिजाइन

वीडियो में बम या उसके नाम के बारे में कोई विशेष जानकारी शामिल नहीं है। लेकिन यह जियान एच-6-सीरीज के बॉम्बर से गिरता दिखाई दे रहा है। द ड्राइव

की खबर के अनुसार, बाहर से यह बम बेहद खतरनाक नजर आ रहा है। इसके आकार और बाहरी बनावट को देखकर, इस बात का अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि इसके अंदर क्या है। इसके अगले हिस्से पर एक फ्यूज और पीछे की तरफ छह पंख दिखाई दे रहे हैं जो एक रिंग से जुड़े हुए हैं। इस बात के कोई संकेत नहीं हैं कि बम के पास एक गाइडेंस पैकेज है। इसकी पूंछ का डिजाइन पुराने चीनी अनगाइडेड बमों और सोवियत डिजाइन हथियारों जैसा है।

मदर ऑफ ऑल बम की चीनी संस्करण

पहली बार यह बम 2019 में जारी किए गए एक प्रमोशनल वीडियो में सामने आया था। चीन की सरकारी हथियार निर्माता कंपनी नोर ईनको ने यह वीडियो शेयर किया था। चीन ने वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, 'यह पहली बार है जब इस नए बम की विनाशकारी शक्तियां सब के सामने आई हैं।' चीन की मीडिया में इसे 'मदर ऑफ ऑल बम' का चीनी संस्करण कहा जाता है।

चीन का सबसे शक्तिशाली नॉन-न्यूक्लियर हथियार

चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक यह देश का सबसे शक्तिशाली नॉन-न्यूक्लियर बम है और इसके विशालकाय आकार के कारण एच-6के बॉम्बर एक समय में सिर्फ एक ही बम के साथ उड़ सकता है। अभी तक न नोरिंका और न पीएलए, किसी ने भी इस बम के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की है। ग्लोबल टाइम्स ने 2019 में बीजिंग में एक स्वतंत्र सैन्य विश्लेषक वेई डोंगक्सू का हवाला देते हुए कहा, 'वीडियो और एच-6के के बम बे के आकार को देखते हुए, यह बम करीब पांच से छह मीटर लंबा है।'

खेरसॉन हमारा है, दूसरे शहर भी लेंगे वापस

रूसी सेना के पीछे हटने के बाद गरजे राष्ट्रपति जेलेंस्की

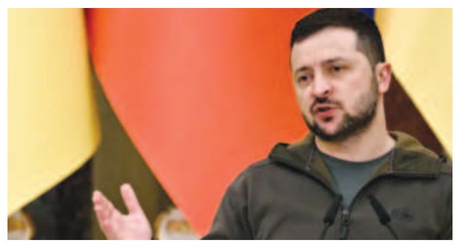

कीव, 12 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के खेरसॉन में रूसी बलों की वापसी के बाद यूक्रेनी बल शहर पर फिर से कब्जा करने की दिशा में सावधानी से आगे बढ़ रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि देश खेरसॉन शहर को वापस ले रहा है। उन्होंने शुक्रवार को कहा, 'हमारे लोग, हमारा खेरसॉन। आज का दिन ऐतिहासिक है। हम खेरसॉन को वापस अपने देश से मिल रहे हैं। खेरसॉन के लोग इंतजार करते रहे। उन्होंने यूक्रेन कभी नहीं छोड़ा। ऐसा ही उन शहरों में भी होगा जहां की जनता अभी भी हमारा इंतजार कर रही है। हम उन्हें वापस अपने साथ मिला लेंगे।' राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि विशेष सैन्य इकाइयों ने खेरसॉन शहर में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा कि हमारे सैनिक शहर के पास पहुंच रहे हैं। थोड़ी देर में हम प्रवेश करने वाले हैं, लेकिन विशेष यूनिट्स पहले से ही शहर में हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा था कि उसने यूक्रेन के दक्षिणी खेरसॉन क्षेत्र में नीपर नदी के पश्चिमी किनारे से अपने सभी सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है। यह कदम यूक्रेन में युद्ध के दौरान रूस के लिए एक और झटका माना जा रहा है।

मॉस्को ने यूक्रेन पर अपने हमलों के दौरान किया था कब्जा

रूस की सरकारी समाचार एजेंसियों ने मंत्रालय के हवाले से कहा कि शुक्रवार सुबह पांच बजे सैनिकों की वापसी पूरी की गई और अब एक भी सैन्य इकाई वहां नहीं बची है। जिन क्षेत्रों से रूस की सेना ने वापसी की है, उनमें खेरसॉन शहर भी शामिल है। यह एकमात्र क्षेत्रीय राजधानी है जिस पर मॉस्को ने यूक्रेन पर अपने हमलों के दौरान कब्जा किया था। सोशल मीडिया पर उपलब्ध वीडियो और तस्वीरों में स्थानीय लोग गलियों में खुशियां मनाते और मार्च की शुरुआत के बाद से पहली बार खेरसॉन के एक स्मारक पर यूक्रेनी झंडा फहराते दिखे।

चीन में जीरो कोविड पॉलिसी में दी गई ढील

शिन्हुआ, 12 नवंबर (एजेंसियां)। चीन ने कोविड-19 के घटते प्रभावों को देखते हुए नागरिकों को राहत देने की घोषणा की है. चीन ने इसे देखते हुए अपने कुछ कड़े कोविड -19 प्रतिबंधों में ढील देने का फैसला किया है. राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने (10 नवंबर) को चीन में कोविड-19 की रोकथाम और नियंत्रण को और बेहतर बनाने के लिए नए उपायों की घोषणा की. घोषणा के अनुसार, चीन ने कोरोना प्रतिबंधों में ढील देते हुए इनबाउंड यात्रियों के लिए क्वारंटाइन अवधि को 10 दिनों से घटाकर सात कर दिया गया. इसके अलावा उड़ान मार्गों के स्नैप क्लोजर को समाप्त कर दिया गया है. ताजा घोषणा के मुताबिक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने कहा कि वह सेकेंडरी क्लोज कॉन्टेक्ट की पहचान करने और उन्हें अलग करने की आवश्यकता को खत्म कर रहा है.

हवाई यात्रा से पहले कोरोना रिपोर्ट में छूट

नोटिस में कहा गया है कि इनबाउंड यात्रियों को अभी भी छह न्यूक्लिक एसिड परीक्षणों से गुजरना होगा और उन सात दिनों के दौरान स्वतंत्र रूप से बाहर घूमने की अनुमति नहीं दी जाएगी. साथ ही इसमें कहा गया है कि यात्रियों को चीन में बोर्डिंग उड़ानों के 48 घंटों के भीतर केवल एक नेगेटिव कोविड टेस्ट रिपोर्ट दिखाने की आवश्यकता होगी. अभी तक चीन में यात्रियों को उड़ान से पहले

दो कोरोना नेगेटिव टेस्ट रिपोर्ट देना अनिवार्य था, जिसे घटाकर अब एक कर दिया गया है. चीन में नए नियमों के तहत महत्वपूर्ण कारोबारियों और खेल समूहों को विशेषाधिकार देते हुए उनके लिए क्वारंटाइन की बाध्यता को खत्म कर दिया गया है.

कोविड नियमों ने चीनी नागरिकों की बढ़ाई टेंशन

चीन में कोरोना महामारी को कंट्रोल करने को लेकर सख्त नियमों का पालन किया जा रहा है. चीनी सरकार के कोविड-19 के कड़े नियम से आम लोगों भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था. चीन में किसी भी इलाके में एक कोरोना मामला आने पर उस पूरे इलाके को सील कर दिया जाता था, इस नियम से चीनी नागरिक सबसे ज्यादा परेशान थे. हालांकि, इतने सख्त नियमों के पीछे वजह कोरोना को फैलने से रोकना था लेकिन इसके कई दुष्प्रभाव भी देखने को मिले. चीन की इन सख्त नीतियों के कारण देश की आर्थिक गतिविधियों पर इसका नकारात्मक प्रभाव देखने को मिला. इसके चलते चीन के आर्थिक विकास में कमी देखने को मिली.

पानीपत में 2 भाइयों पर जानलेवा हमला

पानीपत, 12 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत शहर के कच्चा कैंप स्थित एक फैक्ट्री में मशीन खराब होने पर दो सगे भाइयों पर मालिक ने अपने मुनीम व बाहरी दो -तीन व्यक्तियों के साथ मिलकर उन पर हमला किया।आरोपियों ने उन पर सरिए, रॉड और लात-घूंस बरसाए। इसके बाद उन्हें जान से मारने की धमकी देते हुए अधमरी हालत में फैक्ट्री से बाहर फेंक दिया। दोनों भाइयों को सिविल अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के बाद एक को रेफर कर दिया व दूसरे को छुट्टी दे दी गई। मामले में शिकायत देने के दो दिन बाद पुलिस ने आरोपी फैक्ट्री मालिक, मुनीम समेत अन्यों के खिलाफ आईपीसी की धारा 323, 34 व 506 के तहत केस दर्ज कर लिया है।

दुनिया में बढ़ रही चीनी पुलिस स्टेशनों की संख्या

ड्रैगन ने 21 देशों के 25 शहरों में अवैध थाने खोले, यहां अपने ही नागरिकों को टॉर्चर कर रहा

टोरंटो (कनाडा), 12 नवंबर (एजेंसियां)। एक एक्टिविस्ट ग्रुप ने दावा किया है कि चीन दुनियाभर में अवैध पुलिस स्टेशन खोल रहा है। पॉलिटिकल एक्टिविस्ट्स और दूसरे देशों में रहने वाले चीनी नागरिकों को यहां बंदी बनाकर रखा जा रहा है। चीन की दूसरे देशों में ऐसी दखलंदाजी खतरे की घंटी है। इंटरनेशनल फोरम फॉर राइट एंड सिक्योरिटी ने कुछ रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए कहा- चीन ने नीदरलैंड, कनाडा, आयरलैंड, नाइजीरिया समेत 21 देशों के 25 शहरों में अवैध पुलिस स्टेशन बनाए हैं। ये सीधे तौर पर किसी भी देश की संप्रभुता और सुरक्षा के खिलाफ है।

अवैध पुलिस स्टेशनों के सिर्फ 2 मकसद

इंटरनेशनल फोरम ने स्पेन के सिविल साइट ग्रुप का हवाला देते हुए कहा- चीन के फूजौ और किंग्टियन शहर में बैठे अधिकारी अवैध पुलिस स्टेशन को चला रहे हैं। उनके सुपरविजन में यहां लोगों को बंदी बनाया जा रहा है। इन

पुलिस स्टेशनों के दो ही मकसद हैं। पहला- दूसरे देशों में रह रहे चीनी प्रवासियों को वापस चीन जाने के लिए राजी करना। दूसरा- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और प्रेसिडेंट शी जिनपिंग के खिलाफ जाने वाले या आवाज उठाने वालों को डराना, धमकाना और टॉर्चर करना।

चीन का जवाब साफ नहीं

इस मामले में चीन की तरफ से कोई साफ जवाब नहीं मिला है। हालांकि, चीन सरकार के अधिकारियों ने इस दावे को खारिज भी नहीं किया है। कनाडा में स्थित चाइनीज ऐंबैसी का कहना है कि ये पुलिस स्टेशन देश में रहने वाले चीनी नागरिकों की मदद के लिए बनाए गए हैं। फोरम के मुताबिक, कुछ ऐसे डॉक्युमेंट्स भी सामने आए हैं जिसमें ये कहा गया है कि अवैध पुलिस स्टेशन कई साल पुराने हैं, इनकी जानकारी अभी सामने आई है।

दूसरे देशों की जासूसी करता है चीन

चीन अफ्रीका में ऐसे ही जासूसी करता था। अब दूसरे देशों में भी जाल बिछा रहा है। 2018 में इथोरिया की राजधानी में अदीस अबाबा में अफ्रीकन यूनियन बिल्डिंग में कुछ सर्वर मिले थे। चीन ने एक ऐसा डिजिटल नेटवर्क बनाया था जिनसे सीक्रेट डेटा और वीडियोज चीनी सरकार के पास ट्रांस्फर किए जाते थे।

रूस, व्लादिमीर पुतिन और चीन को लेकर बोरिस जॉनसन ने कर दी तीन बड़ी भविष्यवाणियां

नई दिल्ली, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने रूस, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन को लेकर तीन बड़ी भविष्यवाणियां की हैं। जॉनसन ने कहा कि उनकी पहली भविष्यवाणी यह है कि पुतिन यूक्रेन से जंग हारेंगे। जॉनसन ने कहा- पुतिन यूक्रेन में युद्ध हार जाएंगे और वह इसी के लायक हैं। जॉनसन ने कहा कि पुतिन ऐसी लड़ाई लड़ रहे हैं जिसे कभी जीता नहीं जा सकता। जॉनसन ने दूसरी भविष्यवाणी में कहा कि रूस का सैन्य उपकरणों का निर्यात बुरी तरह बिगड़ेगा। तीसरी भविष्यवाणी में उन्होंने कहा कि रूस कमजोर होगा और चीन मजबूत होगा। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि हम खतरनाक समय में जी रहे हैं और निरंकुश शासकों के गैर जिम्मेदार और खतरनाक व्यवहार के खिलाफ ब्रिटेन और भारत को साथ आना होगा। जॉनसन ने कहा कि यूक्रेन से युद्ध पुतिन हारेगा लेकिन ये हमारी चिंता का विषय नहीं है कि वो कैसे अपनी हार मानेंगे। उन्होंने कहा कि आखिरकार पुतिन प्रोपेगंडा के उस्ताद हैं और अपने लोगों को वो काला को सफेद भी समझा सकते हैं। हारने के बाद भी पुतिन अपने लोगों से यह कह सकते हैं कि हमने जिस मकसद से यूक्रेन पर हमला किया था, वो हमने हासिल कर लिया है और हमारी जीत हुई है।

लालू को बेटी देगी किडनी

एक्सक्लूसिव डेस्क, 12 नवंबर। लालू प्रसाद यादव किडनी से जुड़ी प्रॉब्लम का सामना कर रहे हैं। पिछले महीने वे सिंगापुर अपनी बेटी रोहिणी आचार्य के पास गए थे। वहां के डॉक्टर्स ने उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी। जिसके बाद रोहिणी ने अपने पिता को किडनी देने का फैसला किया है। लालू के इसी महीने दोबारा सिंगापुर जाने की संभावना है ताकि किडनी ट्रांसप्लांट हो सके।

किडनी ट्रांसप्लांट को लेकर कई तरह की मिथ है, आज जानेंगे कि किडनी ट्रांसप्लांट की नौबत आती ही क्यों है? किडनी का हमारे शरीर में काम क्या है?

किडनी की जिम्मेदारी क्या होती है?

स्कूल के दिनों से हम दो बात जानते हैं कि इंसान के शरीर में दो किडनी होती है। दूसरी बात यह कि एक खराब हो जाए तो दूसरी किडनी से काम चल सकता है।

साइंस के हिसाब से समझें तो किडनी बीन के आकार वाला ऑर्गन है। यह रीढ़ के दोनों तरफ आंत के नीचे और पेट के पीछे की तरफ होती है।

हमारी किडनी 4 से 5 इंच की होती है। इसका काम खून की सफाई करना है। इस काम में नेफ्रॉन मदद करता है। सरल तरह से समझें तो यह छन्नी की तरह लगातार काम करती है। जो भी वेस्ट हमारे शरीर के अंदर जाता है उसे दूर करती है। और हां, किडनी फ्लूड और इलेक्ट्रोलाइट्स का लेवल सही रखती हैं।

नेफ्रॉन क्या होते हैं?

जैसे ही खून इंसान की किडनी में पहुंचता है, वेस्ट दूर होने का काम शुरू हो जाता है। पानी, नमक और मिनरल भी एडजस्ट होने लगते हैं। वेस्ट यूरिन में बदल कर निकल जाता है। यह सब नेफ्रॉन की मदद से होता है। हर किडनी में लाखों छोटे फिल्टर होते हैं जिन्हें नेफ्रॉन कहते हैं। खून अगर किडनी में जाना बंद हो जाए तो उसका वो हिस्सा काम करना बंद कर देगा इससे किडनी फेल हो सकती है।

किडनी फेल या खराब हो जाए, तो क्या होता है?

किडनी काम ठीक से नहीं कर पाती है इसलिए शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ जाती है और सूजन आ जाती है। ऐसी सिचुएशन में किडनी ट्रांसप्लांट किया जाता है।

इन 5 वजहों से नहीं हो सकता मरीज का किडनी ट्रांसप्लांट

- हार्ट की बीमारी गंभीर हो
- उम्र बढ़ने पर
- लिवर की बीमारी
- कैंसर है या हो चुका है
- मानसिक बीमारी

अंगदान में पुरुषों से आगे महिलाएं, किडनी डोनेशन के बाद प्रेग्नेंसी में होगी दिक्कत?

महिलाएं पुरुषों की तुलना में अंगदान करने में आगे होती है। नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (एनओटीटीओ) के मुताबिक पिछले 20 सालों में भारत में अंगदान करने वालों में 78 से 80% महिलाएं हैं।

सिर्फ भारत में ही नहीं अमेरिका और स्विट्जरलैंड में भी यही हाल है। अमेरिका में अंगदान करने वाली 60% महिलाएं हैं। वहीं स्विटजरलैंड में 63फीसद किडनी ट्रांसप्लांट में से 22% महिलाओं ने अपने पुरुष साथियों को अंग दिए जबकि कुल पुरुषों की तादाद महज 8% थी।

किडनी के मरीजों के लिए उम्मीद की नई किरण

ब्रिटेन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने किडनी डोनेट करने वालों के ब्लड ग्रुप को ही बदल दिया। ये शोध उन लोगों के लिए एक नई उम्मीद की किरण हैं, जो किडनी ट्रांसप्लांट का काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। इससे अंगों की कमी से निपटने में भी मदद मिलेगी।

किडनी ट्रांसप्लांट के लिए किडनी मैच होना जरूरी है?

बिल्कुल, जरूरी है। मान लीजिए पहले व्यक्ति का ब्लड ग्रुप ए है और दूसरे का बी है, तो

> कहा जा रहा है कि लालू यादव पहले अपनी बेटी की किडनी लेने के लिए राजी नहीं हुए। बाद में डॉक्टरों ने सुझाव दिया कि परिवार के किसी सदस्य की किडनी का ट्रांसप्लांट कराना ज्यादा प्रभावी होता है।

ऐसे में ए ब्लड ग्रुप वाला व्यक्ति बी वाले को किडनी ट्रांसप्लांट नहीं कर सकता है। न ही बी वाला ए को।

किडनी ट्रांसप्लांट होने के बाद मरीज को किस बात का ख्याल रखना चाहिए?

- धूम्रपान बिल्कुल न करें।
- हेल्दी खाना ही खाएं।
- हाइट के हिसाब से वजन ज्यादा हो, तो उसे और न बढ़ने दें।

किसी भी तरह के इन्फेक्शन से बचने की कोशिश करें।

किडनी खराब होने के शुरुआती लक्षण के बारे में बता सकते हैं क्या?

शुरुआती लक्षणों को पहचानना थोड़ा मुश्किल है। आमतौर से लोग ये तीन सिम्टम्स महसूस करते हैं

- यूरिन कम आना
- फ्लूड रिटेंशन की वजह से लिंब्स में सूजन
- सांस लेने में कठिनाई

क्या किडनी डोनेट करने के बाद भी महिलाएं प्रेग्नेंट हो सकती हैं?

जी बिल्कुल। किडनी डोनेट करने से आपकी प्रेग्नेंसी या बच्चे को जन्म देने में कोई मुश्किल नहीं होगी। किडनी डोनेशन से महिलाओं या पुरुषों को फर्टिलिटी की समस्या नहीं होती है। हालांकि फिर भी महिलाओं को किडनी डोनेट करने के एक साल बाद तक इंतजार करना चाहिए।

ट्रांसप्लांट के बाद मरीज का खानपान

ज्यादातर हल्का, कम फैट वाला, कम नमक वाला खाना ही खाना चाहिए।

हर रोज 8-10 ग्लास पानी जरूर पीना चाहिए।

ज्यादा मात्रा में सोडियम, फॉस्फोरस, पोटैशियम नहीं लेना चाहिए।

पालक, हरा धनिया, अरबी, आलू, शकरकंद बिल्कुल नहीं खाना चाहिए।

नॉन-वेज, बिना धुले फल, बासी खाना और सब्जियां भी नहीं लेनी चाहिए।

किडनी ट्रांसप्लांट के बाद मरीज को डॉक्टर से जरूर सलाह लेनी चाहिए।

कढ़ाई कारीगर की गला रेतकर हत्या

पत्नी दूसरे कमरे में सोती रही, शोर मचने पर पड़ोसी आए तब हत्या का पता चला

गाजियाबाद, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के ट्रोनिका सिटी इलाके में शुक्रवार देर रात एक कढ़ाई कारीगर की धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई। दूसरे कमरे में सो रही पत्नी को इसकी खबर तक नहीं लगी। जब घर में चीख-पुकार मचने के बाद पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया, तब पत्नी को वारदात का पता चला। फिलहाल मृतक की पत्नी ही प्राइम सस्पेक्ट है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र की खुशहाल पार्क कॉलोनी में अयाज का परिवार रहता है। अयाज कपड़ों पर कढ़ाई करने का काम करता था। शुक्रवार रात करीब तीन बजे पड़ोसियों को फैयाज के घर से शोर मचने की आवाज सुनाई दी। वे मौके पर पहुंचे और अयाज का दरवाजा खटखटाया। इसके बाद पत्नी बाहर निकलकर आई और गेट खोला। इसके बाद सभी ने अयाज के कमरे में जाकर देखा तो वो लहूलुहान पड़ा हुआ था। कुछ ही देर बाद अयाज की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर आई और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। गाजियाबाद के एसपी देहात ईरज राजा ने कहा, 'आज रात में सूचना मिली कि मोहम्मद अयाज की किसी व्यक्ति ने घर में घुसकर गला रेतकर हत्या कर दी है। इस सूचना पर पुलिस बल मौके पर आया और सभी बिंदुओं पर छानबीन की। हमें कुछ एविडेंस मिले हैं, जिन्हें हमने फॉरेंसिक टीम से कलेक्ट करवा लिया है। मृतक यहां पर पत्नी और तीन बच्चों के साथ रहते थे।

महादेव सट्टा में शामिल कॉन्स्टेबल का दुबई कनेक्शन

बड़े संचालकों के संपर्क में था सहदेव, कॉल डिटेल में सामने आई बात, कई सफेदपोश हो सकते हैं बेनकाब

रायपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। दुर्ग एसपी अभिषेक पल्लव ने कॉन्स्टेबल सहदेव को महादेव ऑनलाइन सट्टा ऐप में शामिल होने के चलते सस्पेंड कर दिया है। उस पर आरोप है कि वह साल 2020 से कई महीने तक बिना किसी सूचना के गायब रहा। उसकी लगातार महादेव ऐप के संचालकों से बातचीत होती थी और वह खुद भी इसमें शामिल था। इसकी जांच के लिए दो आईपीएस अधिकारियों को लगाया गया है। यदि सारे सबूत सही पाए गए तो सहदेव को नौकरी से बर्खास्त किया जाएगा।

दुर्ग एसपी ने बताया कि दुर्ग में मार्च 2022 में महादेव आईडी के बड़े रैकेट का खुलासा हुआ था। इसमें बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों के शामिल होने की बात सामने आई थी। इस पर तत्कालीन एसपी बीएन मीणा ने 10-15 आरक्षकों को लाइन अटैच किया था। एक्शन के बाद सारे आरक्षकों की फिर से

पदस्थापना की गई, उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच की जा रही थी। इन्हीं कॉन्स्टेबल में सहदेव, भीम और अर्जुन का नाम था। ये तीनों भाई थे। इनके कॉल डिटेल और सीडीआर खंगालने पर सहदेव की भूमिका संदिग्ध नजर आई। वह लगातार कई महीनों से ड्यूटी से गायब था।

साथ ही वह लगातार महादेव ऐप से जुड़े लोगों से बात करता रहा और कई राज्यों में इसकी मौजूदगी भी मिली।

इस मामले की जांच दुर्ग सीएसपी वैभव बैंकर और छावनी सीएसपी प्रभात कुमार को सौंपी गई। दुर्ग एसपी ने सहदेव को सस्पेंड कर दिया है।

दुबई में बैठे सन्नी सतनाम से लगातार करता था बात

पुलिस जांच में पता चला कि सहदेव महादेव सट्टा चलाने वाले और दुबई में बैठे सन्नी सतनाम से लगातार बात करता था। सीडीआर डिटेल में इस बात की पुष्टि हो चुकी है। इतना ही नहीं सहदेव बिना बताए नदारद है और इस दौरान उसका लोकेशन मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र में पाया गया, जहां महादेव ऐप का संचालन किया जा रहा है।

सहदेव सिपाही सबसे पहले स्मृति नगर चौकी में पदस्थ था। यहां 15 अप्रैल 2020 से 17 नवंबर 2020 तक बिना बताए गायब रहा। ये सिलसिला आगे चलता रहा। बाद में इसे लाइन अटैच किया गया। फिर इसकी पदस्थापना कुम्हारी थाने में की गई। यहां 18 अगस्त 2021 से 10 सितंबर 2021, 14 नवंबर 2021 से 20 नवंबर 2021 और फिर 21 नवंबर 2021 से 3 मार्च 2022 तक गायब रहा। मार्च 2022 से अब तक फिर वह बिना किसी सूचना के अनुपस्थित चल रहा था। इसके चलते उसे सस्पेंड किया गया है।

दुर्ग पुलिस की जांच में महादेव ऑनलाइन सट्टा एप से केवल पुलिस के सिपाहियों के नाम ही नहीं जुड़े मिले। इसमें पुलिस के कई अधिकारियों, नेता और पत्रकारों के नाम भी जुड़ चुके हैं। पुलिस इन सभी की जांच कर रही है।

कॉन्स्टेबल भीम ने कहा-भाई होने का झेल रहे दंश

महादेव ऑनलाइन सट्टा से जुड़े सिपाही सहदेव के बड़े भाई भीम और अर्जुन का भी नाम सामने आया है। वह दोनों भी दुर्ग पुलिस में सिपाही हैं। इसके चलते उन्हें लाइन अटैच किया गया। भीम ने भास्कर से बातचीत करते हुए कहा कि उसका और उसके भाई अर्जुन का सहदेव से कोई लेना देना नहीं है। वह जबसे गलत लाइन में गया है उन लोगों ने उससे सारे नाते तोड़ दिए हैं। वह केवल सहदेव के भाई हैं इसका दंश झेल रहे हैं।

एससी-एसटी-ओबीसी आरक्षण खत्म

सरकार ने आरटीआई में दी जानकारी, कहा-हाईकोर्ट के फैसले के बाद आरक्षण नियम-रोस्टर के सक्रिय होने का प्रश्न ही नहीं

रायपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्गों का आरक्षण पूरी तरह खत्म हो चुका है। इसकी जानकारी खुद राज्य सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने सूचना के अधिकार-आरटीआई के तहत दी है। इसमें बताया गया है कि 19 सितम्बर को आये हाईकोर्ट के फैसले के बाद प्रदेश में किसी आरक्षण नियम अथवा रोस्टर के सक्रिय होने का प्रश्न ही नहीं उठ रहा है।

कोरबा के एक व्यक्ति ने सामान्य प्रशासन विभाग से पूछा था कि प्रदेश में 30 सितम्बर तक कौन सा आरक्षण नियम अथवा रोस्टर सक्रिय है। उसके जवाब में सामान्य प्रशासन विभाग ने 4 नवम्बर को एक जवाब भेजा। सूचना का अधिकार-आरटीआई कानून के तहत भेजे गए एक जवाब में सामान्य प्रशासन विभाग के अवर सचिव एसके सिंह ने तस्वीर साफ की है।

उन्होंने लिखा है, हाईकोर्ट बिलासपुर ने 19 सितम्बर को आदेश जारी कर सामान्य प्रशासन विभाग की नवम्बर 2012 में जारी अधिसूचना को असंवैधानिक बताया है। उसमें अनुसूचित जनजाति के लिए 32%, अनुसूचित जाति को 12% और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए 14% आरक्षण का प्रावधान था। राज्य सरकार इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर कर रही है। अतः दिनांक 30 सितम्बर 2022 की स्थिति में आरक्षण नियम अथवा रोस्टर सक्रिय होने का प्रश्न ही उपस्थित नहीं होता।'

इस जवाब से यह स्पष्ट हो गया है कि उच्चतम न्यायालय से उच्च न्यायालय का आदेश स्टे होने तक प्रदेश में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति अथवा पिछड़ा वर्गों को कोई आरक्षण नहीं मिलेगा। हालांकि सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा, इस विषय में राज्य के महाधिवक्ता से कानूनी राय ली जा रही है।

गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी की याचिका पर बिलासपुर उच्च न्यायालय ने 19 सितम्बर को अपना फैसला सुनाया था। उसके बाद से पूरे प्रदेश की राजनीति गर्म हो गई। इसको इस तरह बताने की कोशिश हुई कि उच्च न्यायालय के फैसले से 2012 में बढ़ाया गया आदिवासी आरक्षण 32% से घटकर 20% हो गया है। अनुसूचित जाति का आरक्षण 12% से बढ़कर 16% हो गया है और अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण 14% है। इसको लेकर आदिवासी समाज आंदोलित हो गया। विपक्ष ने भी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला हुआ है। सरकार बार-बार कह रही है कि

आरक्षण पर बड़ा बवंडर

वह आदिवासी आरक्षण को कम नहीं होने देगी। इससे यह बताने की कोशिश हो रही थी कि आरक्षण केवल आदिवासी समाज का प्रभावित हुआ है।

सरकार के विभिन्न विभागों में फैले भ्रम की वजह से मेडिकल कॉलेजों में चल रही प्रवेश प्रक्रिया विवादित हो गई है। संचालक चिकित्सा शिक्षा ने 9 अक्टूबर को प्रवेश के लिए नया आरक्षण रोस्टर जारी किया। इसमें अनुसूचित जनजाति को 20%, अनुसूचित जाति को 16%, अन्य पिछड़ा वर्ग को 14% और सामान्य वर्ग के गरीबों को 10% आरक्षण की व्यवस्था थी। चिकित्सा शिक्षा विभाग की यह व्यवस्था इस समझ पर आधारित थी कि 2012 की आरक्षण व्यवस्था को रद्द करने से वह उससे पहले की स्थिति में पहुंच गई। अब इसके खिलाफ भी उच्च न्यायालय में याचिका लगी हुई है। छत्तीसगढ़ सरकार ने फैसले के एक महीने बाद 21 अक्टूबर को उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दायर की है। इस याचिका में उच्च न्यायालय के आदेश को लागू करने पर फिलहाल के लिए रोक लगाने की मांग की गई है। अभी तक इस याचिका की स्वीकार्यता पर भी सुनवाई नहीं हो पाई है। इस बीच विधानसभा के विशेष सत्र की अधिसूचना जारी हुई है। यह सत्र एक-दो दिसम्बर को होगा। इसमें सरकार संशोधन विधेयक लाकर आरक्षण की व्यवस्था फिर से बहाल करने की कोशिश करेगी। इस सत्र के लिए राज्यपाल अनुसूईया उइके ने पत्र भी लिखा था।

झारखंड में लागू हो पाएगा 77% आरक्षण या बन जाएगा झुनझुना

रांची, 12 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड विधानसभा में मॉनसून सत्र के विस्तारित सत्र में शुक्रवार को झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2022 भी पारित किया गया। इस विधेयक में पिछड़ी जाति का आरक्षण 14से बढ़ा 27 प्रतिशत किया गया है। एससी और एसटी का आरक्षण भी बढ़ाया गया है। अभी झारखंड में एसटी को 26, एससी को 10 और पिछड़ों को 14 फीसदी आरक्षण मिल रहा है। इस विधेयक के कानून बनने और नौवीं अनुसूची में शामिल होने के बाद एसटी को 28, एससी को 12 तथा पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। इसमें अत्यंत पिछड़ा वर्ग(एनेक्सर-1) को 15 तथा पिछड़ा वर्ग (एनेक्सर-2) को 12 फीसदी आरक्षण मिलेगा। आर्थिक रूप से कमजोर को आरक्षण को शामिल कर राज्य में 77 प्रतिशत आरक्षण लागू होगा।

झारखंड सरकार की ओर से शुक्रवार को विधानसभा में रखे गये दो विधेयकों को सदन की मंजूरी मिल गयी। अब इन विधेयकों के

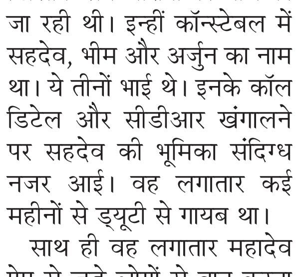

साथ आगे क्या होगा, कानून बनेंगे या लागू हो पाएंगे कि नहीं, यह जानना सबके लिए जरूरी है। विधायी और संवैधानिक विशेषज्ञ अयोध्या नाथ मिश्र ने बताया कि विधेयकों को कई चरणों से गुजरते हुए कानून का रूप लेना है। फिर नौवीं अनुसूची में शामिल होने के बाद ही सरकार इसे लागू करेगी। नौवीं अनुसूची में डालने की लंबी प्रक्रिया है। विधेयकों के हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण की अलग-अलग प्रतियां बनाकर राजभवन भेजी जाएंगी। स्थानीयता की परिभाषा वाले विधेयक में संशोधन प्रस्ताव भी लाया गया है, इसलिए सरकार के विधि विभाग की ओर से संशोधन जोड़कर विधेयक की नई प्रतियां विधानसभा भेजी जायेंगी।

आयकर विभाग ने ईडी को सौंपे शेल कंपनियों के दस्तावेज

रांची, 12 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड समेत चार राज्यों में बीते दिनों हुई छापेमारी के दौरान मिले संदिग्ध दस्तावेजों को आयकर विभाग ने ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के साथ साझा किया है। बताया जाता है कि यह दस्तावेज संदिग्ध शेल कंपनियों से जुड़े हुए हैं। ये कंपनियां अनूप सिंह के रिश्तेदारों की बताई जा रही हैं। बताया जा रहा है कि अब ईडी इसपर जांच कर कार्रवाई कर सकती है। बता दें कि छापेमारी के बाद केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने बयान जारी किया था, जिसमें शेल कंपनियां से जुड़े साक्ष्य मिलने की पुष्टि की गई थी। साथ ही इन कंपनियों के जरिए पैसों के लेनदेन की बात भी सामने आई थी। वहीं, आयकर जांच में 100 करोड़ से अधिक के अघोषित लेन-देन व निवेश का खुलासा किया गया था। फिलहाल आयकर सूत्रों के मुताबिक बरामद सभी दस्तावेजों की सॉफ्ट कॉपी ईडी को सौंप दी गई है। आयकर विभाग ने 4 नवंबर को झारखंड के कांग्रेस विधायक अनूप सिंह, प्रदीप यादव और कोयला लौह अयस्क खनन से जुड़े कारोपियों के करीब 50 से अधिक ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। इसके बाद अगले दो दिन आयकर की टीम इन ठिकानों पर कागजात खंगालने में जुटी रही थी। इसके बाद कई दस्तावेज बरामद किए गए थे। इनमें संदिग्ध शेल कंपनियों और अवैध लेनदेन से जुड़े कागजात थे। छापेमारी में आयकर विभाग ने दो करोड़ से अधिक की नकदी जब्त की थी। वहीं, जांच में यह पता चला था कि एक कंस्ट्रक्शन व्यापार में शामिल कंपनी द्वारा नियमित रूप से अपने बुक्स ऑफ अकाउंट सही ढंग से मेंटेन नहीं किया जाता है।

जबकि कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष के अंत में भारी मात्रा में सामग्री की खरीद और सब-कॉन्ट्रेक्ट दिखाए जाते हैं। इसके अलावा कोल ट्रेडिंग और लौह अयस्क खनन से जुड़े लोगों के यहां स्टॉक मे भारी गड़बड़ी पाई गई थी।

भाजपा की रैली में पानी के लिए तरसीं 'महतारियां'

महिलाएं बोलीं-खाना खिलाने के बहाने सुबह से लेकर लाए थे, भोजन तो दूर पानी तक नसीब नहीं

बिलासपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा की महतारी हुंकार रैली में आईं बुजुर्ग महिलाएं दोपहर से लेकर शाम तक भूखी-प्यासी भटकतीं रहीं। महिलाओं को नेताओं ने रैली में खाना खिलाने का दावा तो किया। लेकिन, महतारियों की माने तो उन्हें पानी तक नहीं दिया गया। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी रैली के बाद जब मंच पर भाषण दे रहीं थीं, उसी समय रैली से निकलकर महिलाएं भोजन की तलाश में पैदल निकल पड़ीं।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव नजदीक है। जाहिर है कि सत्ता पक्ष के साथ ही प्रमुख विपक्षी पार्टी भाजपा ने चुनावी तैयारियां शुरू कर दी है। शुक्रवार को भाजपा ने महतारी हुंकार रैली निकालकर चुनाव की तैयारी का

शंखनाद भी कर दिया। इस रैली में प्रदेश भर से 50 हजार से अधिक महिलाओं की भीड़ जुटने का दावा किया। लेकिन, इस भीड़ को जुटाने भाजपा नेताओं ने कैसे-कैसे हथकंडे अपनाए। यह कहानी भी रैली में शामिल होने आईं महिलाओं ने बताया। रैली में शामिल होने के लिए जांजगीर-चांपा जिले से भी महिलाओं का एक दल भटकता मिला। उन्होंने बताया कि पुलिस ने उनकी गाड़ी को तोरवा में रोक दिया था, जिसके बाद वे पैदल रैली में शामिल होने जा रहीं थीं। लेकिन, रैली आगे निकल गई थी।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने रात में धरना देकर बोला हल्ला

बिलासपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मुंगेली में नगर पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव अचानक स्थगित करने पर पार्षदों ने जमकर बवाल मचाते हुए हंगामा किया। लेकिन, अफसरों ने उनकी एक नहीं सुनी। जानकारी मिलते ही पूर्व नेता प्रतिपक्ष और बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक भी रात में नगर पंचायत ऑफिस पहुंच कर कार्यकर्ताओं का समर्थन करते हुए धरने पर बैठ गए और शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि सरकार के दबाव में अफसर लोकतंत्र की आवाज को दबा रहे हैं। अफसरों का यह रवैया जनप्रतिनिधियों का अपमान है। ऐसे अफसर को तत्काल सस्पेंड किया जाए।

राजस्थान में कोचिंग सेंटर के लिए नई गाइडलाइन जारी

झूठे और फर्जी विज्ञापन दिखाने पर होगी कार्रवाई

फेल होने पर बताने होंगे दूसरे करियर ऑप्शन

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में बढ़ते कोचिंग माफिया पर नकेल कसने के लिए गाइडलाइन जारी की है। जिसके तहत प्रदेशभर में कोचिंग निगरानी समिति का गठन किया जाएगा। जिसमें पुलिस-प्रशासन के साथ अभिभावकों और डॉक्टर को भी शामिल किया जाएगा। वहीं स्टूडेंट्स की शिकायत के लिए ऑनलाइन पोर्टल बनाया जाएगा। जिसकी निगरानी मुख्यमंत्री स्तर पर की जाएगी। सीएम अशोक गहलोत ने बताया कि देशभर में प्रतिस्पर्धा और शैक्षणिक दबाव के चलते स्टूडेंट्स काफी परेशान है। पिछले कुछ वक्त में काफी स्टूडेंट्स ने आत्महत्या भी कर ली है। इसलिए स्टूडेंट्स की समस्या को दूर करने के लिए सरकार ने कोचिंग गाइडलाइन 2022 तैयार की है। जिसमें स्टूडेंट्स की शैक्षणिक व्यवस्था में सुधार के साथ उनकी मानसिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए काम किया गया है। इसके लिए सरकार के अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ अभिभावक और डॉक्टर्स की टीम भी लगातार कोचिंग संस्थानों की मॉनिटरिंग करेगी। ऐसे में जो भी कोचिंग संस्थान सरकार की गाइडलाइन की पालना नहीं करेगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कोचिंग संस्थानों में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को आईआईटी और मेडिकल संस्थानों की प्रवेश परीक्षाओं में सफल ना होने की स्थिति में दूसरे करिअर ऑप्शन के बारे में बताया जाएगा। स्टूडेंट्स के कोचिंग संस्थान छोड़ने की स्थिति में ईजी एक्जिट पॉलिसी और फीस रिफण्ड का प्रावधान किया गया है। कोचिंग संसथान के खिलाफ स्टूडेंट्स की समस्या बताने के लिए एक कम्पलेन्ट पोर्टल बनाया जाएगा। कोचिंग सेंटर में काम करने वाले सभी कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन करना अनिवार्य होगा। आवासीय कोचिंग चलाने वाले संस्थानों को सभी प्रकार के मूवमेंट का रिकॉर्ड मेंटेन करना होगा। कोचिंग संस्थानों द्वारा झूठे और फर्जी (फेक) विज्ञापन दिखाकर छात्रों को बेवकूफ बनाने पर उनके खिलाफ सख्त करवाई की जाएगी।

सरदार पटेल स्टेडियम का नाम बदल खुद के नाम कर लिया

अशोक गहलोत का पीएम मोदी पर हमला

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने आरोप लगाया है कि सरदार पटेल स्टेडियम का नाम बदल दिया गया। सीएम गहलोत ने कहा कि मोदी देश के प्रधानमंत्री है। उनके नाम से अलग स्टेडियम बन सकता था। हमें कोई आपत्ति नहीं है। आप सरदार पटेल का स्टेडियम रखते। जरूरी थोड़ी है गुजरात में बने, प्रधानमंत्री के नाम का स्टेडियम गुजरात के अलावा भी, नरेंद्र मोदी के नाम का स्टेडियम कही भी बन सकता था। कोई एतराज नहीं होता। एक बार स्टेडियम का नामकरण होने के बाद भी नाम बदल दिया। आप कैसे बदल सकते हो। हमने गुजरात में अभियान चला रखा है ये नामकरण बदला गया, इसे ठीक किया जाए, यह कहने के लिए सरदार पटेल के गांव के लोग मेरे पास आए। एक डेलीगेशन आया।

बीजेपी वाले गलत परंपरा डाल रहे हैं

सीएम गहलोत ने आज गुजरात में कांग्रेस के चुनावी घोषणा पत्र जारी करने से पहले मीडिया से बात की। सीएम गहलोत ने कहा कि घोषणा पत्र में राहुल गांधी के 8 वचन के अलावा कुछ और बिंदुओं को शामिल किया जाएगा। स्टेडियम का नाम बदलने पर सीएम गहलोत ने कहा कि इस प्रकार की परंपरा बीजेपी वाले गुजरात में डाल रहे हैं। मैं उसको किसी रूप में उचित नहीं मानता हूं। सीएम गहलोत ने कहा कि बाड़मेर में रिफायनरी का शिलान्यास कर दिया है। यूपीए चेयर्पसन सोनिया गांधी ने कर दिया था। लेकिन पांच साल बाद सरकार बदल गई।

खाचरियावास बोले-पायलट से अब कोई गिला-शिकवा नहीं

कहा-सचिन हों या गहलोत, राहुल के नेतृत्व में सरकार रिपीट करना मकसद

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास लगातार चर्चाओं में हैं। पहले इन्हें पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के नजदीकी लोगों में गिना जाता था, लेकिन जुलाई-2020 में मानेसर की बगावत और 25 सितंबर को बड़ी संख्या में विधायकों के इस्तीफों के बाद दोनों के बीच दूरियां बढ़ गई थीं।

सीएम बदलने की बातों के बीच खाचरियावास ने पायलट के लिए कहा था कि लोकतंत्र में नंबर गेम ही सब कुछ होता है। जिसके पास विधायक ज्यादा होते हैं, वही मुख्यमंत्री बनता है। लेकिन हाल ही पायलट द्वारा खाचरियावास के घर जाकर मुलाकात करने के बाद खाचरियावास के हावभाव व तेवर दोनों बदले हैं। पायलट के प्रति जहां उनके तेवर नरम हुए हैं, वहीं अब वह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से जवाबदेही की मांग करते दिख रहे हैं। वह एक के बाद एक ऐसे बयान दे रहे हैं, जिससे प्रदेश और कांग्रेस की सियासत में नए सिरे से चर्चा छिड़ गई है।

खाचरियावास पिछले दिनों आईएएस अफसरों की एसीआर भरने के अधिकार की मांग उठाई थी। हाल ही कैबिनेट बैठक में ओबीसी आरक्षण से जुड़े प्रस्ताव के पारित नहीं होने को भी खाचरियावास से जोड़ा गया। कहा गया कि खाचरियावास के विरोध के कारण ही यह प्रस्ताव पास नहीं हो पाया। कई बार ऐसा होता है कि आप उनके पक्ष में ही बोलते रहो तब तक तो अच्छे हैं, लेकिन जैसे ही आपने कुछ व्यवस्था की बात की तो ये विरोध थोड़ी हो गया। मैं तो सरकार का प्रवक्ता हूं। मुख्यमंत्री हमारे नेता हैं। मैं उनके लिए इतनी बात करता हूं तो उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। वो भी आगे बढ़कर कहते कि एसीआर के इश्यू पर प्रतापसिंह हमारा वो आदमी है, जो हमारा पक्ष रखता है। अधिकारी का खराब काम तो मंत्री के माथे और अच्छा काम खुद के माथे। किसी एसीएस के पास दो चार्ज हैं, तो दो मंत्री हैं। दोनों उसकी एसीआर लिख देंगे तो क्या दिक्कत है? सीएम ने आरक्षण में विसंगतियों को लेकर अलग-अलग लोगों से डिस्कस किया। ओबीसी की विसंगति दूर हो जाए तो बहुत अच्छा है। सब लोगों में डिस्कस ये हुआ कि सब पक्षों को सुनकर काम करें, जिससे नई भर्तियां नहीं अटके। कई बार ऐसे फैसले होते हैं।

दिव्या मदेरणा के निशाने पर गहलोत के बाद अब विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान से कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा ने इस बार विधानसभा स्पीकर सीपी जोशी को निशाने पर लिया है। दिव्या मदेरणा ने विधानसभा के डिजिटल म्यूजियम में लगी कांग्रेस के दिग्गज नेता परसराम मदेरणा की मूर्ति की तस्वीर को साझा किया। स्पीकर सीपी जोशी को टैग करते हुए दिव्या मदेरणा ने लिखा परसराम मदेरणा की मूर्ति सूक्ष्म रुप से भी मिलती जुलती नहीं है। मैं इस बारे में सीपी जोशी को लिखूंगी और अनुरोध करूंगी की मूर्ति को तुरंत बदला जाए। दिव्या मदेरणा ने यह भी लिखा कि मुझे इस बात का ध्यान है कि मूर्तिकला में हम किसी तस्वीर के प्रारुप तक पूर्ण रूप से नहीं पहुंच सकते। लेकिन परसराम मदेरणा की मूर्ति में बिलकुल भी समानता नहीं है।

कांग्रेस के बड़े नेताओं की कर रही हैं टारगेट

जोधपुर के ओसियां से कांग्रेस विधायक दिव्या मदेरणा कांग्रेस के बड़े नेताओं को इन दिनों टारगेट कर रही है। 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक के बहिष्कार के बाद दिव्या मदेरणा के निशाने पर गहलोत कैंप के माने जाने वाले मंत्री शांति धारीवाल और महेश जोशी है। दोनों मंत्रियों पर दिव्या मदेरणा लगातार निशाना साध रही है।

दिव्या मदेरणा खुद को कांग्रेस आलाकमान की समर्थक बताती हैं। दिव्या मदेरणा का कहना है कि वह गहलोत और पायलट में से किसी भी गुट में शामिल नहीं है। हालांकि, दिव्या मदेरणा ने मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के पायलट को सीएम बनाए जाने के बयान का समर्थन कर संकेत दिया है कि वह सीएम गहलोत को पसंद नहीं करती है। दिव्या मदेरणा ने खुलकर सीएम गहलोत पर निशाना नहीं साधा है। अभी तक इशारों में टारगेट किया गया है।

सिंदूर लगाकर महिला से लगातार रेप करता रहा पुलिस कांस्टेबल, चार बार करवाया गर्भपात

उदयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। उदयपुर के धानमंडी थाने के एक पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ महिला ने सिंदूर लगाकर रेप करने का केस दर्ज करवाया है। कांस्टेबल ने दोस्ती कर महिला के साथ संबंध बनाए और दुष्कर्म करता रहा।

इस दरमियान उसने चार बार गर्भपात भी करवाया। सात दिन पहले भी उसने गर्भपात कराने का दबाव बनाया, नहीं करवाने पर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान महिला को शादी का झांसा देता रहा। अब महिला ने कांस्टेबल के खिलाफ धानमंडी थाने में केस दर्ज करवाया है। वर्तमान में कांस्टेबल मावली थाने में तैनात है।

हाईकमान जल्द बड़ा फैसला करेगा : आचार्य प्रमोद

कहा-सभी कांग्रेस विधायक आलाकमान के फैसले के साथ,यहां जो हुआ खड़गे साहब की मौजूदगी में हुआ

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। प्रियंका गांधी के नजदीकी कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इशारों में जल्द राजस्थान में सीएम बदलने का दावा किया है। आचार्य प्रमोद ने स्पीकर सीपी जोशी के साथ सुबह करीब दो घंटे तक चर्चा की। जोशी से मिलने के बाद आचार्य प्रमोद ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राजस्थान को लेकर कांग्रेस हाईकमान बहुत जल्द बड़ा फैसला करने वाला है। यह फैसला राजस्थान की जनता की भावनाओं के हिसाब से होगा। राजस्थान में कांग्रेस का हर एमएलए कांग्रेस नेतृत्व के फैसले के साथ खड़ा है। आचार्य प्रमोद ने कहा- कांग्रेस नेतृत्व के फैसले को हरेक एमएलए मानेगा। उसमें सचिन पायलट, अशोक गहलोत , सीपी जोशी भी हैं, एमएलए तो सब हैं। यहां जो कुछ हुआ वह खड़गे साहब की मौजूदगी में हुआ। यहां ऑब्जर्वर आए थे जिनमें खड़गे साहब और अजय माकन थे। यहां पर जो कुछ हुआ उसमें किसी दूसरे को कुछ कहने की जरूरत नहीं है। खड़गे साहब खुद मौजूद थे। कांग्रेस नेतृत्व के सब संज्ञान में है। कांग्रेस नेतृत्व जो भी फैसला लेगा वह सब परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लेगा और जल्दी लेगा।

बहुत जल्द अच्छा सवेरा देखने को मिलेगा

गहलोत समर्थक विधायकों के इस्तीफे पर कहा कि किस एमएलए ने इस्तीफा दिया है, यह तो स्पीकर ही बाता सकते हैं। स्पीकर भी मानते हैं कि कांग्रेस लीडरशिप का फैसला पार्टी का हर विधायक मानेगा। सियासी विवाद के जिम्मेदार तीन नेताओं को नोटिस के बाद अब एक्शन पैंडिंग होने के सवाल पर आचार्य प्रमोद ने कहा कि जिन्हें कार्रवाई करनी है वे जाने। इतना तय है कि राजस्थान को बहुत जल्द अच्छा सवेरा देखने को मिलेगा। राहुल गांधी की यात्रा के अच्छे परिणाम आने वाले हैं। आचार्य प्रमोद ने राजेंद्र गुढ़ा के सचिन पायलट को मंत्री नहीं बनाने पर चुनावों में कांग्रेस के कार में बैठने जितने ही विधायक आने के बयान पर आचार्य प्रमोद ने टिपपणी करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का फैसला होगा वह राजस्थान की जनता की भावनाओं का सम्मान करने वाला होगा। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राजस्थान के बारे में जल्द फैसला करने का बयान देकर फिर से सीएम बदलने की संभावनाओं का संकेत दिया है।

एक्सीडेंट कुत्ते के कारण, पुलिस ने बेगुनाह को फंसाया

80 लाख के लिए झूठी कहानी, कोर्ट ने कहा–एसपी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करें

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। 10 साल पहले 80 लाख का क्लेम उठाने के लिए कुत्ते को मार्शल जीप बताया गया था। 10 साल में 77 तारीख पड़ी। अलग-अलग बयान हुए। कोर्ट फैसला सुनाने वाली ही थी कि 5 मिनट पहले सच सामने आया और पूरा केस पलट गया।

कोर्ट में तीन लोगों की गवाही हुई जो पलट गए और पूरे केस का सच सामने आया। ये वे गवाह थे जो पुलिस ने फर्जी क्लेम उठाने के लिए तैयार किए थे। 10 साल बाद 18 अक्टूबर को फैसला आया। मार्शल ड्राइवर सुभाषचंद्र जिस पर एक्सीडेंट का आरोप लगा था उसे डीएसपी की जांच के बाद बरी किया गया। कोर्ट ने सीकर एसपी को आदेश दिया। कहा– गलत जांच करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ एक्शन लेकर कोर्ट को बताएं। इस मामले में पुलिस ने कुत्ते को मार्शल जीप दिखाया।। इतना ही नहीं पुलिस ने जो फर्जी गवाह कोर्ट में पेश किए थे लेकिन वे भी पलट गए। कॉन्स्टेबल सुरेंद्र कुमार ने बयान दिए कि एक्सीडेंट होने वाली मार्शल गाड़ी पर एक्सीडेंट के कोई निशान ही नहीं थे। पुलिस मार्शल गाड़ी व ड्राइवर की गलती को कोर्ट में साबित नहीं कर पाएं और पूरा केस झूठा निकला।

पहले जानें क्या था मामला

उदयपुरवाटी के छापोली के रहने वाले दिनेश कुमार पुत्र बंशीधर ने 10 अगस्त 2011 को मामला दर्ज कराया कि सुबह नौ बजे उसका भाई रमेश रोहिला पुत्र बंशीधर सीकर से चिराना बाइक लेकर जा रहा था। सूचना मिली कि रास्ते में रामपुरा रोड पर बस स्टैंड के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रमेश रोहिला चिराना की सीएचसी में मेल नर्स था। दादिया पुलिस ने मुकदमा नंबर 288/11 पर आईपीसी 279,304ए में दर्ज कर जांच कर शुरू दी गई। सबसे खास बात है कि घटना के समय थानाधिकारी भंवरलाल दादिया थाने में पोस्टेड़ थे। तब वे ही मौके पर पहुंचे थे। 108 एंबुलेंस के ड्राइवर ने शव को ले जाने से मना कर दिया था, तब शव नहीं उठाने पर लोगों ने प्रदर्शन भी किया था। मामला शांत होने के बाद वे थाने लौटे और रिपोर्ट में लिखा कि कुत्ते के सामने आने पर हादसा हुआ। बाइक को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचा। जबकि बाद में ट्रांसफर होकर आए एसआई मदनलाल कड़वासरा ने जांच को बदलवा कर फर्जी क्लेम के लिए एएसआई बनवारीलाल के साथ मिलकर कोर्ट में चार्जशीट पेश की। दादिया थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद एएसआई हरिसिंह ने जांच की। पोस्टमार्टम करवाने के बाद मौके की रिपोर्ट तैयार की गई। मौके पर पहुंच कर गवाहों के बयान लिए।

पिता करोड़पति, बेटों ने गर्लफ्रेंड्स के लिए चुराईं 24 स्कूटी

जयपुर में अलग-अलग लड़कियों को गिफ्ट में दीं; फिर बेचकर पार्टी की

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। जयपुर की सोडाला थाना पुलिस ने दो ऐसे रईसजादे चोरों को दबोचा है जो गर्लफ्रेंड्स को गिफ्ट में देने के लिए आए दिन स्कूटी चुराते थे। अलग-अलग लड़कियों को इन्हें गिफ्ट देने के बाद इन्हें बेचकर महंगे पब और रेस्टोरेंट्स में अय्याशी करते। इनमें से एक चोर कुणाल सिंह उर्फ नोनी (19) के पिता का आतिश मार्केट में इलेक्ट्रॉनिक्स का शोरूम है। वहीं, पकड़ा गया दूसरा चोर अंशुमान सिंह (19) के पिता का फाइनेंस का बिजनेस है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुछ दिन पहले झोटवाड़ा में पुलिस ने चोरी की स्कूटी चलाती एक लड़की को पकड़ा था। इसके बाद पूरे मामले का खुलासा हुआ। नाबालिग लड़की ने बताया कि उसे स्कूटी कुणाल ने गिफ्ट में दी है। इसके बाद आठ नवंबर को पुलिस ने कुणाल को गिरफ्तार किया। जबकि 11 नवंबर को शिवम की गिरफ्तारी हुई। दोनों को रामनगर में उनके घर से पकड़ा गया।

10 एक्टिवा बरामद की गई

दोनों आरोपी कब से इस तरह की चोरी कर रहे हैं इसका पता लगाया जा रहा है। फिलहाल इनकी जानकारी पर पुलिस ने 10 स्कूटी जब्त की हैं। कुणाल ने बताया कि वह पहले भी करीब 10 स्कूटी चोरी कर कई गर्लफ्रेंड को दे चुका है।

पुलिस पूछताछ में कुणाल ने बताया कि उसे इस काम में उसी का दोस्त शिवम उर्फ अंशुमान लेकर आया हैं। कुणाल की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने के बाद शिवम गायब हो गया था। इस पर पुलिस ने शुक्रवार को उसे रामनगर सोडाला से गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि घर से मिलने वाले रुपए से शौक पूरा नहीं हुआ तो शिवम चोरी करने लग गया था।

झुंझुनू में जुटेंगे भाजपा के 400 दिग्गज नेता

गहलोत सरकार को घेरने और उपचुनाव को लेकर बनेगी रणनीति

झुंझुनू, 12 नवंबर (एजेंसियां)। भाजपा गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ पर सरकार को घेरने की तैयारी में है। सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव से लेकर विधानसभा आम चुनाव-2023 तक की स्ट्रेटेजी तैयार करने के लिए भाजपा के नेता राजस्थान में जुटेंगे। भाजपा के प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक झुंझुनू में होगी। यह बैठक 12 और 13 नवंबर को आयोजित की जाएगी।

भाजपा के बड़े कैम्प की तैयारियां जोरों पर है। झुंझुनू के नवलगढ़ में जिले की सीमा से लेकर चुड़ैला में सभा स्थल तक 10 हजार से ज्यादा भाजपा के झंडे लगाए गए हैं। जिले के बॉर्डर पर नेताओं के स्वागत के लिए सात किमी तक रास्ते पर दोनों ओर हर 10 मीटर की दूरी पर झंडे नजर आ रहे हैं। झुंझुनू के चुड़ैला स्थित यूनिवर्सिटी कैम्पस में यह कैम्प लगेगा। पहले दिन 12 नवंबर को दोपहर तीन बजे से प्रदेश पदाधिकारी और मोर्चा प्रदेशाध्यक्षों की बैठक बुलाई गई है। इसके बाद शाम 4.30 बजे सभी जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी और संभाग प्रभारी की बैठक होगी। सभी नेता रात में झुंझुनू में ही रुकेंगे।

ये है कार्यक्रम

13 नवंबर को सुबह 11 बजे से प्रदेश कोर कमेटी और प्रदेश कार्यसमिति की बैठक बुलाई गई है। जिसमें प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, सह प्रभारी विजया राहटकर, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया, पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर मिश्रा, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य जसकौर मीणा, अरुण चतुर्वेदी समेत कई नेता शामिल होंगे।

गहलोत सरकार चौथी वर्षगांठ 17 दिसंबर पर जश्न मनाएगी तो भाजपा इस दिन काला दिवस मनाएगी। राजस्थान के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में जन आक्रोश रैली और प्रचार वाहनों के जरिए विरोध प्रदर्शन का शेड्यूल तय होगा।जयपुर में बीजेपी की प्रदेश स्तर की बड़ी रैली और जनसभा की तैयारी होगी। जिसमें पीएम मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय नेताओं को आमंत्रित करने की प्लानिंग है।

पति के सामने पत्नी से गैंगरेप चोरी करने घर में घुसे चार बदमाशों ने की दरिंदगी

सिरोही, 12 नवंबर (एजेंसियां)। सिरोही में चार बदमाशों ने पति के सामने पत्नी से गैंगरेप किया। बदमाश घर में चोरी के नियत से घुसे थे। आरोप है कि घर में कम रुपये मिलने पर बदमाशों ने पति के सामने पत्नी से दरिंदगी की। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार घटना सिरोही के रोहिड़ा थाना इलाके की है।

पिंडवाड़ा डीएसपी जेठू सिंह करनोत के अनुसार एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिसमें उसने बताया कि बुधवार रात को वह और उसकी पत्नी मोबाइल पर कुछ देख रहे थे। इस दौरान घर में चार बदमाश घुस गए। उन्होंने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और पूरे घर की तलाशी ली। बदमाशों ने घर में रखे चांदी की पाजेब और कुछ रुपये ले लिए। चोरों ने और पैसे मांगे। पति-पत्नी ने कहा कि घर में पैसे नहीं हैं। जिसके बाद उन्होंने पति के कपड़े उतार दिए और उसकी तलाशी ली।

फिर सुलग सकती है आरक्षण की चिंगारी

आमने-सामने हुए मंत्री-विधायक

जयपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर आरक्षण की लपटें उठने लगी हैं, लेकिन इस बार सत्ता में बैठी सरकार के ही मंत्री और एक विधायक आमने-सामने हो गए हैं। इस लिस्ट में दिव्या मदेरणा, मुकेश भाकर से लेकर कई नाम जुड़ते जा रहे हैं।

चुनावी साल में आरक्षण के इस मुद्दे को सुलझाना मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए बहुत बड़ी राजनीतिक चुनौती बन सकता है। कहीं ऐसा तो नहीं इस बार भूतपूर्व सैनिकों को ओबीसी के 21 प्रतिशत कोटे में आरक्षण की अधिसूचना बड़ा मुद्दा बन जाए। राजस्थान में हुए पिछले 5 विधानसभा चुनाव तो यही कहानी बयां करते हैं। पिछले 22-25 वर्षों में राजस्थान में गरीब सवर्णों को आरक्षण, जाटों को ओबीसी में शामिल कर आरक्षण देने, गुर्जरों को ओबीसी से बाहर विशेष श्रेणी में आरक्षण देने, आदिवासियों को विशेष आरक्षण सहित हाल ही माली-सैनी-कुशवाहा समाजों ने ओबीसी के भीतर विशेष कोटे में आरक्षण देने की मांग बुलंद की है। आरक्षण की लंबी लड़ाई के चलते 70 लोगों की मौत हुई तो सैकड़ों लोग इस दौरान घायल हुए। अरबों की प्रोपर्टी बर्बाद हो गई, फिर भी यह आग रह-रह कर सुलग ही जाती है। जब चुनाव नजदीक आते हैं, तो आरक्षण का भूत बोतल से बाहर आए बिना नहीं रहता। 2002 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने राजस्थान में एक सभा में जाटों को ओबीसी में आरक्षण देने का वादा किया तो 2003 में भाजपा को पहली बार 200 में 120 सीटें मिली, अन्यथा राजस्थान में भाजपा को कभी 95 सीटें भी नहीं मिली थीं। राजस्थान में जाट समुदाय को परंपरागत रूप से कांग्रेस का वोट बैंक माना जाता था, लेकिन 2003 में जाट समुदाय ने खुलकर भाजपा का साथ दिया था।

विभिन्न आरक्षण आंदोलनों का प्रभाव तत्कालीन भाजपा सरकार पर पड़ा और उसे 163 सीटों से नीचे खिसककर 72 सीटों पर सिमटना पड़ा। हालांकि मोदी लहर में भाजपा ने 2019 के लोकसभा में सभी 25 में से 24 सीटें स्वयं और एक सीट गठबंधन के जरिए जीत ली। राजस्थान में बाड़मेर से 2009 में पहली बार सांसद और 2018 में पहली बार विधायक बन कर राजस्व मंत्री बने हरीश चौधरी को राहुल गांधी के करीबी नेताओं में से गिना जाता है।

उन्हें पंजाब में पार्टी ने प्रभारी भी बनाया है और वे हाल ही राष्ट्रीय अध्यक्ष बने मलिल्कार्जुन खड़गे की नई गठित टीम में भी सदस्य हैं। चौधरी पिछले एक वर्ष से ओबीसी में भूतपूर्व सैनिकों को शामिल करने के एक सरकारी निर्णय का विरोध कर रहे हैं।

अग्रवाल समाज बालानगर शाखा का अन्नकूट कार्यक्रम

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की बालानगर शाखा के द्वारा दिवाली मिलन एवं अन्नकूट प्रसाद कार्यक्रम न्यू बोइनपल्ली स्थित श्री अय्यपा स्वामी मंदिर में सम्पन्न हुआ।

शाखा के पदाधिकारियों अध्यक्ष पंकज केडिया, उपाध्यक्ष अनूप सिग्नोडिया, मानद मंत्री रविकांत सिग्नोडिय, उपमंत्री अंकुर सिग्नोडिया, कोषाध्यक्ष अंकित गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य राजकुमार केडिया की उपस्थिति में भगवान की पूजा और प्रसाद भोग के पश्चात उपस्थित सदस्यों और परिजनों , कुल लगभग 200 लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी एवं सयुक्त सचिव सतीश अग्रवाल की उपस्थिति सराहनीय रही। शाखा के पदाधिकारियों ने केंद्रीय समिति के उपस्थित पदाधिकारियों का सम्मान कर उन्हें धन्यवाद दिया।

चेन्नई में बोले गृहमंत्री शाह

2025 तक भारत बनेगा पांच ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी

चेन्नई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को तमिलनाडु के चेन्नई में कहा किपिछले आठ वर्षों में देश ने विकास और अर्थव्यवस्था के मामले में तेजी से काम किया है। उन्होंने कहा, 2025 तक निश्चित रूप से भारत पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा, मॉर्गन स्टेनली की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके लिए हमारा बुनियादी ढांचा बहुत महत्वपूर्ण है। गृहमंत्री ने कहा, मोदी सरकार की प्रभावी और पारदर्शी नीतियों के कारण पिछले आठ सालों में देश ने विभिन्न क्षेत्रों में बहुत कुछ हासिल किया है। शाह ने कहा, राजनीतिक स्थिरता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन के कारण भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है।

आईएमएफ ने भारत की अर्थव्यवस्था की प्रशंसा की है। उसने भविष्यवाणी की है कि भारत 2022-23 में 6.8 प्रतिशत जीडीपी के साथ जी-20 में दूसरे स्थान पर और 2023-24 में 6.1 प्रतिशत जीडीपी के साथ पहले स्थान पर होगा।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज सभा की बैठक में दीपावली मिलन पर चर्चा

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत कान्यकुण सभा की विशेष बैठक सभा के कार्यालय निर्दोष भवन खैरताबाद में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से आगामी शनिवार 19 नवंबर को निर्धारित दीपावली स्नेह मिलन एवं छात्तवृत्ति वितरण समारोह की तैयारियों पर चर्चा गई। इस कार्यक्रम में तेलंगाना सरकार के पूर्व मुख्य सचिव शैलेन्द्र कुमार जोशी मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत आईएएस अधिकारी व चेयरमैन इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी तेलंगाना अजय मिश्र करेंगे। समारोह को भव्य एवं सुचारू रूप से आयोजित करने हेतु विभिन्न समितियों साजसज्जा समिति, स्वागत समिति, भोजन व्यवस्था समिति आदि का गठन किया गया एवं कार्यों का आवंटन किया गया। बड़ी संख्या में प्राप्त छात्रवृत्ति के आवेदनों के चयन हेतु महामंत्री विजय पाल पाण्डे के नेतृत्व में समिति का गठन किया गया। समिति का राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, गोपाल शुक्ला, शोभा दुबे को सदस्य बनाया गया। युक्त समिति का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता एवं संचालन डा. रामकुमार तिवारी ने की। बैठक में कोषाध्यक्ष गोपाल प्रसाद शुक्ल, महामंत्री विजयपाल पाण्डेय, सांस्कृतिक मंत्री रत्नकला मिश्रा, सहमंत्री भवानी प्रसाद तिवारी, महिला विभाग मंत्री शोभा दुबे, कार्यकारिणी सदस्य सूर्यप्रकाश शुक्ला, प्रचार मन्त्री राजेन्द्र प्रसाद तिवारी, उपाध्यक्ष राकेश तिवारी, युवा मामलों के मंत्री जयशंकर प्रसाद तिवारी ने भाग लिया।

मनुष्य को ब्रह्म की प्राप्ति के लिए ही प्रयत्न करना चाहिए : संतोषी माता

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केशव डालमिया परिवार द्वारा गुरुवार को गोशामहल पुलिस ग्राउंड स्थित वृंदावन धाम में जारी श्रीमद्भागवत कथा महामहोत्सव में कथा प्रवक्ता श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर मां संतोषी माताजी, हरिद्वारा ने अपने प्रवचन में जडभरत कथा, अजामिल उद्धार तथा नृसिंह अवतार की कथा सुनाते हुए बताया कि राजर्षि भरत ने जब मृग शरीर का त्याग किया, तो उन्हें ब्राह्मण का शरीर प्राप्त हुआ। ब्राह्मण का शरीर प्राप्त होने पर भी उन्हें अपने पूर्व-जन्म का ज्ञान पहले की ही भांति बना रहा। उन्होंने सोचा। इस जन्म में कोई विघ्न-बाधा उपस्थित न हो, इसलिए उन्हें सजग हो जाना चाहिए। वे अपने कुटुंबियों के साथ पागलों सा व्यवहार करने लगे अर्थात् ऐसा व्यवहार करने लगे कि जिससे उनके कुटुंबी यह समझे कि इसके मस्तिष्क में विकार उत्पन्न हो गया है। जड़भरत के पिता उन्हें पंडित बनाना चाहते थे, किंतु बहुत प्रयत्न करने पर भी वे एक भी श्लोक याद न कर सके। उनके पिता ने उन्हें जड़ समझ लिया। पिता की मृत्यु के पश्चात् माँ भी चल बसी। कुटुब में रह गये भाई और भाभियां, जड़भरत के साथ बहुत बुरा व्यवहार करती थीं। जड़भरत रात-दिन खेतों की मेड़ों पर बैठकर खेतों की रखवाली करने लगे। वे शरीर से बड़े स्वस्थ और हट्टे-कट्टे थे। उन्हीं दिनों एक डाकू संतान प्राप्ति के लिए एक मनुष्य की भद्र काली को बलि देने जा रहा था, किंतु जब बलि का समय आया तो वह भाग गया। डाकू ने अपने आदमियों से कहा कि बलि के लिए किसी दूसरे मनुष्य को पकड़कर लाएं। डाकू के साथी किसी दूसरे मनुष्य की खोज में निकल पड़े। उनकी दृष्टि खेत की मेड़ पर बैठे हुए जड़भरत पर पड़ी। वे शरीर से स्वस्थ और हट्टे-कट्टे तो थे ही, डाकू के साथी उन्हें पकड़कर ले गए। डाकू सरदार ने जड़भरत को सुस्वादु भोजन खिलाया। फिर उन्हें माला पहनाकर बलि के लिए भद्रकाली के सामने बैठा दिया। ज्यों ही डाकू ने उन परखड्गचलाया, त्यों ही हुंकार के साथ देवी प्रकट हो गईं। उन्होंने डाकू के हाथों से खड्ग छीनकर, उसी खड्ग से उसका मस्तक काटकर फेंक दिया। बाद में जड़भरत की ज्ञान भरी वाणी सुनकर रहूगण विस्मय की लहरों में डूब गए। उन्होंने आज्ञा देकर पालकी नीचे रखवा दी। वे पालकी से उतरकर जड़भरत के पैरों में गिर पड़े और कहा, 'महात्मन, मुझे क्षमा कीजिए। जड़भरत ने उत्तर दिया, 'राजन! मैं न तो कपिल मुनि हूं और न कोई ऋषि हूं। मैं पूर्वजन्म में एक राजा था। मेरा नाम भरत था। मैंने भगवान श्रीहरि के प्रेम और भक्ति में घर-द्वार छोड़ दिया था। मैं हरिहर क्षेत्र में जाकर रहने लगा था। किंतु एक मृग शिशु के मोह में फंसकर मैं भगवान को भी भूल गया। बाद में बताया कि राजन, मनुष्य को ब्रह्म की प्राप्ति के लिए ही प्रयत्न करना चाहिए। यही मानव-जीवन की सार्थकता है। अजामिल के बारे में बताया हुए कथावाचिका ने कहा कि अजामिल एक धर्मपरायण गुणी समझदार और विष्णुभक्त था। माता-पिता के आज्ञाकारी पुत्र ने किशोरावास्था तक वेद-शास्त्रों का विधिवत अध्ययन कर लिया।

युवावस्था में प्रवेश करते ही एक दिन उसके साथ ऐसी घटना घटी कि उसका पूरा जीवन परिवर्तित हो गया। पिता के आदेश पर आजामिल एक दिन पूजा के लिए वन से उत्तम फल और फूल लेकर लौट रहा था। रास्ते में उसे एक बाग में भील के साथ सुंदर युवती दिखी। दोनों एक दूसरे से प्रेम कर रहे थे। अजामिल ने खुद को उसे देखने से रोका लेकिन दैवयोगवश वह उस युवती का रूप निहारने लगा। उस स्त्री की नजर भी अजामिल पर पड़ी और वह भी उस पर मोहित हो गई। स्त्री ने अजामिल को पास बुलाया और अपने मन की बात कह दी। अजामिल तो मोहित था ही, स्त्री से मिले प्रेम निमंत्रण से तो उसका दिमाग और मन पर नियंत्रण ही नहीं रहा। रूपजाल में फंसा अजामिल अपने संस्कार तक भूल गया। उसने पूजा के लिए रखे फल-फूल वहीं फेंक दिए और युवती के साथ प्रेम में मगन हो गया। फिर उस स्त्री को लेकर वह घर चला आया। कथावाचिका ने बताया कि पौराणिक कथा के अनुसार, भाई हिरण्याक्ष का वध होने से हिरण्य कश्यप देवताओं से नाराज हो गया था और वह भगवान विष्णु को अपना शत्रु मानने लगा था। उसने विजय प्राप्त करने के लिए कठोर तप किया। उसे वरदान प्राप्तथा कि कोई नर या पशु मार नहीं सकता है। उसे घर या बाहर, जमीन या आसमान में नहीं मारा जा सकता है। कथा के श्रवण से सभी श्रद्धालु भावविभार दिखे। कार्यक्रम को सफल बनाने में शिवकुमार डालमिया, पवन कुमार डालमिया, प्रमोद कुमार डालमिया, मनोजकुमार डालमिया, आशीष डालमिया, हरीश डागा के अलावा विशेष सहयोगी दिनेश कुमार बडेगांववाले, दिलीप व डॉ. अनंत काबरा का महत्वपूर्ण यागदान रहा।

जेल से रिहा होने के बाद गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह का भाजपा नेता सपना गुप्ता ने सम्मान किया। इस दौरान रचना गुप्ता, शकुन्तला, पवन गुप्ता व अन्य उपस्थित रहे।

आरएसएस प्रमुख बोले, पहले विदेशियों के आक्रमण के कारण रुका आयुर्वेद का प्रचार, अब फिर से मिल रही मान्यता

नागपुर, 12 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि पहले विदेशियों के आक्रमण के कारण आयुर्वेद का प्रचार रुक गया था, लेकिन अब इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति को फिर से मान्यता मिल रही है। भागवत, आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'आयुर्वेद पर्व' को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। आयुष मंत्रालय आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी के लिए खड़ा है। कार्यक्रम में केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानंद सोनोवाल और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी मौजूद थे।

संघ प्रमुख ने आगे कहा कि विदेशियों के आक्रमण के कारण लोगों में आयुर्वेद का प्रचार रुक गया था। लेकिन आयुर्वेद को फिर से मान्यता मिल रही है। अब आयुर्वेद से जुड़े ज्ञान का विस्तार करने का समय आ गया है। भागवत ने आगे कहा, हमें आयुर्वेद को आगे कैसे ले जाना चाहिए? रास्ता यह है कि हर किसी को सस्ती और सरल स्वास्थ्य सुविधा मिलनी चाहिए। इसके लिए आयुर्वेद से बेहतर कोई विकल्प नहीं है।

उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को उसके शुद्धतम रूप में अपनाया जाना चाहिए, ताकि इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। वहीं, इस मौके पर आयुष मंत्री सोनोवाल ने कहा कि पिछले सात वर्षों से आयुर्वेद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल रही है।

केंद्रीय मंत्री ने आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए अलग आयुष मंत्रालय बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रशंसा की और कहा कि चिकित्सा की इस प्रणाली पहले उपेक्षा की गई थी। सोनोवाल ने आगे कहा, 2014 तक आयुष उद्योग, बाजार आकार के केवल तीन अरब डॉलर था। लेकिन बीते आठ वर्षों में यह वैश्विक स्तर पर 1.1 अरब डॉलर हो गया है। 2023 तक यह 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। वहीं, गोवा के मुख्यमंत्री सावंत ने कहा कि आयुर्वेद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अच्छे दिन देख रहा है।

शिवरामपल्ली स्थित राघवेंद्रा कालोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में समाजसेवी भगवान सांखला का सम्मान करते हुए प्रदेश तेलंगाना जाट एकता मंच के अध्यक्ष धर्माराम ढाका। साथ में हैं नरेंद्र सुराणा, राजेश अग्रवाल, हरी बंग, अनिल संघी, मेघराज राठी, अशोक राठी, डॉ. केके राजू, पापालाल कछवा, जीएस शर्मा, प्रवीण कछवाहा, रामकुमार सांखला, डिम्पल ढाका व अन्य।

उत्तर भारती नागरिक संघ, हैदराबाद के चेयरमैन एनके सिंह ने शनिवार को संकटी गणेश चतुर्थी के मौके पर यादगिरीगुट्टा में श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में परिवार के सदस्यों मालती देवी, नंदकिशोर सिंह, दीपिका सिंह, सूर्यांश सिंह, ज्योति, गायत्री, छावी के साथ दर्शन-पूजन किया।

अग्रणी महिला मंच ने मनाया बाल दिवस

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच ने असिफनगर मलेपल्ली स्थित सरकारी प्राइमरी स्कूल में विद्यार्थियों के बीच बाल दिवस मनाया गया। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्षा सुमन भुवानिया ने बताया कि इस मौके पर छात्र-छात्राओं को स्टेशनरी , बिस्किट अवं अन्य ज़रूरत समान वितरित किए गये। इस अवसर पर बबिता गर्ग,रितु गर्ग, वंदना पंचेरिया, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयन नरसरिया, प्रीती गोयल , स्मिता शाह, संगीता जजोदिया आदि उपस्थित थे।

संसदीय समिति ने राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में समीक्षा की

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति ने राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, (क्षेत्र संकार्य प्रभाग) क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद के कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में हुई प्रगति की जांच की और इस संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा कार्यालय में हिन्दी में किए गए कार्य की प्रशंसा की और प्रशंसा पत्र भी जारी किया गया। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, हैदराबाद संसदीय राजभाषा समिति की तीसरी उप समिति के सुझाट और प्रशंसा के लिए आभारी हैं। श्री भर्तृहरि महताब, संसद सदस्य (लोल सभा) उपाध्यक्ष, डॉ. मनोज राजोरिया संसद सदस्य (लोकसभा), संयोजक, श्रीमती कान्ता कर्दम, संसद सदस्य (राज्य सभा), प्रताप राव जाधव, संसद सदस्य (लोक सभा), दिनेश चन्द्र यादव, संसद सदस्य (लोक सभा), डॉ. रामेश्वर राव मीना, अवर सचिव, अब्दुल मोहिब सहायक अनुभाग अधिकारी, मुकेश शर्मा, समिति रिपोर्टर, संसदीय राजभाषा की तीसरी उप समिति के सदस्यों की मौजूदगी में यह निरीक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस निरीक्षण कार्यक्रम में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, नई दिल्ली के संयुक्त सचिव तनवीर कमर मोहम्मद राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, मुख्यालय, नई दिल्ली के अपर महानिदेशक डॉ. बिभास चौधुरी, सहायक निदेशक (राजभाषा) रमेश चंद राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, आंचलिक कार्यालय, बेंगुलुरु के उप महानिदेशक सजी जॉर्ज और राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद के उप महानिदेशक डी. सतीश, सहायक निदेशक एवं कार्यालय अध्यक्ष सुश्री के शिवापार्वती रेड्डी, आर. जयराम, वरिष्ठ सांखिकीय अधिकारी एवं आहरण और संवितरण अधिकारी और आर सतीश, कनिष्ठ हिन्दी अनुर्वादक शामिल हुए।

नगरद्वय के प्रसिद्ध कवि डॉ. विजेंद्र जैन कर्नावत ने विधायक राजा सिंह से मिलकर उन्हें उनकी जेल में बिताये दिनों पर कविता सुनाई। इस अवसर पर सभी श्रोता गदगद हो गये। उपस्थित हैं वरिष्ठ भाजपा नेता रवि मेहरा व अन्य।

संकट हारा चतुर्थी पर अन्नदान किया गया

रिहाई के बाद गोशामहल विधायक राजासिंह से मुलाकत कर सम्मान करते हुए ब्रह्म क्षत्रिय समाज के पूर्व अध्यक्ष मिलाप खत्री, भीमसिंह, वागाराम खत्री।

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। संकट हारा चतुर्थी के अवसर पर आज राणा प्रताप युवसेना के तत्वावधान में न्यू बोईनापल्ली शासकीय बालक विद्यालय के समीप विद्यागणपति मंदिर परिसर में अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जपन्ना प्रताप ने अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि हर महीने संकट चतुर्थी के अवसर पर राणा प्रताप युवासेना के तत्वावधान में अन्नप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन करना प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि वह लोगों के लिए किसी भी कार्यक्रम में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम में स्थानीय नेता गोवर्धन, अरुण, दयानंद यादव, अनिल गौड़, वेणु, नागराजू, जे. रविंदर, दयानंद, विकास, कार्तिक, पवन, वरप्रसाद आदि उपस्थित रहे।

एसबीआई इंटर सर्कल टेबल टेनिस टूर्नामेंट संपन्न

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कोटला विजया भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम में आयोजित एसबीआई इंटर सर्कल टेबल टेनिस टूर्नामेंट संपन्न हुआ, जिसमें 16 सर्कल की भागीदारी रही। इसमें कोलकाता सर्कल ने चैंपियनशिप जीती है।

एसबीआई हैदराबाद सर्कल के सीजीएम अमित झिंगरन ने विजेताओं को ट्रॉफी प्रदान की। समापन पुरस्कार समारोह में श्रीमती मंजू शर्मा जीएम एनडब्ल्यू-1, देबाशीष मित्रा जीएम एनडब्ल्यू-2, एल. शेखर जीएम सीएओ, अन्य एलएचओ अधिकारी, एसोसिएशन और संघ के नेता भी उपस्थित थे।

विराट-सूर्या प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में : बटलर समेत इंग्लैंड के 3 प्लेयर

पाकिस्तान के 2 खिलाड़ी भी नॉमिनेट

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने ऑस्ट्रेलिया में जारी टी-20 वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के संभावित प्लेयर्स के नाम जारी कर दिए हैं। विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को इस लिस्ट में जगह मिली है। फाइनल में जगह बनाने वाली पाकिस्तान के 2 और इंग्लैंड के 3 खिलाड़ी भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

न्यूजीलैंड का कोई प्लेयर नहीं ICC प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की लिस्ट में सेमीफाइनल खेलने वाली 4 में से 3 टीमों के खिलाड़ियों के नाम हैं। न्यूजीलैंड का कोई भी प्लेयर इस लिस्ट में जगह नहीं बना सका है। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर के अलावा ओपनर एलेक्स हेल्स और ऑलराउंडर सैम करन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान और तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी लिस्ट में जगह मिली है।

क्वालिफायर राउंड की टीमों से भी 2 नाम

टॉप टीमों के अलावा फर्स्ट राउंड से सुपर-12 स्टेज में क्वालिफाई करने वाली जिम्बाब्वे और श्रीलंका के भी एक-एक खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट की रेस में हैं। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 15 विकेट लेने वाले श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा और टूर्नामेंट में 3 प्लेयर ऑफ द मैच जीतने वाले जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा भी प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बन सकते हैं।

कैसे डिसाइड होता है वर्ल्ड कप के लिए प्लयेर ऑफ द टूर्नामेंट?

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड के लिए ICC ने अपनी ऑफिशियल वेबसाइट पर वोटिंग के लिए पोल जारी कर दिया है। इस पोल में फैंस 9 खिलाड़ियों में से किसी एक को वोट कर सकते हैं। फैंस वोट के अलावा टूर्नामेंट के ऑफिशियल कमेंटेटर प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को वोट देंगे। दोनों के वोट को मिलाकर जिस खिलाड़ी को सबसे ज्यादा वोट मिलेंगे, उसे प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिया जाएगा।

2021 में डेविड वॉर्नर को मिला था अवॉर्ड

2021 का टी-20 वर्ल्ड कप UAE में खेला गया था। 13 नवंबर को फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। तब ऑस्ट्रेलिया के ओपनर डेविड वॉर्नर को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड मिला था। टूर्नामेंट के 7 मैचों में वॉर्नर ने 48.16 के एवरेज से 289 रन बनाए थे।

विराट कोहली को 2 बार मिल चुका है अवॉर्ड

अब तक टी-20 वर्ल्ड कप के 7 एडिशन खेले जा चुके हैं। 8वां एडिशन जारी है। भारत के विराट कोहली एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने 2 बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड जीता। उन्हें 2014 और 2016 में ये अवॉर्ड मिला था। दोनों ही बार भारत खिताब नहीं जीत सका था। टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप का एकमात्र टाइटल 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में जीता था।

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत का बोलबाला, लवलीना समेत 4 बॉक्सर्स ने जीता गोल्ड

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। मीनाक्षी पूरी कोशिश के बावजूद गोल्ड मेडल के मुकाबले में जापान की किनोशिता रिंका से विभाजित फैसले में 1-4 से हार गयीं. एशियन चैंपियनशिप में भारतीय महिला बॉक्सर्स का शानदार प्रदर्शन जारी है. भारतीय मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा), परवीन हुड्डा (63 किग्रा), स्वीटी (81 किग्रा) और अल्फिया खान (81 किग्रा से अधिक) ने जॉर्डन के अम्मान में चल रही इस चैंपियनशिप में शुक्रवार को गोल्ड मेडल जीते. भारत की पांच महिला खिलाड़ी फाइनल में पहुंची थी. ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडल विजेता और 75 किग्रा भार वर्ग में पहली बार किसी टूर्नामेंट में भाग ले रही लवलीना ने उज्बेकिस्तान की रुजमेतोवा सोखीबा पर 5-0 से सर्वसम्मत निर्णय से जीत हासिल की जबकि परवीन ने जापान की किटो माई को इसी अंतर से हराया.

लवलीना का एशियाई चैम्पियनशिप यह तीसरा मेडल है. उन्होंने 2017 और 2021 में वेल्टरवेट वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीते थे. वर्ल्ड चैंपियनशिप की ब्रॉन्ज मेडल विजेता परवीन कॉमनवेल्थ गेम्स में भाग नहीं ले पाई थी लेकिन उन्होंने यहां चौथी वरीयता प्राप्त माई के खिलाफ दबदबा बनाए रखा और सर्वसम्मत फैसले से जीत दर्ज की.

स्वीटी और अल्फिया ने भी जीता गोल्ड

इसके बाद स्वीटी और अल्फिया ने क्रमशः कजाकिस्तान की गुलसाया येरजान और जॉर्डन की इस्लाम हुसैली को हराकर गोल्ड मेडल जीता. स्वीटी ने येरजान को आसानी से हराया जबकि अल्फिया की प्रतिद्वंद्वी पहले राउंड में अयोग्य घोषित किये जाने के कारण बाहर हो गई. दूसरी तरफ मीनाक्षी ने एशियन चैंपियनशिप में पदार्पण पर अपना अभियान फ्लाईवेट वर्ग (52 किग्रा) में रजत मेडल जीतकर समाप्त किया. यह जीत 25 वर्षीय लवलीना के लिए मनोबल बढ़ाने वाली रही क्योंकि टोक्यो ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद वह खराब फॉर्म में चल रही थी. वह विश्व चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में शुरू में ही बाहर हो गई थी.

लवलीना ने दिखाया दम

असम की यह मुक्केबाज 69 किग्रा से 75 किग्रा में खेलने लगी थी क्योंकि उनका पिछला भार वर्ग पेरिस ओलिंपिक में शामिल नहीं है. दोनों मुक्केबाजों ने सहज शुरुआत की और एक दूसरे को हमला करने के लिए आमंत्रित किया लेकिन लवलीना ने जल्द ही कुछ दमदार मुक्के जमाकर अपना दबदबा कायम कर दिया.इसके बाद दोनों ने एक दूसरे के हमले से बचने का भी प्रयास किया. लवलीना हालांकि कुछ करारे मुक्के जड़ने में सफल रही. उनका एक मुक्का इतना जबरदस्त था कि रेफरी को सोखीबा के लिए गिनती गिननी पड़ी.

मीनाक्षी हारी फाइनल मुकाबला

मीनाक्षी पूरी कोशिश के बावजूद गोल्ड मेडल के मुकाबले में जापान की किनोशिता रिंका से विभाजित फैसले में 1-4 से हार गयीं. दूसरी वरीय जापानी खिलाड़ी के खिलाफ मीनाक्षी की शुरूआती धीमी रही जबकि प्रतिद्वंद्वी मुक्केबाज ने इस भारतीय की सुस्ती का पूरा फायदा उठाया और पांच में से चार जज का फैसला अपने पक्ष में कराया.

ग्रेगर बार्कले फिर बने आईसीसी चेयरमैन

2024 तक रहेंगे इस पद पर, जय शाह फाइनेंशियल कमेटी के हेड

दुबई, 12 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप के बीच इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को नया बॉस मिल गया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के डायरेक्टर और वकील ग्रेगर बार्कले एक बार फिर आईसीसी के चेयरमैन बने हैं। शनिवार को उन्हें सर्वसम्मति से चुना गया। वे लगातार दूसरी बार इस पद के लिए चुने गए हैं। वहीं, बीसीसीआई के सचिव जय शाह आईसीसी फाइनेंशियल कमेटी के हेड बनाए गए हैं।

माना जा रहा था कि जिम्बाब्वे के तवेंगवा मुकुहलानी भी आईसीसी के चेयरमैन पद का चुनाव लड़ेंगे। लेकिन, उनके नाम वापस लेने के बाद इस पद की चयन प्रक्रिया निर्विरोध हो गई। बार्कले निर्विरोध चेयरमैन बन गए। वे अब अगले दो साल तक इस पद पर बने रहेंगे।

नवंबर में बने थे आईसीसी चेयरमैन

माना जा रहा था कि बार्कले चुनाव से पहले ही पद छोड़ देंगे। वे दूसरी बार इस पद के लिए नॉमिनेशन फाइल नहीं करेंगे। ऐसे में आईसीसी को नया चेयरमैन मिलता। लेकिन, बार्कले ने अपने कार्यकाल को बढ़ने का फैसला लिया। ऑकलैंड के कॉमर्सियल लॉयर बार्कले नवंबर 2020 में पहली बार आईसीसी चेयरमैन बने थे। वे न्यूजीलैंड क्रिकेट के चेयरमैन भी रहे। उन्हें 2015 वनडे वर्ल्ड कप के डायरेक्टर भी बनाया गया।

गांगुली के नाम की चर्चा

आईसीसी चेयरमैन बनने की रेस में पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली का नाम भी था, लेकिन बीसीसीआई चीफ के पद से हटने के बाद पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने इस के लिए नामांकन नहीं भरा। बीसीसीआई चुनाव से पहले कयास लगाए जा रहे थे कि गांगुल आईसीसी चेयरमैन बन सकते हैं। अब तक चार भारतीय प्रशासक इस पद पर रह चुके हैं। इनमें जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर शामिल हैं।

न्यूजीलैंड की टीम बनी वर्ल्ड चैंपियन

रोमांचक फाइनल में इंग्लैंड को दी मात

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड की महिला रग्बी टीम ने रोमांचक वर्ल्ड कप के रोमांचक फाइनल मुकाबले में इंग्लैंड को मात दी.

टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की टीम को सेमीफाइनल में पाकिस्तान से मात मिली और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. हालांकि देश के फैंस के खुशी की बात यह है वह फिर से वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं. जी नहीं टी20 वर्ल्ड चैंपियन नहीं बल्कि रग्बी में. कीवी महिला टीम ने छठी बार रग्बी वर्ल्ड कप जीता है.

न्यूजीलैंड इस बार मेजबान था और अपने घर पर ही खिताब जीतकर उन्होंने फैंस को खुश होने का बड़ा मौका दिया. फाइनल मुकाबले में कीवी टीम ने इंग्लैंड को 34-31 से हराया. इस जीत ने पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड की शर्मनाक हार का दर्द जरूर कम किया होगा.

इंग्लैंड की टीम को मैच का अधिकतर समय 14 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा क्योंकि उनकी स्टार खिलाड़ी लेडिया थॉम्पसन को उनके खराब टैकल के बाद बाद मैदान से बाहर कर दिया गया था. हालांकि फिर भी यह टीम आखिर के 10 मिनट में दो अंको की लीड में थी.

न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद इंग्लैंड के खिलाड़ी बेहद निराश और भावुक नजर आए. इंग्लैंड इस टूर्नामेंट में जीत की सबसे बड़ी दावेदार थी. फाइनल मुकाबले से पहले उसका विजयी अभियान 30 मुकाबलों से चला आ रहा था लेकिन जब इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी तब यह टीम हार गई.

फीफा वर्ल्ड कप : ओपनिंग सेरेमनी में 3 हसीनाएं मचाएंगी धमाल

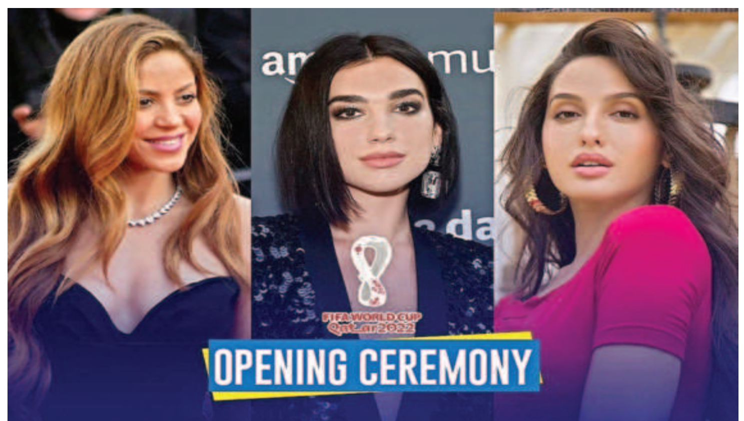

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2022 का आगाज 20 नवंबर से हो रहा है, ओपनिंग सेरेमनी में नोरा फतेही, शकीरा और डुआ लिपा जैसी स्टार्स रंग जमाने वाली हैं.

टी20 वर्ल्ड कप के धमाल के बाद अब खेल प्रेमियों को रोमांच का एक और डोज मिलने वाला है. आपको बता दें 20 नवंबर से फीफा वर्ल्ड कप 2022 का आगाज हो रहा है और फुटबॉल के इस महासमर में दुनिया की टॉप 32 टीमें भिड़ने वाली हैं.

टी20 वर्ल्ड कप इस बार कतर में आयोजित हो रहा है और इसकी ओपनिंग सेरेमनी इसका मुख्य आकर्षण होने वाली है. 20 नवंबर को अल खोर के अल बायत स्टेडियम में ओपनिंग सेरेमनी होगी जिसमें दुनिया की 3 सुपरस्टार परफॉर्मेंस करने वाली हैं

बॉलीवुड एक्ट्रेस और डांसर नोरा फतेही भी फुटबॉल वर्ल्ड कप की सेरेमनी में हिस्सा लेंगी. नोरा फतेही फीफा वर्ल्ड कप 2022 के साउंडट्रैक लाइट द स्काई पर परफॉर्म करने वाली हैं.

नोरा फतेही के अलावा मशहूर सिंगर शकीरा भी फुटबॉल वर्ल्ड कप में परफॉर्मेंस देंगी. बता दें शकीरा साल 2010 फुटबॉल वर्ल्ड कप में भी आकर्षण का मुख्य केंद्र रही थीं. उनका मशहूर सॉन्ग वाका-वाका आज भी लोगों को झूमने पर मजबूर करता है.

मशहूर सिंगर डुआ लिपा भी फीफा वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी में परफॉर्म करेंगी. उनके अलावा बीटीएस के कुछ सदस्य भी पहली बार इस भव्य टूर्नामेंट के आगाज में जलवा दिखा सकते हैं.

रोहित शर्मा की कप्तानी धोनी-विराट के सामने कहीं नहीं ठहरती!

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। टी20 वर्ल्ड कप 2022 में टीम इंडिया सेमीफाइनल से बाहर हो गई. हार की बड़ी वजह रोहित शर्मा की औसत कप्तानी भी है. कुछ चीजें पहले से साफ होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि भारत के पास इस टी 20 वर्ल्ड कप में जीत हासिल करने की क्षमता नहीं थी. लेकिन इसने यह जरूर साबित कर दिया कि यह कल्पना कि रोहित शर्मा भारत को विश्वकप का ताज दिलाएंगे, सिर्फ एक तमाशा था. अपने प्रदर्शन से, विशेष रूप से इस टूर्नामेंट में, रोहित ने दिखाया कि उनके पास टीम को ऊपर उठाने के लिए सोच, स्वभाव या उत्साह नहीं है. महेंद्र सिंह धोनी के पास ऐसी क्षमता थी कि उन्होंने 2007 के फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अहम आखिरी ओवर फेंकने के लिए जोगिंदर शर्मा को उतारा था और ऐसे ही रॉबिन उथप्पा से बॉलिंग करवाई थी. रोहित इस तरह के कदमों से टीम को प्रेरित कर सकते थे और विपक्षी टीम पर लगाम लगा सकते थे.

दुर्भाग्य से, ये गुण रोहित से परे रहे. उन्होंने सीमित कदम उठाए और प्लेइंग इलेवन को लेकर उनकी योजना हमेशा सुरक्षात्मक रवैया अपनाने को लेकर रही. शायद यही कारण है कि उन्होंने युजवेंद्र चहल जैसे आक्रामक गेंदबाज के बजाय अक्षर पटेल पर भरोसा किया. और आखिरकार अक्षर ने बल्ले और गेंद से नाममात्र का योगदान दिया.

रोहित शर्मा की कप्तानी में कहां कमी रह गई?

रोहित ने बार-बार मोहम्मद शमी जैसे रिप्लेसमेंट तेज गेंदबाज को चुना बजाय कि हर्षल पटेल के. यह भी हैरान करने वाला फैसला था. हकीकत यह है कि जसप्रीत बुमराह की चोट की वजह से शमी को वापस टीम में ला गया, जबकि इसके पहले उन्हें टी20 से सालों तक दूर रखा गया था. इंग्लैंड से सेमीफाइनल में हारने के बाद, रोहित ने कहा कि गेंदबाजी ने टीम को निराश किया. लेकिन सेलेक्टर्स और बीसीसीआई कप्तानी पर कड़ी नजर डालें तो अच्छा होगा. कप्तान के रूप में विराट कोहली आक्रामक रहते थे, मैदान पर उनका जुनून और समर्पण देखते बनता था और इसकी वजह से दूसरे खिलाड़ी भी अपनी क्षमता से अधिक अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित होते थे. तुलनात्मक रूप से रोहित स्थिर और उबाऊ साबित हुए. यह साफ दिख रहा था कि ओपनिंग जोड़ी अपना काम अच्छे से नहीं कर रही थी. एडिलेड की सीमित बाउंड्री ने उन्हें अच्छा मौका दिया था. लेकिन रोहित ने सोचा कि वे और केएल राहुल, बाबर आजम-मोहम्मद रिजवान के प्रदर्शन (पहले सेमीफाइनल में पाक ओपनिंग जोड़ी अच्छा खेल दिखाया था.) को दोहरा सकते हैं. वह गलत साबित हुए. राहुल और वे दोनों फ्लॉप हो गए.

पंत का सही इस्तेमाल नहीं

बाएं हाथ के बल्लेबाज ऋषभ पंत, जो स्क्वॉयर शॉट खेलना पसंद करते हैं, एडिलेड में उपयोगी साबित हो सकते थे. क्योंकि यहां की बाउंड्री सिर्फ 60 गज की हैं. हालांकि लॉन्ग साइड की बाउंड्री लंबी है. पंत कट, पुल और स्क्वॉयर ड्राइव पसंद करते हैं, ऐसे में एक नई गेंद के खिलाफ वे ज्यादा बेहतर विकल्प हो सकते थे. इससे विपक्षी टीम की गेंदबाजी योजना भी अस्त-व्यस्त हो जाती. लेकिन ऐसा नहीं हुआ.

भारत का टॉप ऑर्डर फेल

इसके बजाय, भारत के शीर्ष क्रम ने पहले छह ओवरों में एक विकेट पर महज 38 रन बनाए (इंग्लैंड ने बिना किसी नुकसान के 63 रन बनाए). वास्तव में, भारत पहले 15 ओवर तक खेल में ही नहीं था. बल्लेबाजों पर इतना दबाव था कि वे आदिल राशिद (4-0-20-1) और लियाम लिविंगस्टोन (3-0-21-0) पर आक्रमण भी नहीं कर सके. बल्लेबाज हार से डरे हुए लग रहे थे, ठीक वैसे ही जैसे दक्षिण अफ्रीकी टीम नीदरलैंड के खिलाफ नजर आ रही थी. यह मैच का सबसे भयावह पहलू था. हालांकि, यह राहत की बात रही कि हार्दिक पंड्या (33 गेंदों में 63 रन) और विराट कोहली (40 रन पर 50 रन) ने अंतिम ओवरों में बेहतर बल्लेबाजी कि वरना भारत हार के पहले ही हार चुका होता. अंतिम पांच ओवरों में 68 रन मिले और केवल इसी समय भारत मैच में नजर आया. इसके अलावा गेंदबाजी, बल्लेबाजी, फील्डिंग और कप्तानी सब कुछ सुस्त और प्रेरणाहीन थी.

रोहित को अब जाग जाना चाहिए. 20 ओवरों में से आठ ओवर ऐसे थे जब भारतीय बल्लेबाजों ने प्रति ओवर छह रन या उससे कम रन बनाए. लेग स्पिनर राशिद और स्पिनर लिविंगस्टन द्वारा फेंके गए सात ओवरों में सिर्फ 41 रन बने यह एक तरह से हार स्वीकार लेने जैसा ही था. क्या बाउंड्री की विषम दूरियों की वजह से भारत को हार मिली? कभी-कभी ऐसा लगता है, क्योंकि भारतीय टीम यहां बल्लेबाजी या गेंदबाजी में कई बार ठीक प्रदर्शन नहीं कर पा रही थी. ऐसा लग रहा था कि उन्हें इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि अपेक्षाकृत छोटी स्क्वॉयर बाउंड्री से कैसे निपटा जाए, जबकि इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने दिखाया कि गेंद को स्क्वॉयर फेंस में कैसे चिप, लॉफ्ट और गाइड करना है. लिहाजा, पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ दो बार हार से बचने वाली टीम इंडिया तीसरी बार फ्लॉप साबित हो गई. अगर रोहित को पहले यह बात समझ में न आई हो तो अब समझ आ जाना चाहिए!

चहल के कोच बोले- उसे पहले मैच से खिलाना था

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर हो गई। सेमीफाइनल में इंग्लैंड ने उसे 10 विकेट से हराया। हार की कई वजहें हैं और इनका पोस्टमॉर्टम भी शुरू हो चुका है। एक सवाल प्लेइंग इलेवन में स्पिनर के सिलेक्शन का है। हमारी वर्ल्ड कप स्क्वॉड में 3 स्पेशलिस्ट स्पिनर थे। रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल। टीम मैनेजमेंट ने अश्विन को हर मैच में खिलाया, जिन्हें किसी वक्त टी-20 फॉर्मेट के लिए फिट ही नहीं माना जाता था। चहल डगआउट से मैच देखते रहे। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के शादाब खान हों, या इंग्लैंड के आदिल रशीद, दोनों प्लेइंग इलेवन में न सिर्फ खेले बल्कि जबरदस्त कामयाब भी रहे। इनका प्रदर्शन हम ग्राफिक्स में भी देखेंगे। बहरहाल, चहल को प्लेइंग इलेवन में मौका क्यों नहीं दिया गया? और ये सवाल सिर्फ हम नहीं कर रहे, सुनील गावस्कर और हरभजन सिंह ने भी टीवी कमेंट्री में इन बातों का जिक्र किया है। इन चुभते हुए सवालों के जवाब हमने चहल के कोच रणधीर सिंह से जानने की कोशिश की। यहां जानते हैं रणधीर ने क्या कहा... उससे पहले हमारे पोल में अपनी राय दे दीजिए...

डिसीजन लेता है जो टीम के हित में हो। टीम मैनेजमेंट बेस्ट कॉम्बिनेशन खिलाता है। जहां तक चहल की बात है तो ऑस्ट्रेलिया में ग्राउंड्स बड़े होते हैं। चहल बैटर्स को रीड करके फ्लाइट करता है। हो सकता है वो एक्स फैक्टर साबित होता। बाकी टीमों ने लेग स्पिनर्स को प्लेइंग इलेवन में खिलाया। मुझे लगता है कि चहल को भी मौका दिया जा सकता था, लेकिन फिर कहूंगा कि यह टीम मैनेजमेंट का फैसला होता है और वो बेस्ट पॉसिबल प्लेइंग इलेवन ही खिलाता है। मैं पर्सनली ये मानता हूं कि उसे पहले ही मैच से खिलाना चाहिए था। चहल इंडिया का लीडिंग विकेट टेकर है। और यही बात सुनील गावस्कर, हरभजन सिंह और आकाश चोपड़ा जैसे बड़े प्लेयर्स कह रहे हैं कि चहल को खिलाना चाहिए था, लेकिन फिर वही बात है कि टीम मैनेजमेंट हालात को देखकर फैसले लेता है।

ODI वर्ल्ड कप में एक साल बाकी है। करेंट फॉर्म की बात करें तो चहल बहुत अच्छा कर रहा है। वनडे में तो वैसे भी लॉन्ग स्पेल होते हैं और उसका रिकॉर्ड भी इस फॉर्मेट में अच्छा है। उम्मीद करते हैं कि वहां चहल को मौका मिलेगा और वो शानदार परफॉर्मेंस भी देगा।

पूरे टूर्नामेंट में हमारी ओपनिंग पार्टनरशिप सही नहीं हुई। जाहिर सी बात है कि जब ओपनिंग सही नहीं मिलती तो आपको डिफेंसिव होना ही पड़ता है। अगर इंग्लैंड की बात करें तो उनका कोई विकेट गिरा ही नहीं। इसलिए वो अटैकिंग खेलते रहे। ये तो नहीं हो सकता कि आपके विकेट भी गिरते रहें और आप अटैकिंग भी खेलते रहें। प्रेशर तो आता ही है।

टीम कॉम्बिनेशन के लिए एक्सपेरिमेंट्स बिल्कुल गलत नहीं हैं। अगर आप कॉम्बिनेशन नहीं आजमाएंगे, एक्सपेरिमेंट्स नहीं करेंगे तो यंग प्लेयर्स को मौका कैसे मिलेगा? हां, ये जरूर है कि फिर नतीजे भी देखने पड़ते हैं। हमारी टीम तो इस बार भी करीब-करीब वही थी, जो पिछले वर्ल्ड कप में खेली थी। और जो नहीं खेले जैसे जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा, तो इसकी वजह उनका अनफिट होना था।

चहल पिछला वर्ल्ड कप नहीं खेला था। इसके पहले वो दुबई में अच्छा कर रहा था। पिछला वर्ल्ड कप भी वहीं खेला गया था, लेकिन चाहे कोई कप्तान हो या कोच, टीम कॉम्बिनेशन बनाने के लिए आपको एक्सपेरिमेंट्स तो करने ही पड़ेंगे। इसके बिना काम नहीं चल सकता। हां, ये जरूर है कि रिजल्ट्स भी मायने रखते हैं।

रिव्यू मीटिंग करेगा बीसीसीआई

रोहित-कोहली, द्रविड़ से होंगे सवाल; बोर्ड सिलेक्शन कमेटी से भी नाखुश

खेल डेस्क, 12 नवंबर (एजेंसियां)। टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से करारी हार के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड नाराज है। बीसीसीआई जल्दी ही एक रिव्यू मीटिंग करने जा रहा है। इस मीटिंग में कोच राहुल द्रविड़, कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली से सवाल किए जाएंगे। बीसीसीआई के सेक्रेटरी जय शाह इस मीटिंग में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन का रिव्यू करेंगे। बोर्ड के एक अफसर के मुताबिक- हम एक मीटिंग करने जा रहे हैं। सेमीफाइनल की इस हार से हम भी उबर नहीं पाए हैं। जाहिर तौर पर टीम में बदलाव की जरूरत है। रिव्यू में टीम की बात भी सुनना जरूरी है। इसके बिना किसी नतीजे तक नहीं पहुंचा जा सकता। इसलिए रोहित, द्रविड़ और कोहली के इनपुट को सुनकर भविष्य की टी-20 स्क्वॉड की प्लानिंग की जाएगी। बीसीसीआई सिलेक्शन कमिटी की परफॉर्मेंस से भी नाखुश है। सिलेक्शन कमिटी के हेड पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा हैं। मीटिंग में सिलेक्शन कमिटी की परफॉर्मेंस को भी रिव्यू किया जाएगा। कयास हैं कि चेतन शर्मा को सिलेक्शन कमिटी के हेड के पद से हटा दिया जाएगा। हालांकि, अभी ये साफ नहीं है कि चेतन खुद इस मीटिंग का हिस्सा होंगे या नहीं।

भद्राद्री, कोत्तागुडेम और खम्मम जिलों के विकास में मदद करेगी नई रेल लाइन : मोदी

पीएम ने भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली के बीच नई रेलवे लाइन को राष्ट्र को समर्पित किया

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री ने नरेन्द्र मोदी ने रामागुंडम में आयोजित एक समारोह में वीडियो लिंक के माध्यम से भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली के बीच नई रेलवे लाइन राष्ट्र को समर्पित की। इस अवसर पर राज्यपाल डॉ तमिलिसाई सौदरराजन, केंद्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री जी. किशर रेड्डी, भगवंत खुबा, केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा भगवंत खूबा, सांसद करीमनगर संजय कुमार बंडी उपस्थित रहे। इसके साथ ही दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरूण कुमार जैन, सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक ए के गुप्ता और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज का

दिन तेलंगाना राज्य के लोगों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि कई प्रमुख विकास परियोजनाओं में 10,000 करोड़ रुपये की लागत आई है। राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों में, एनडीए सरकार ने देश के सर्वांगीण विकास के लिए कई पहल की हैं और इसने भारत के लिए जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का मार्ग प्रशस्त किया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने बताया कि पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय योजना के तहत पूरे भारत में रेल, सड़क, वायु, जल और इंटरनेट कनेक्टिविटी को बढ़ाया जा रहा है।

इस पहल की दिशा में प्रधानमंत्री ने बताया कि देश में चौदह अत्यंत महत्वपूर्ण कोयला निकासी परियोजनाओं की सूची में शामिल करके भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष ध्यान दिया गया था। प्रयासों ने 4 साल से भी कम समय में विद्युतीकरण के साथ-साथ नई रेलवे लाइन परियोजना को चालू करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने कहा कि पिछड़े और आदिवासी क्षेत्रों के सामाजिक आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए हमारी सरकार की प्राथमिकता के अनुरूप, यह नई रेलवे लाइन उस क्षेत्र की महत्वपूर्ण प्रगति और समृद्धि की शुरुआत करने के लिए बाध्य है, जहां से यह गुजर रही है।

श्री मोदी ने बताया कि नई रेलवे लाइन परियोजना तेलंगाना राज्य में भद्राद्री, कोत्तागुडेम और खम्मम जिलों के विकास में मदद करेगी।

उन्होंने कहा कि रेलवे लाइन लोगों और उद्योग के लिए परिवहन का एक सुरक्षित, तेज और आर्थिक साधन प्रदान करेगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करेगी। इस अवसर पर मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस संबंध में कई पहल कर रही है। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने भद्राचलम रोड-सत्तुपल्ली नई रेलवे लाइन परियोजना की मुख्य विशेषताओं के बारे में बताते हुए एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी।

पीएम मोदी के राज्य दौरे को सीएम नहीं रोक सकते : किशन

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज चेतावनी दी कि एक हजार केसीआर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राज्य का दौरा करने से नहीं रोक सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री भविष्य में बार-बार राज्य का दौरा करेंगे। किशन रेड्डी ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के पिछले आठ वर्षों में तेलंगाना में एनएच सड़क संपर्क दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि देश के पीएम का स्वागत करने का रिवाज है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में इस प्रथा का पालन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीआरएस सरकार राज्यपाल की स्थिति पर विचार किए बिना उनका अपमान कर रही है।

तेलंगाना में बनेगी 1000 नई मत्स्य सहकारी समितियां : हरीश राव

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री हरीश राव ने कहा कि राज्य में जल्द ही 1,000 नई मत्स्य सहकारी समितियां बनाई जाएंगी। हरीश राव, जिन्होंने मत्स्य मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और एमएलसी बंदा प्रकाश के साथ यहां एमसीआर एचआरडी संस्थान में शनिवार को यहां नई मत्स्य पालन समितियों के गठन पर चर्चा करने के लिए बैठक की, ने अधिकारियों को तीन महीने में नई सदस्यता की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा। हरीश राव ने बताया कि 18 साल की उम्र पूरी कर चुके मछुआरों को मार्केटिंग सोसायटियों की सदस्यता देने का फैसला किया गया है। यह कहते हुए कि कई वर्षों से मछुआरों की ओर से नई मत्स्य पालन औद्योगिक समितियां बनाने और नई सदस्यता देने की मांग की जा रही है, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने इसलिए 1000 मत्स्य पालन सहकारी समितियां बनाने का निर्णय लिया है। प्रत्येक पात्र मछुआरे को संघ का सदस्य बनने का अधिकार

है। मंत्री ने बताया कि 650 नवगठित मत्स्य सहकारी समितियों के सदस्यों के लिए कौशल परीक्षण पूरा कर लिया गया है, साथ ही अन्य 334 समितियों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है. उनके अनुसार, 650 मत्स्य सहकारी समितियों में 13,900 लोगों को सदस्यता दी गई है और अन्य 334 समितियां सदस्यता के लिए कौशल परीक्षण कर रही हैं।

हरीश राव ने बताया कि जल स्रोतों के अभाव में पूर्व में मत्स्य पालन समितियों में प्रति ढाई एकड़ में एक सदस्य का चयन किया जाता था, लेकिन अब जल संसाधनों में वृद्धि के साथ, सरकार ने प्रति एकड़ जल निकाय में एक सदस्य का चयन करने का निर्णय लिया है। श्रीनिवास यादव ने कहा कि नई मत्स्य पालन समिति से हजारों मछुआरों को रोजगार मिलेगा।

उन्होंने बताया कि सदस्यता प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के लिए विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया गया है। इस बीच, हरीश राव ने अधिकारियों को मुदिराज, यादव और कुरमा संघ भवनों के निर्माण को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकार ने मुदिराज भवन के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपये और पांच एकड़ भूमि आवंटित की है और यादव और कुरमा संघ भवनों के लिए अतिरिक्त 2.61 करोड़ रुपये स्वीकृत किए जाएंगे जो पहले से ही निर्माणाधीन हैं। विशेष मुख्य सचिव वित्त रामकृष्ण राव, विशेष सचिव पशुपालन आधार सिन्हा, मत्स्य पालन आयुक्त लच्छीराम नाइक, डेयरी विकास अध्यक्ष सोमा भरत कुमार और मत्स्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

केबीआर पार्क के पास काले गुब्बारे उड़ाकर विरोध-प्रदर्शन

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना आगमन के विरोध में तेलंगाना चेंनता युवा बल के नेतृत्व में केबीआर पार्क के पास काले गुब्बारे उड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। "मोदी वापस जाओ", "तेलंगाना में प्रवेश नहीं" तख्तियां प्रदर्शित की गईं और बड़े पैमाने पर नारे लगाए गए। तेलंगाना हैंडलूम यूथ फोर्स के प्रदेश अध्यक्ष अलीशेट्टी अरविंद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी तेलंगाना के खिलाफ हैं। तेलंगाना में आने वाली परियोजनाओं और उद्योगों को अन्य क्षेत्रों में ले जाया जा रहा है। मोदी परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करना और फिर उन्हें अदानी और अंबानी को श्रेय देना एक दिनचर्या बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि हथकरघा पर लगने वाले 5 प्रतिशत जीएसटी को तत्काल वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एक कॉर्पोरेट सरकार है।

आरजीआई एयरपोर्ट से 5.5 किलो सोना जब्त

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने आरजीआई हवाई अड्डे, शमशाबाद में सोने की तस्करी के रैकेट का भंडाफोड़ किया और दो यात्रियों के पास से 5.5 किलोग्राम सोना जब्त किया।

विशेष सूचना पर, सीमा शुल्क अधिकारियों ने दो यात्रियों की जाँच की और पाया कि उन्होंने अपने अंडर गारमेंट्स में पेस्ट के रूप में सोना छुपाया था। अधिकारियों ने तीन करोड़ रुपये मूल्य का सोना जब्त किया। यात्री दुबई से आरजीआईए पहुंचे थे। उनके खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मंदामारी को मॉडल नगर पालिका में बदला जाएगा : सुमन

मंचेरियल, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक बालका सुमन ने कहा कि मंडामारी को राज्य में एक आदर्श नगर पालिका के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने शनिवार को मंडामारी में कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक योजनाओं के 37 लाभार्थियों को चेक सौंपे। सुमन ने कहा कि तेलंगाना में मंदामारी को एक आदर्श नागरिक निकाय में बदलने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने बताया कि कोल बेल्ट कस्बे में 160 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव जल्द ही पाम ऑयल सीड प्रोसेसिंग यूनिट का उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री के दिमाग की उपज कल्याण लक्ष्मी/शादी मुबारक योजनाओं ने पिछले आठ वर्षों में 10 लाख माता-पिता की मदद की है। मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) के माध्यम से आपात स्थिति के दौरान निजी अस्पतालों में गरीबों द्वारा खर्च किए गए धन को मुख्यमंत्री द्वारा चुकाने का उल्लेख करते हुए, सुमन ने कहा कि यह योजना इस इरादे से तैयार की गई थी कि गरीब लोगों को चिकित्सा उपचार का बोझ नहीं होना चाहिए। मंदामारी कस्बे में सेंट्रल लाइटिंग, इंटीग्रेटेड मार्केट, महिला भवन और एक कब्रिस्तान का काम तेज गति से चल रहा है। सुमन ने बाद में शहर में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग लिया। जिला परिषद अध्यक्ष नल्लाल भाग्य लक्ष्मी, रामकृष्णपुर नगर परिषद के सदस्य और स्थानीय नेता उपस्थित थे।

पुलिस ने माओवादियों द्वारा लगाए गए बारूदी सुरंग को बेअसर किया

कोत्तागुडेम, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के चेरला मंडल में माओवादीसन वद्दीपेटा-पुसुगुप्पा रोड द्वारा लगाए गए एक लैंड माइन में शनिवार को पुलिस ने विस्फोट कर दिया। चेरला के पुलिस निरीक्षक बी अशोक ने एक बयान में कहा कि तलाशी अभियान में लगी एक पुलिस टीम ने पुलिसकर्मियों को मारने के उद्देश्य से 15 किलोग्राम बारूदी सुरंग को देखा। उन्होंने कहा कि बम निरोधक दस्ते की मदद से बारूदी सुरंग को निष्क्रिय कर दिया गया। यह ध्यान दिया जा सकता है कि हाल ही में तेलंगाना-छत्तीसगढ़ राज्यों की सीमाओं पर पुसुगुप्पा में एक सीआरपीएफ शिविर स्थापित किया गया है और इसका तेलंगाना के डीजीपी एम. महेंद्र रेड्डी और अतिरिक्त डीजी (ग्रेहाउंड्स) के. श्रीनिवास रेड्डी, एसआईबी प्रमुख प्रभाकर राव और अन्य ने अक्टूबर 19 को दौरा किया था।

पुलिस ने भाकपा के प्रदेश सचिव को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने आज सीपीआई के राज्य सचिव कुनामनेनी संबाशिव राव को पेद्दापल्ले जिले के गोदावरीखानी में गिरफ्तार किया, जब वह राष्ट्र के लिए आरएफसीएल के समर्पण के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की रामागुंडम यात्रा में बाधा डालने जा रहे थे। प्रधानमंत्री के राज्य दौरे का विरोध कर रहे कुनामनेनी संबाशिव राव को पुलिस मंचेरियल जिले के जयपुर पुलिस थाने ले गई। राव ने थाना परिसर में धरना दिया। इस अवसर पर बोलते हुए, भाकपा नेता ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी अलोकतांत्रिक थी और पुलिस से पूछा कि क्या राज्य के जिलों में विरोध प्रदर्शन करने से पीएम को कोई नुकसान होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि विरोध की अभिव्यक्ति देश के लोगों का लोकतांत्रिक अधिकार है। उन्होंने मांग की कि पुलिस उन सभी को रिहा करे, जिन्हें उन्होंने पीएम के दौरे से पहले गिरफ्तार किया था। पिछले कुछ दिनों से भाकपा विभिन्न संगठनों के साथ पीएम के दौरे का विरोध कर रही है. उन्होंने रामागुंडम में मोदी विरोधी फ्लेक्स भी लगाए। आंदोलनकारियों ने पीएम से पूछा कि एपी पुनर्गठन अधिनियम में किए गए वादों का क्या हुआ जैसे आईटीआईआर परियोजना की स्थापना, कपड़ा पार्क, मिशन भगीरथ योजना के लिए धन, काजीपेटा रेलवे कोच फैक्ट्री, ब्याराम स्टील फैक्ट्री, रक्षा गलियारा, मेडिकल कॉलेज और की स्थापना तेलंगाना में हल्दी बोर्ड। सिंगरेनी कोलियरीज के कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के कोयला ब्लॉकों के निजीकरण के फैसले का विरोध किया। उन्होंने न केवल काला बैज लगाया, बल्कि पीएम मोदी से वापस जाने के लिए नारे भी लगाए।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

तेलंगाना संस्थागत ढांचे के माध्यम से नवाचारों को आगे बढ़ा रहा है : केटीआर

हैदराबाद, 12 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग और वाणिज्य मंत्री के तारक रामाराव ने यहां आयोजित सीआईआई दक्षिणी क्षेत्र परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना की कहानी अभी शुरू हुई है। न केवल व्यापार करने में आसानी बल्कि आज उद्योग को व्यवसाय करने की लागत कम करने पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कंपनियों को गुणवत्ता और लागत के प्रतिस्पर्धी इंटर्न होने की आवश्यकता है।

हैदराबाद 19,000 एकड़ में स्थापित दुनिया के सबसे बड़े फार्मा क्लस्टर का घर है, दुनिया का सबसे बड़ा ऊष्मायन केंद्र-टी हब, दुनिया का सबसे बड़ा प्रोटोटाइप केंद्र- टी-वर्क्स भारत के लिए अवसर है। उन्होंने उद्योग जगत के नेताओं से साहसिक कदम उठाने को कहा क्योंकि अब पूंजी की कोई कमी नहीं है।

हैदराबाद वह शहर है जहाँ जीव विज्ञान प्रौद्योगिकी से मिलता है। जीनोम वैली तेलंगाना के गौरवपूर्ण स्थलों में से एक है और अब हमारे पास पठानचेरु में मेडक पार्क भी है जहां एशिया की सबसे बड़ी स्टेंट निर्माण सुविधा स्थित है। दुनिया के एक तिहाई मानव टीके तेलंगाना में निर्मित होते हैं और हमारा राज्य निवेश के लिए सबसे प्रगतिशील और आकर्षक गंतव्य है। तेलंगाना सरकार वर्तमान में श्वेत क्रांति, मछली/मांस क्रांति, और पीली क्रांति (ताड़ के तेल) पर ध्यान केंद्रित कर रही है, जिसमें निकट भविष्य में विकास देखा जा सकता है।

केटीआर ने कहा, "डिजिटल क्रांति बड़े पैमाने पर हो रही है और उद्योग इस उद्योग 4.0 अवसर को नहीं छोड़ सकता है। इसलिए, तेलंगाना संस्थागत सेट-अप के माध्यम से नवाचार चला रहा है क्योंकि आज का स्टार्ट-अप कल की बहुराष्ट्रीय कंपनी है। तेलंगाना का टीएसआईपास देश की सर्वश्रेष्ठ उद्योग नीतियों में से एक है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.